धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

सुप्रभात

रांची, शनिवार
22.02.2025

* * नगर संस्करण। पेज : 12

खबर मन्त्र

khabarmantralive.com

रांची और धनबाद से एक साथ प्रकाशित

सबकी बात सबके साथ

khabarmantra.net

फाल्गुन, कृष्ण पक्ष, नवमी, संवत् 2081

मूल्य : ₹ 3 । वर्ष : 12 । अंक : 222

12 टाइम की सूची में भारत की पूर्णिमा बर्मन भी शामिल

न्यूज डायरी

सोनिया गांधी को अस्पताल से मिली छुट्टी

नयी दिल्ली। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष एवं राज्यसभा सदस्य सोनिया गांधी को शुक्रवार को दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल से छुट्टी मिल गयी। उन्हें गुरुवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पार्टी सूत्रों के अनुसार, सोनिया गांधी को पेट में मामूली संक्रमण के कारण उन्हें एक दिन के लिए भर्ती कराना पड़ा। वह अस्पताल में डॉक्टरों की एक टीम की निगरानी में थीं।

बच्चे के गले में मटर का दाना अटका, मौत

लोहरदगा। कैरो थाना क्षेत्र के गुड़ी करंज टोली में मटर खाने के दौरान गले में मटर का दाना फंस जाने के कारण डेढ़ वर्षीय बच्चे की मौत हो गयी। जानकारी के अनुसार मटर का दाना खाने के बाद बच्चे की स्थिति बिगड़ने लगी। परिजन बच्चे को सदर अस्पताल ले गये, जहां डॉक्टर ने जांच करते हुए मृत घोषित कर दिया।

शादी समारोह में गोली चली, कैटरर की मौत

इटकी। इटकी के तिलकसूती गांव में एक शादी समारोह में गोली चलने से 16 वर्षीय कैटरर रविन्द्र लोहरा की मौत हो गयी। घटना गुरुवार देर रात करीब दस बजे की है। कैटरर बुढ़मू प्रखंड के कर्माटोली, थाना ठाकुरगांव का रहने वाला बताया गया है। समारोह में पार्टी चल रही थी। इसी दौरान अचानक गोली चली, जहां कैटरर खून से लथपथ मिला। घटना की सूचना पर पहुंची इटकी पुलिस घायल अवस्था में युवक को अस्पताल ले जा रही थी लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। मामले में पुलिस तीन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

हार्डकोर नक्सली महाराष्ट्र से गिरफ्तार

हजारीबाग। झारखंड पुलिस ने महाराष्ट्र पुलिस के सहयोग से हार्डकोर नक्सली तुलसी महतो उर्फ दिलीप महतो को महाराष्ट्र के यवतमाल थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। उसे कड़ी सुरक्षा में हजारीबाग लाया गया। हजारीबाग लाने के बाद शुक्रवार देर शाम शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में उसकी जांच करायी गयी। इसके बाद उसे कोर्ट में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

जमशेदपुर पहुंची आइपीएल की ट्रॉफी

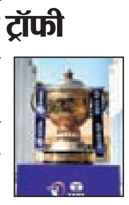

जमशेदपुर। इंडियंस प्रीमियर लीग 2025 का ट्रॉफी टूर शुक्रवार को जमशेदपुर पहुंचा। फैंस ने कोलकाता नाइट राइडर्स के इस ट्रॉफी टूर को काफी समर्थन दिया। इस ट्रॉफी को प्रतिष्ठित रूसी मोदी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में ले जाने से पहले सुंदर डिमना झील के पास रखा गया। यह यात्रा हाई-टेक मॉल में संपन्न हुई, जिसने पूरे शहर के क्रिकेट फैंस को इस अविस्मरणीय यात्रा का हिस्सा बनने का मौका दिया।

जेपीएससी-1 की टॉपर शालिनी विजय, मां और भाई ने की आत्महत्या

खबर मन्त्र अपराध संवाददाता

रांची। झारखंड की जेपीएससी-1 की टॉपर रही शालिनी विजय, उनकी मां शकुंतला और भाई मनीष विजय ने आत्महत्या कर ली है। मनीष विजय कक्कनाड स्थित कस्टम विभाग में अतिरिक्त आयुक्त के पद पर कार्यरत थे। तीनों लोगों का शव केरल के एर्नाकुलम के कक्कनाड स्थित सरकारी आवास से जब्त किया गया है। घटना में पुलिस तीनों शवों को जब्त कर आगे की कार्रवाई का रही है। इस घटना ने सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर किस कारण से एक ही परिवार के तीन सदस्यों ने आत्महत्या की घटना को अंजाम दिया है।

बता दें कि शालिनी विजय जेपीएससी-वन की टॉपर रही थीं और लंबे समय तक झारखंड में डिप्टी कलेक्टर रैंक में काम कर रही थी। दो साल पहले वह छुट्टी पर गयी थीं, उसके बाद वापस नहीं लौटी। शालिनी विजय केरल की ही रहने वाली थी।

सहयोगियों को हुई अनहोनी की आशंका : जब मनीष विजय तय समय पर कार्यालय नहीं पहुंचे, तो उनके सहयोगियों को शक हुआ। वे जब उनके घर पहुंचे, तो अंदर से तेज दुर्गंध आ रही थी। तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया, जहां तीनों के शव मिले। पुलिस इस मामले की गहन जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि शकुंतला पहले से अपने बेटे के साथ रह रही थीं, जबकि करीब एक साल पहले शालिनी भी उनके साथ आकर रहने लगी थीं। हालांकि, तीनों ने यह कदम क्यों उठाया, इसका पता लगाने के लिए पुलिस जांच में जुटी हुई है।

वर्ल्डबीइंग के सीइओ स्टीव लेवेन्थल ने सीएम से की मुलाकात

विभिन्न संस्थाएं आदिवासी पीढ़ी के विकास में आगे आयें : सीएम

- आदिवासी युवा पीढ़ी को सशक्त बनाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध
- आदिवासी युवा पीढ़ी को आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक समेत हर क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिये उठा रहे हैं ठोस कदम

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। अंतरराष्ट्रीय संस्था वर्ल्डबीइंग के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी स्टीव लेवेन्थल ने शुक्रवार को विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री कक्ष में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन और विधायक कल्पना सोरेन से मुलाकात की। इस क्रम में आरोहण कार्यक्रम के माध्यम से उन्होंने आदिवासी युवाओं को सशक्त और मजबूत बनाने के साथ उनके कल्याण की दिशा में किये जा रहे कार्यों की जानकारी दी। आश्रम आवासीय विद्यालयों में शिक्षकों और विद्यार्थियों में आये सकारात्मक बदलावों को भी मुख्यमंत्री के साथ साझा किया।

सीएम हेमंत सोरेन से मिलते वर्ल्डबीइंग के सीइओ स्टीव लेवेन्थल।

इस दौरान श्री सोरेन ने कहा कि आदिवासी बाहुल्य-झारखंड की आदिवासी युवा पीढ़ी को आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक सहित अन्य सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ाने की दिशा में हमारी सरकार लगातार ठोस कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि इसमें विभिन्न संस्थाओं का सहयोग काफी कारगर साबित हो सकता है। सरकार सभी के सहयोग से इस राज्य को मजबूत और सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। मौके पर मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार भी मौजूद थे।

> मुख्यमंत्री ने कहा कि आदिवासी युवा मानसिक रूप से कैसे मजबूत हों, इसमें सरकार आपकी संस्था के कार्यों का आकलन कर आगे बढ़ेगी। झारखंड में '**आरोहण**' को शिक्षा की मुख्य प्रणाली में कैसे शामिल किया जाये, इसके लिए सरकार गंभीरता से विचार करेगी।
>
> **हेमंत सोरेन, मुख्यमंत्री झारखंड**

युवाओं को मानसिक रूप से मजबूत बनाने की जरूरत

वर्ल्डबीइंग इंडिया फाउंडेशन की झारखंड प्रभारी सुनीता मुंडा ने कहा कि यहां के आदिवासी युवाओं में सामर्थ्य की कोई कमी नहीं है। विपरीत परिस्थितियों से भी वे लड़ने की पूरी क्षमता रखते हैं लेकिन, मानसिक रूप से उन्हें थोड़ा मजबूत बनाने की जरूरत है। ऐसे में यह संस्था अपने आरोहन कार्यक्रम के माध्यम से आदिवासी युवाओं को मानसिक रूप से मजबूत बनाने की दिशा में काम कर रही है।

वर्ल्डबीइंग इंडिया फाउंडेशन ने मुख्यमंत्री को बताया कि यह संस्था आरोहण के जरिये बिहार की शिक्षा व्यवस्था के साथ जुड़कर काम कर रही है। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड में भी आरोहण को शिक्षा के मुख्य प्रणाली मैं कैसे शामिल किया जाये, इसके लिए सरकार गंभीरता से विचार करेगी। इस दिशा में झारखंड के शिक्षकों एवं अधिकारियों की टीम को बिहार में आपके द्वारा किये गये कार्यों को देखने के लिए भेजा जायेगा।

सर्वदलीय बैठक से भाजपा-आजसू नदारद

नेता प्रतिपक्ष के बिना सदन संचालन में होती है दिक्कत

सर्वदलीय बैठक करते स्पीकर रबींद्रनाथ महतो और साथ हैं सीएम।

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। स्पीकर की ओर से बुलायी गयी सर्वदलीय बैठक से शुक्रवार को भाजपा और आजसू पार्टी नदारद रही। वहीं, बैठक में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के अलावा वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर, विधायक प्रदीप यादव, लोजपा विधायक जनार्दन पासवान, राजद विधायक सुरेश पासवान और जदयू विधायक सरयू राय आदि शामिल हुये। बैठक के बाद स्पीकर रवींद्र नाथ महतो ने कहा कि विपक्ष से सहयोग की अपेक्षा है। सदन बेहतर तरीके से चलाने के लिए नेता प्रतिपक्ष जरूरी है। नेता प्रतिपक्ष के नहीं होने से सदन के संचालन में तकलीफ होती है। नेता प्रतिपक्ष की आवश्यकता शत प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि गाड़ी के दो पहिया में से एक नहीं रहेगा, तो तकलीफ होगी ही। स्पीकर ने कहा कि भाजपा को बैठक के लिए पत्र भेजा गया था। श्री महतो ने कहा कि मूल बजट पर दो दिनों तक चर्चा होगी। तीन मार्च को सदन में बजट पेश किया जायेगा। मालूम हो कि स्पीकर ने भाजपा विधायक सीपी को न्योता भी भेजा था, लेकिन पार्टी की तरफ से इसपर सहमति नहीं बनी।

बैठक के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भाजपा विधायक दल के नेता पर पूछे गये सवाल पर कहा कि वे लोग विधायी प्रक्रिया अच्छे से जानते हैं। इसपर आपलोग मुझसे क्या सुनना चाहते हैं। इसपर मैं क्या बोलूं। फिर कहा कि ये सत्र चलेगा। सभी सदस्यों से उम्मीद है कि अपने क्षेत्र और राज्य के विषयों को सदन में रखेंगे।

24 को पीएम किसान सम्मान निधि की 19वीं किस्त होगी जारी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसानों के खाते में 24 फरवरी को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 19वीं किस्त के रूप में 22 हजार करोड़ रुपये की राशि जारी करेंगे। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने नयी दिल्ली में शुक्रवार को कहा कि पीएम मोदी बिहार के भागलपुर से 9 करोड़ 80 लाख किसानों के खाते में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 19वीं किस्त की राशि जारी करेंगे। पिछली बार 9 करोड़ 60 लाख किसानों को इसका लाभ मिला था। इस बार किसानों की संख्या बढ़ी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि ने छोटे किसानों की जिंदगी बदली है। ऐसे किसान जो लघु और सीमांत है विशेषकर उनकी खाद-बीज की जो आवश्यकता होती थी, उसे पूरा करके उत्पादन बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। श्री चौहान ने आगे कहा कि अब तक लगभग 3 लाख 86 हजार करोड़ रुपये की राशि इस योजना के अंतर्गत किसानों के खाते में डाली जा चुकी है। 19वीं किश्त डलते ही यह राशि बढ़कर 3 लाख 68 हजार करोड़ रुपये हो जाएगी। यह दुनिया की सबसे बड़ी डीबीटी की योजना है, जिसने छोटे किसानों की जिंदगी बदली है।

मंत्रियों को आवास आवंटित सोनू को मिला बंगला नंबर-1

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। भवन निर्माण विभाग ने हेमंत सोरेन सरकार में शामिल मंत्रियों नाम नया-नवेला भव्य बंगला आवंटित कर दिया है। झामुमो कोटे के मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू को बंगला नंबर वन आवंटित किया है। दो नंबर बंगले में कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की रहेंगी। वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर को बंगला नंबर-3 आवंटित किया गया है। बंगला नंबर 4 में मंत्री इरफान अंसारी, बंगला नंबर 5 में मंत्री योगेंद्र प्रसाद, 6 नंबर के बंगला में मंत्री हफीजुल हसन रहेंगे। बंगला नंबर 7 को मंत्री चमरा लिंडा के नाम आवंटित किया गया है। बंगला नंबर-8 में मंत्री दीपक बिरुआ, बंगला नंबर 9 में मंत्री दीपिका पांडेय सिंह, बंगला नंबर 10 में मंत्री रामदास सोरेन रहेंगे। वहीं राजद कोटे के मंत्री संजय प्रसाद यादव को बंगला नंबर 11 आवंटित किया गया है।

पूजा सिंघल को विभाग नहीं देने की मांग वाली याचिका खारिज

रांची। रांची पीएमएलए की विशेष कोर्ट ने ईडी की ओर से दाखिल उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें ईडी ने कोर्ट से यह आग्रह किया था कि पूजा सिंघल को कोई विभाग ना दिया जाये। इस आदेश से पूजा सिंघल को बड़ी राहत मिली है। हालांकि ईडी पूजा सिंघल को सरकारी कार्यालय में कोई भी पद मिलने से रोकने को लेकर ऊपरी अदालत में भी जा सकती है। याचिका पर फैसला सुनाने के दौरान कोर्ट ने यह माना है कि पूजा सिंघल को पोस्टिंग देने का अधिकार राज्य सरकार को है और कोर्ट इसमें हस्तक्षेप नहीं करेगा। यह इस अदालत के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता है। अदालत ने कई निर्देश देते हुए दायर याचिका का निपटारा कर दिया है। साथ ही, आदेश की कॉपी मुख्य सचिव को आवश्यक कार्यवाही के लिए भेजने का निर्देश दिया है।

संगठन सशक्तिकरण को लेकर कार्यकर्ताओं को दिया पंचशील का मन्त्र

कांग्रेस पार्टी के डीएनए में आदिवासी व मूलवासी का इतिहास पुराना : के राजू

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के महासचिव सह नवनियुक्त झारखंड प्रभारी के. राजू पांच दिवसीय झारखंड दौरे पर शुक्रवार को रांची पहुंचे। कांग्रेस भवन में प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश की अध्यक्षता में आयोजित स्वागत समारोह में के. राजू ने संगठन को संचालित करने के लिए पंचशील नाम से कार्यकर्त्ताओं एवं नेताओं को पांच मन्त्र दिया। इस मन्त्र में उन्होंने कार्यकर्ताओं को सम्मान, संगठन की मजबूती, युवा और महिला, एससी-एसटी, ओबीसी एवं अल्पसंख्यक समुदाय से नेता बनाना और सरकार संगठन के बीच बेहतर

तालमेल के साथ जनता से किए वादों को पूरा करना है।

के. राजू ने कहा कि कांग्रेस के डीएनए में आदिवासी मूलवासी बसता है। इसका इतिहास काफी पुराना है। उन्होंने कहा कि हमें प्रण लेना है कि संगठन के मामले में हमें झारखंड को नंबर वन बनाना है। कार्यकर्ता हमारे केंद्र बिंदु में रहेंगे। के. राजू ने कहा कि कांग्रेस को मजबूत करने के लिए हमें ग्राम पंचायत और वार्ड कमेटी, प्रखंड कमिटी को मजबूत बनाना है। यह कागजी नहीं बल्कि पूरी तरह क्रियाशील होगी, पूरे झारखंड में संविधान के बारे में लोगों को जागरूक करेंगे और उन्हें उनके मौलिक अधिकारों की जानकारी देना है।

केशव महतो कमलेश ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के निर्देशानुसार पूरे देश में जय बापू जय भीम जय संविधान के तहत सम्मान मार्च निकालने का निर्णय लिया गया था जिसके तहत झारखंड के 316 प्रखंड में सम्मान मार्च निकाला गया। 2025 संगठन सृजन का वर्ष है और हमें संगठन की अंतिम इकाई तक को मजबूत करना है।

कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव प्रणव झा ने कहा कि झारखंड में सभी नेताओं के कार्यों की सोशल ऑडिट की जाएगी। वहीं कांग्रेस विधायक दल नेता प्रदीप यादव ने कहा कि राज्य में जातीय जनगणना ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण सबसे प्रमुख मुद्दा है। वर्तमान बजट में जातीय जनगणना के लिए राशि का आवंटन करने का प्रस्ताव राज्य सरकार को दिया गया है।

कांग्रेस विधायक दल के उपनेता राजेश कच्छप ने कहा कि संगठन की मजबूती के लिए कार्यकताओं को हमेशा हमारी तरफ से सहयोग मिलता रहेगा। संगठन की मजबूती से ही हम सभी आज इस मुकाम तक पहुंचे हैं।

गहना आभूषण

सोना (बिक्री)	80200 रु./10 ग्राम
चांदी	100000 रु./प्रति किलो

तीसरी आंख

प्रधानमंत्री मोदी ने सोल लीडरशिप कॉन्क्लेव के पहले संस्करण का किया उद्घाटन

'स्कूल ऑफ अल्टीमेट लीडरशिप' की स्थापना विकसित भारत की विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण और बड़ा कदम : नरेंद्र मोदी

लीडरशिप कॉन्क्लेव

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को नयी दिल्ली के भारत मंडपम में सोल लीडरशिप कॉन्क्लेव के पहले संस्करण का उद्घाटन किया। भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे भी उनके साथ मौजूद रहे। इस अवसर पर पीएम मोदी ने कहा कि बेहतरीन लीडर्स का विकास जरूरी है और समय की मांग है इसलिए 'स्कूल ऑफ अल्टीमेट लीडरशिप' की स्थापना विकसित भारत की विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण और बड़ा कदम है।

पीएम मोदी ने कहा-बेहतरीन लीडर्स का विकास जरूरी : पीएम मोदी ने कहा कि राष्ट्र निर्माण के लिए नागरिकों का विकास जरूरी है। उन्होंने कहा कि बेहतरीन लीडर्स का विकास जरूरी है और समय की मांग है इसलिए स्कूल ऑफ अल्टीमेट लीडरशिप की स्थापना विकसित भारत की विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण और बड़ा कदम है।

स्कूल ऑफ अल्टीमेट लीडरशिप प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच

सोल लीडरशिप कॉन्क्लेव में भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे ने कहा कि स्कूल ऑफ अल्टीमेट लीडरशिप प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच है और यह प्रामाणिक नेताओं को विकसित करने और उन्हें महान भारतीय गणराज्य की सेवा करने के लिए सशक्त बनाने के लिए प्रधानमंत्री की अटूट प्रतिबद्धता का एक और प्रमाण है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री जी। मेरे बड़े भाई, जब भी मुझे आपसे मिलने का मौका मिलता है, मैं खुशी से झूम उठता हूं मेरे गुरु, जब भी मैं आपसे मिलता हूं, मैं एक लोक सेवक के रूप में और भी अधिक मेहनत करने के लिए प्रेरित होता हूं।

गुजरात में की जा रही है सोल की स्थापना : बता दें सोल एक उभरता हुआ लीडरशिप संस्थान है, जिसे गुजरात में बनाया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य भारत में राजनीतिक नेतृत्व को व्यापक बनाना और केवल राजनीतिक परिवारों तक सीमित न रखते हुए योग्यता, प्रतिबद्धता और जनसेवा की भावना रखने वाले लोगों को आगे बढ़ाना है। यह संस्थान नेतृत्व से जुड़ी नई सोच, आवश्यक कौशल और विशेषज्ञता प्रदान करेगा ताकि आज की जटिल दुनिया में नेतृत्व की चुनौतियों को बेहतर तरीके से समझा और हल किया जा सके।

दो दिवसीय सोल लीडरशिप सम्मेलन एक प्रमुख मंच के रूप में काम करेगा : 21 से 22 फरवरी तक चलने वाला दो दिवसीय सोल लीडरशिप सम्मेलन एक प्रमुख मंच के रूप में काम करेगा, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों के अनुभवी नेता अपने जीवन के अनुभव और नेतृत्व से जुड़ी महत्वपूर्ण बातें साझा करेंगे। इस कार्यक्रम में राजनीति, खेल, कला, मीडिया, आध्यात्म, सार्वजनिक नीति, व्यवसाय और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े प्रमुख लोग भाग लेंगे। इसका उद्देश्य युवा नेतृत्व को प्रेरित करना और नए विचारों का आदान-प्रदान करना है जिससे नेतृत्व कौशल को और अधिक विकसित किया जा सके।

महाराष्ट्र और देवघर से भी जुड़े पेपर लीक के तार

स्कूल संचालक समेत दो संदिग्ध गिरफ्तार

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची/कोडरमा। जैक बोर्ड द्वारा आयोजित मैट्रिक की परीक्षा के प्रश्न पत्र लीक मामले की जांच तेज हो गयी है। अब तक की जांच में मिले साक्ष्य से पता चला कि पेपर लीक के तार महाराष्ट्र और देवघर से भी जुड़े हैं। दोनों जगहों पर एक टीम भेजी गयी है। इस मामले में पुलिस ने अबतक दो लोगों को गिरफ्तार किया है। कोडरमा में एक स्कूल सह कोचिंग संचालक की भूमिका का भी खुलासा हुआ है। पुलिस ने स्कूल संचालक प्रशांत साव उर्फ प्रिंस समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया है। दोनों से पूछताछ की जा रही है। मरकच्चो पुलिस ने मामला भी दर्ज किया है। कोडरमा डीसी मेघा भारद्वाज के अनुसार जिस यूट्यूब चैनल पर पेपर लीक हुआ था, उसकी भी गहन जांच की जा रही है। मामले में कई कोचिंग संचालकों की भी भूमिका मानी जा रही है।

पैसा प्रिंस की मां के खाते में जाता था : जैक के निर्देश पर उपायुक्त ने डीडीसी की अध्यक्षता में जांच टीम गठित की है। जांच टीम ने पेपर लीक मामले में 12 घंटे के अंदर 2 लोगों को गिरफ्तार किया है। वहीं जानकारी के अनुसार संस्कृत का भी पश्नपत्र लीक हो जाने की चर्चा है। इस संबंध पर जैक अध्यक्ष से बात करने की कोशिश की गयी, पर संपर्क नहीं हो सका।

अधिवक्ताओं ने किया संशोधन विधेयक का जबरदस्त विरोध

रांची। जिला बार एसोसिएशन के सदस्यों ने शुक्रवार को अधिवक्ता संशोधन विधेयक 2025 का जबदस्त विरोध प्रदर्शन किया। विधेयक के विरोध में काफी संख्या में अधिवक्ताओं ने एक जूट होकर नये बार भवन परिसर में गोलबंद हुये। वहां से अल्बर्ट एक्का चौक तक शांतिपूर्ण पैदल मार्च निकाल कर विरोध जताया। विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एसपी अग्रवाल एवं महासचिव संजय कुमार विद्रोही ने किया। उन्होंने कहा कि विधेयक पूरी तरह से अधिवक्ता की आजादी के खिलाफ है। इसको कोई भी अधिवक्ता समाज नहीं स्वीकार नहीं करेगा। इस विधेयक का विरोध प्रदर्शन देश भर के जिला बार एसोसिएशन के द्वारा किया जा रहा है। सिविल कोर्ट के अधिवक्ताओं ने विधेयक का विरोध के तहत अपने आप को न्यायिक कार्य से अलग रखा। जिसके कारण कई महत्वपूर्ण मामलों की सुनवाई के साथ 2500 से अधिक मुकदमों की सुनवाई पूरी तरह से प्रभावित रही।

दक्षिण पूर्व रेलवे - निविदा

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए, वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (सामान्य)/आद्रा द्वारा निम्नलिखित विवरण के अनुसार विद्युत कार्यों के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: **क्रम सं., ई-निविदा सूचना सं. एवं कार्य का विवरण** निम्नानुसार हैं: **1. इलेक्ट-जी-एडीए-2025-07, दिनांक 20.02.2025,** आद्रा मंडल के स्टेशनों और एलसी गेटों पर सीएलएस पैनल के साथ ऑटो चेंज ओवर स्विच के प्रावधान के लिए विद्युत कार्य। **निविदा मूल्य :** रु. 85,76,669/-, **2. इलेक्ट-जी-एडीए-2025-08, दिनांक 20.02.2025,** आद्रा मंडल (पीएच-सी) में 11 केवी और 33 केवी रेटिंग दोनों के ओवरहेड पावर लाइन क्रॉसिंग को अंडरग्राउंड केबल (पीएलसी) में रूपांतरित करने और ऊर्जीकरण के लिए विद्युत कार्य। **निविदा मूल्य :** रु. 78,84,279/-, **3. इलेक्ट-जी-एडीए-2025-09, दिनांक 20.02.2025,** आद्रा मंडल के एनएसजी कैटेगरी के 56 स्टेशनों पर एलईडी आधारित स्टेशन नेम बोर्ड और जीपीएस आधारित डिजिटल क्लॉक के प्रावधान के लिए विद्युत कार्य। **निविदा मूल्य :** रु.76,86,992/-, **4. इलेक्ट-जी-एडीए-2025-10, दिनांक 20.02.2025,** दक्षिण पूर्व रेलवे के आद्रा मंडल में अनारा स्टेशन पर ईआई बिल्डिंग में रूपांतरण के साथ अनारा के यार्ड रिमॉडलिंग अर्थात 3 नई लाइनों (लाइन नं. 7, 8 और 9) के प्रावधान और डाउन यार्ड में लाइन्स नं. 2, 3 और 4 के विस्तार के लिए विद्युत कार्य। **निविदा मूल्य :** रु.12,89,541/-, **5. इलेक्ट-जी-एडीए-2025-11, दिनांक 20.02.2025,** जयचंडीपहाड़ सिरे की ओर आद्रा स्टेशन के पीएफ नं. 3 और 4 के विस्तार के लिए विद्युत कार्य। **निविदा मूल्य :** रु. 18,61,626/-, **ई-निविदाओं की अंतिम तिथि और समय दिनांक 19.03.2025 को 12.00 बजे है और दिनांक 19.03.2025 को 12.30 बजे के बाद निविदाएं खोली जाएंगी।** उक्त ई-निविदा के विवरण के लिए, कृपया वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देखें। (PR-1163)

शपथ - पत्र

लेख्य प्रमाणक, मेदिनीनगर, पलामू।

मैं, मो० शाहिद पिता मो० नुर मोहम्मद मियां ग्राम+पोस्ट - चांपी कला, थाना-पांकी, जिला-पलामू शपथ पूर्वक एकरार करता हूँ

(1) यह कि रानी खातून मेरी पुत्री है।
(2) यह कि आधार कार्ड नं.- 2517 3797 6619 में मेरी पुत्री का नाम साइस्ता खातून अंकित है।
(3) यह कि आधार कार्ड नं.- 2517 3797 6619 मेरी पुत्री का नाम रानी खातून अंकित है।
(4) यह कि मैं अपनी पुत्री का आधार कार्ड सुधार कर दूसरा आधार कार्ड में नाम रानी खातून अंकित है जो सही है।
(5) यह कि जब अपनी पुत्री का ऑन लाईन की आवश्यकता होती तो पुत्री का नाम साइस्ता खातून शो करता है जबकि रानी खातून शो करना चाहिए इसी उद्देश्य से यह शपथ पत्र का निष्पादन कर रहा हूँ।

नोटरी
लेख्य प्रमाणक पलामू।
बुक NO. 06 सीरियल NO. 3146
दिनांक 09.12.2024

गांव-गांव तक कांग्रेस संगठन को मजबूत करना हमारी पहली प्राथमिकता : के राजू

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस के नवनियुक्त प्रदेश प्रभारी एवं कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव के. राजू अपने पांच दिवसीय दौरे पर शुक्रवार को सेवा विमान से रांची पहुंचे। प्रदेश प्रभारी के रूप में पहली बार रांची पहुंचने पर उनका एयरपोर्ट पर जोरदार स्वागत किया गया।

एयरपोर्ट पर प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, झारखंड विधानसभा में कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव, उपनेता राजेश कच्छप, ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह,पूर्व मंत्री बंधु तिर्की सहित कई नेताओं ने नए प्रदेश प्रभारी का स्वागत किया। नव नियुक्त प्रदेश प्रभारी के स्वागत के लिए टाना भगत भी बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पहुंचे थे। स्वागत में पारंपरिक ढोल-नगाड़े और छऊ नृत्य, कलश नृत्य का भी प्रदर्शन किया गया।

बाबा साहेब भीम राव अंबेडकर की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण : बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से कांग्रेस के नवनियुक्त प्रभारी के. राजू ने सीधे डोरंडा जाकर बाबा साहेब भीम राव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके बाद हिनू चौक स्थित कपूर्री ठाकुर, बिरसा चौक स्थित धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। बिरसा मुंडा की प्रतिमा स्थल से के. राजू अरगोड़ा चौक स्थित वीर बुधु भगत की तस्वीर पर माल्यार्पण किया। बुधु भगत की तस्वीर पर माल्यार्पण के बाद के. राजू ने हरमू स्थित बाबा कार्तिक उरांव, सिदो कान्हो की प्रतिमा और परमवीर अल्बर्ट एक्का की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अपनी पहली पांच दिवसीय झारखंड यात्रा की शुरूआत की।

प्रदेश कांग्रेस के नवनियुक्त प्रभारी के. राजू राज्य के महापुरुषों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद प्रदेश कार्यालय पहुंचे। वहां पार्टी पदाधिकारियों ने स्वागत किया। इसके बाद पार्टी के नेताओं के साथ के. राजू ने एक औपचारिक बैठक भी की।

पांच दिवसीय झारखंड दौरे पर रांची पहुंचे प्रभारी का कांग्रेसियों ने एयरपोर्ट पर किया स्वागत

रांची एयरपोर्ट पर मीडिया कर्मियों से अपनी पहली अनौपचारिक मुलाकात में नवनियुक्त कांग्रेस प्रभारी के राजू ने कहा कि उनका उद्देश्य पार्टी के कार्यकताओं का मनोबल ऊंचा करने के साथ-साथ गांव में कांग्रेस संगठन को मजबूत करना है।

एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यक समुदाय के अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ने के प्रयास तेज किए जाएंगे। इसके साथ-साथ वैसे नेता जो कांग्रेस की नीति और सिद्धांतों में विश्वास रखते हैं और किसी भी वजह से पार्टी से अलग हैं, उन्हें भी पार्टी से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

01/रा०पु०शि०प्रा०–लैपटॉप क्रय–32/2017- 61/
झारखण्ड सरकार,
राज्य पुलिस शिकायत प्राधिकार
E–4/8 साकेत नगर, इंदिरा पैलेस के पीछे, हिनू, राँची–834002

कोटेशन आमंत्रण

रॉंची, दिनांक– 20/02/2025 ई०।

एतद् द्वारा, राज्य पुलिस शिकायत प्राधिकार, झारखण्ड, रॉंची कार्यालय के प्रयोजनार्थ निम्नांकित सामग्रियों की आपूर्ति हेतु कोटेशन आमंत्रित किया जाता है:–

क्र० सं०	सामग्री	दर सभी कर सहित
01.	Dell Laptop (Inspiron, 14-16 inch, Sanpdragon X Plus, X-Series, Windows-11, 16-GB"DDR-5", Qualcomm Adreno GPU, 1TB SSD)	प्रति अदद
02.	Epson L8180 Printer	प्रति अदद

- कोटेशन को स्वीकृत/अस्वीकृत/निरस्त/रद्द करने का अधिकार कार्यालय के पास सुरक्षित रहेगा।
- कोटेशन राज्य पुलिस शिकायत प्राधिकार ई0–4/8, साकेत नगर, इंदिरा पैलेस के पीछे, हिनू, रॉंची–834002 में दिनांक–**27/02/2025** को 3:00 बजे अपराह्न तक प्राप्त किये जा सकेगें एवं दिनांक–**27/02/2025** को 5:00 बजे अपराह्न कोटेशन खोला जाएगा।
- निर्धारित तिथि एवं समय के पश्चात् प्राप्त कोटेशन पर विचार नहीं किया जाएगा।
- सभी कोटेशन सीलबंद/मुहरबंद लिफाफा में हाथो–हाथ अथवा डाक द्वारा जमा किया जाना अनिवार्य होगा। अन्य विधियों द्वारा प्राप्त कोटेशन स्वीकार नहीं किये जायेंगे।
- आपूर्ति आदेश के विरूद्ध में सामग्रियों की आपूर्ति अनिवार्य होगी।

ह०/–
(अजीत कुमार सिंह)
सरकार के अवर सचिव
राज्य पुलिस शिकायत प्राधिकार,
झारखण्ड, रॉंची

PR 346938 Home(24-25).D

पोस्ते की फसल पूर्णत: नष्ट करे : मुख्य सचिव

अलका तिवारी ने पहले दिये निर्देश पर हुई कार्रवाई की समीक्षा की

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। मुख्य सचिव अलका तिवारी ने कहा है कि पोस्ते की खेती के खिलाफ अभियान का सकारात्मक परिणाम दीख रहा है। लेकिन पोस्ते की फसल की सौ फीसदी विनष्टीकरण सुनि?ित होनी चाहिये। वह शुक्रवार को पोस्ते की खेती के खिलाफ दो माह पहले अपनी अध्यक्षता में हुई बैठक में दिये गये निदेशों के अनुपालन की समीक्षा कर रही थीं। उन्होंने कहा कि अभियान से जुड़े अधिकारी आपसी समन्वय को और मजबूत तथा कारगर करें। जितने कांड दर्ज हुये हैं, उससे कम गिरफ्तारी को इंगित करते हुये उन्होंने कहा कि ज्यादा से ज्यादा गिरफ्तारी और उन्हें सजा दिलाने पर फोकस करें। उन्होंने विनष्टीकरण की प्रक्रिया में जरूरी संसाधनों का वास्तविक आकलन करने पर बल देते हुये कहा कि जरूरी संसाधनों की उपलब्धता सुनि?ित की जायेगी। कुछ जगहों पर अभी भी पोस्ते की फसल लगी होने की सूचना पर उन्होंने अभियान को 15 मार्च तक जारी रखने का निर्देश दिया।

समीक्षा के दौरान बताया गया कि पोस्ते की खेती के खिलाफ अभियान के दौरान कुल 19,086 एकड़ में लगी फसल को नष्ट किया गया है। जो पिछले कुछ वर्षों से चार गुणा अधिक है। सबसे अधिक खूंटी में 10,520 एकड़ में लगी पोस्ते की फसल को नष्ट किया गया है। दूसरे स्थान पर रांची जिला है। जहां 4624 एकड़ में लगी पोस्ते की फसल नष्ट की गई है। सबसे कम पलामू में 396 एकड़ में लगे पोस्ते के पौधे को नष्ट किया गया है। बताया गया कि कुछ जगहों पर अभी भी पोस्ते की फसल को नष्ट करना बाकी है। जहां स्पेशल ड्राइव चलाकर कार्रवाई चल रही है। गौरतलब है कि पोस्ते की खेती से झारखंड के कुल आठ जिले चतरा, खूंटी, लातेहार, रांची, पलामू,चाईबासा, सरायकेलाए और हजारीबाग प्रभावित हैं।

243 कांड किये गये दर्ज, 190 की हुई गिरफ्तारी : समीक्षा के दौरान बताया गया कि पोस्ते की फसल के विनष्टीकरण के दौरान कुल 283 कांड और 958 सनहा दर्ज किये गये है। इस संदर्भ में कुल 190 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

इस दौरान डीजीपी अनुराग गुप्ता ने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे वन विभाग द्वारा पोस्ते की खेती को लेकर की गई कार्रवाई की रिपोर्ट को आधार बना कर संबंधित लोगों पर एफआइआर दर्ज करें। उन्होंने कहा कि ऐसे मामले में वन विभाग कानूनन सिर्फ अतिक्रमण का मामला दर्ज करता है, जो पोस्ते की खेती की गंभीरता को देखते हुये कमतर कार्रवाई होती है।

जन जागरूकता पर दिया बल

इस दौरान मुख्य सचिव ने एक बार फिर पोस्ते की खेती के खिलाफ जनजागरूकता पर बल दिया। उन्होंने पोस्ते की खेती को हतोत्साहित करने के लिये लोगों को फसल के अन्य विकल्पों से जोड़ने को जरूरी बताया। उन्होंने कहा कि कुछ जगहों पर वैकल्पिक खेती से जोड़े गये लोगों द्वारा उत्साहजनक परिणाम सामने आ रहे हैं। उन्होंने पोस्ते की खेती का भौतिक सत्यापन के साथ सेटेलाइट की सहायता से भी प्रभावित क्षेत्र को चि?ित करने का निर्देश दिया। समीक्षा के दौरान गृह विभाग की प्रधान सचिव वंदना डाडेल, कृषि सचिव अबु बक्कर सिद्धीक, पंचायती राज विभाग के सचिव विनय कुमार चौबे समेत संबंधित प्रमंडलों के आइजी, संबंधित जिलों के एसपी और डीसी समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

अमन श्रीवास्तव की जमानत याचिका हाईकोर्ट ने खारिज की

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड हाईकोर्ट में हजारीबाग के गिद्दी थाने में दर्ज आर्म्स एक्ट मामले में आरोपित अमन श्रीवास्तव की जमानत याचिका पर सुनवाई हुई। शुक्रवार को सुनवाई के दौरान कोर्ट के आदेश के तहत हजारीबाग एसपी सशरीर उपस्थित हुए। अदालत को बताया गया कि मामले में अनुसंधानकर्ता (इन्वेस्टिगेटिंग ऑफिसर) की गवाही पूरी कर ली गयी है। गवाही के दौरान कई तारीखों पर उनकी अनुपस्थिति को लेकर स्पष्टीकरण मांगा गया था। याचिकाकर्ता की ओर से जमानत याचिका वापस लेने का अनुरोध किया गया, जिसे हाईकोर्ट ने स्वीकार करते हुए याचिका खारिज कर दी।

हाइकोर्ट ने जतायी नाराजगी : इस मामले में कोर्ट के निर्देश पर हजारीबाग के सब डिविजनल पुलिस ऑफिसर (एसडीपीओ) ने जवाब दाखिल किया था, लेकिन कोर्ट ने इसे खारिज करते हुए नाराजगी जतायी। कोर्ट ने कहा कि कि हजारीबाग एसपी को मामले मे शपथ पत्र दाखिल कर बताना था कि गवाही में अनुपस्थित रहने वाले अनुसंधानकर्ता के खिलाफ क्या एक्शन लिया गया है। गौरतलब है कि मामले में सिर्फ अनुसंधानकर्ता की ही गवाही बची थी। नवंबर 2024 से उनकी गवाही नहीं हो पा रही है, जिससे ट्रायल पूरा नहीं हो सका है।

पूर्व की सुनवाई में हाईकोर्ट ने हजारीबाग एसपी से स्पष्टीकरण मांगा था कि दो माह से अधिक समय बीतने के बाद भी अनुसंधानकर्ता गवाही के लिए उपस्थित क्यों नहीं हो रहे हैं। ऐसे में अनुसंधानकर्ता पर क्या कार्रवाई की गयी है। इस पर हजारीबाग एसपी ने जवाब दिया कि अनुसन्धानकर्ता की तबीयत खराब थी, जिसके कारण अनुसंधानकर्ता गवाही देने नहीं जा सके थे। हालांकि, अगली तिथि में वे गवाही देने जायेंगे। इस मामले में अमन श्रीवास्तव सहित आठ आरोपितों के खिलाफ आर्म्स एक्ट में गिद्दी थाना में कांड संख्या 9/ 2021 दर्ज की गयी थी।

GREATER RANCHI DEVELOPMENT AGENCY LIMITED
3rd Floor, Yojna Bhawan,
Room No. 303, Nepal House Complex,
Doranda, Ranchi, Jharkhand, 834002
CIN: U45203JH2003SGC010045

NOTICE INVITING BIDS
NIB No.: GRDA/YOJ/INFRA/04/2024-02, Date: 20.02.2025
National Competitive Bidding
BID NOTICE

1.	Name of the Work	REQUEST FOR PROPOSAL (RFP) FOR CONSULTANCY SERVICES FOR DETAILED ENGINEERING DESIGNS & PREPARATION OF DPR OF ROAD WITH PROVISIONING OF ALL ITS ASSOCIATED INFRASTRUCTURES SERVICES (WATER SUPPLY, SEWERAGE, DRAINAGE, GAS PIPELINE, ELECTRIFICATION & ELECTRIC CABLE LINES, TELECOMMUNICATION ETC.) IN CORE CAPITAL AREA OF JHARKHAND AT SITE -I, HEC AREA RANCHI.
2.	Mode of submission of bids	Online Bidding (two bid system)
3.	Bid Fee (through online)	Cost of Tender Document: Rs. 10,000/- (Rupees Ten Thousand only (Non-refundable)
4.	Earnest Money Deposit (EMD) (In INR) (through online)	Earnest Money Deposit (EMD) – Rs 2,00,000/- (Rs. Two Lakh) only
5.	Performance Guarantee	5% (in form of Bank Guarantee) 5% (as retention money from each running bill)
6.	Period of consultancy	Error! Reference source not found.
7.	Date of starting of sale of online Bid/Document Download	22.02.2025 at 13:00 Hrs.
8.	Date of Start of Submission of online Bids	22.02.2025 at 13:00 Hrs.
9.	Pre-Bid meeting	05.03.2025 at 15:00 Hrs.
10.	Last Date for submission of Pre-Bid Queries	04.03.2025 at 11:00 Hrs.
11.	Last Date/Time for submission of online bids	17.03.2025 at 17:00 Hrs
12.	Date of Tech. Bid Opening	18.03.2025 at 17:00 Hrs
13.	Date of Presentation	To be intimated
14.	Date of Financial Bid Opening	To be intimated
15.	Office address	Greater Ranchi Development Agency Ltd, 3rd Floor, Room No. 303, Yojna Bhawan, Nepal House Complex, Doranda, Ranchi, Jharkhand-834002. e-mail: project.grda@gmail.com
16	Helpline no.	+ 91 651 2491068/2491084

Note: Only e-Bid will be accepted
Further details are available on Jharkhand Government e-procurement website https://jharkhandtenders.gov.in

Sd/-
General Manager (P&P)
GRDA, Ltd.

PR 346899 Urban Development and Housing(24-25).D

लैंड स्कैम में अगली सुनवाई 28 को

हाइकोर्ट में अमित अग्रवाल की अर्जी पर सुनवाई जारी

खबर मन्त्र संवादाता

रांची। सेना के कब्जे वाली 4.55 एकड़ जमीन की अवैध खरीद बिक्री मामले में अमित कुमार अग्रवाल की जमानत याचिका की सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट में हुई। मामले में प्रार्थी की ओर से बहस जारी रही। अगली सुनवाई 28 फरवरी को होगी। प्रार्थी की ओर से सुप्रीम कोर्ट की अधिवक्ता मीनाक्षी अरोड़ा एवं हाई कोर्ट के अधिवक्ता रोहित रंजन सिंह ने पैरवी की। पूर्व में पीएमएलए कोर्ट ने अमित अग्रवाल की जमानत अर्जी खारिज कर दी थी। अर्जी खारिज होने के बाद उनकी ओर से जमानत के लिए हाइकोर्ट में अर्जी दाखिल की गयी। इस मामले में ईडी द्वारा अमित कुमार अग्रवाल खिलाफ ईसीआईआर 1/2023 दर्ज किया है। इसमें अमित कुमार अग्रवाल , छवि रंजन सहित 10 आरोपियों के खिलाफ अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया जा चुका है। जमीन खरीद बिक्री मामले को लेकर बरियातू थाना में अमित अग्रवाल, छवि रंजन आदि के खिलाफ कांड संख्या 141 /2022 दर्ज किया गया है।

मजबूत अर्थव्यवस्था बनाने के सपने को साकार करेगा बजट : डॉ प्रदीप

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भाजपा रांची जिला ग्रामीण ने सिल्ली स्थित धर्मशाला में बजट पर परिचर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया। इसकी अध्यक्षता विनय महतो धीरज ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद डॉक्टर प्रदीप वर्मा उपस्थित थे। डॉक्टर प्रदीप वर्मा ने कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जो बजट पेश किया है वह देश की अर्थव्यवस्था को वैश्विक पटेल पर जबरदस्त उछाल देने वाला बजट है। यह बजट भारतवासियों के एवं पीएम मोदी के लक्ष्य जो विश्व की तीसरी सबसे मजबूत अर्थव्यवस्था वाला देश बनने पर इस सपने को साकार करता है। बजट में मध्यम वर्ग के लिये प्रति माह 1 लाख रुपये आय वाले परिवारों के लिए टैक्स फ्री किया गया है। केंद्रीय बजट में कृषि क्षेत्र के लिए प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना की घोषणा की गई है। इस योजना के अंतर्गत 1.7 करोड़ किसान लाभान्वित होंगे। इनमें 100 निम्न उत्पादन वाले जिलों को शामिल किया जायेगा। अरहर एउड़द व मसूर पर विशेष ध्यान देते हुए दालों में आत्मनिर्भरता मिशन शुरू किया जाएगा। संचालन जिला उपाध्यक्ष प्रभुदयाल बड़ाईक एवं धन्यवाद ज्ञापन मंडल अध्यक्ष अम्बुज रजक ने किया। मौके पर भगीरथ महतो, मनोज साव, अजित साहू, विनय साव, राजेश अग्रवाल, गणेश साहू, नरोत्तम गोराई, प्रवीण गुप्ता,भागवत सोनार, प्रमोद अग्रवाल, शायन त्रिपाठी, वीणा देवी, स्नेहलता देवी, अमिता कुमारी समेत दर्जनों मौजूद थे।

चार्जशीटेड आरोपी को कोर्ट से नहीं मिली राहत

रांची। जेपीएससी प्रथम सिविल सेवा भर्ती घोटाले के चार्जशीटेड आरोपी लखीराम बास्की को अदालत ने राहत देने से इनकार किया है। सीबीआई के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत ने शुक्रवार को उसकी ओर से दाखिल अग्रिम जमानत याचिका सुनवाई प?ात खारिज कर दी है। अदालत ने गुरुवार को पांच आरोपियों की याचिका खारिज कर दी थी। अदालत ने 17 फरवरी को याचिका पर सुनवाई प?ात आदेश सुरक्षित रख लिया था। याचिकाकर्ता ने एक फरवरी को अग्रिम राहत की गुहार लगाते हुये याचिका दाखिल की थी। मालूम हो कि सीबीआई कोर्ट ने 16 जनवरी को 47 भ्रष्ट अफसरों समेत 74 लोगों के खिलाफ संज्ञान लेते हुये समन जारी किया है।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, चतरा

ई–अतिअल्पकालीन पुनर्निविदा आमंत्रण सूचना
ई–निविदा संख्या– 19/RI/2024-25/RWD/CHATRA दिनांक– 20.02.2025

कार्यपालक अभियन्ता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, चतरा द्वारा जिला खनिज फाउण्डेशन ट्रस्ट (DMFT) मद अन्तर्गत् निम्न विवरण के अनुसार e-procurement पद्धति से निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र. सं.	आईडेन्टिफिकेशन संख्या/ पैकेज संख्या	प्रखण्ड	पंचायत	ग्राम	कार्य का नाम	प्राकलित राशि (रूपये में)		कार्य समाप्ति की अवधि	कॉल सं.
						अंक में	अक्षर में		
1	RWD/ CHATRA/117/ 2024-25	प्रतापपुर	चन्दरी गोविन्दपुर	अनन्तपुर	REO रोड से ठाकुरबाड़ी लबजी नदी तक PCC पथ निर्माण	9544600.00	पन्चानबे लाख चौआलीस हजार छः सौ मात्र	06 माह	द्वितीय

2. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि :– **24.02.2025**
3. ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय :– **03.03.2025 अपराह्न 5.00 बजे तक।**
4. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– **05.03.2025 अपराह्न 3.30 बजे।**
5. ई–निविदा आमंत्रित करनेवाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– **कार्यपालक अभियन्ता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, चतरा, द्वितीय तल, विकास भवन, चतरा।**
6. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष संख्या :– 06541-296208

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट **www.jharkhandtenders.gov.in** में देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता,
ग्रामीण कार्य विभाग,कार्य प्रमण्डल, चतरा

PR 346918 (Rural Work Department)24-25*D

शहरों के समेकित विकास की योजनायें बनाएं : प्रधान सचिव

रांची एवं धनबाद सीवरेज सिस्टम के लिये एडीबी राशि उपलब्ध करायेगी

जुडको के साथ चल रही पेयजलापूर्ति की प्रगति पर चर्चा

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। नगर विकास एवं आवास विभाग के सचिव सुनील कुमार ने कहा कि शहरीकरण से संबंधित दूसरे राज्यों में विकास की योजनाओं पर एशियन डेवलपमेंट बैंक द्वारा काम किया जा रहा है। उसका अध्यन कर परियोजनाये बनायी जाये। श्री कुमार ने यह निर्देश जुडको के अधिकारियों को दिया है। मालूम हो कि शुक्रवार को प्रोजेक्ट भवन सचिवालय में जुडको के साथ कार्य कर रही एशियन डेवलपमेंट बैंक के वरीय अधिकारियों ने प्रधान सचिव से मुलाकात की।

प्रधान सचिव से मुलाकात के दौरान एशियन डेवलपमेंट बैंक की वरीय शहरीकरण विशेषज्ञ मोमोटो नीटा टाडा और वरीय परियोजना अधिकारी विशाल कुमार ने जुडको के साथ चल रही पेयजलापूर्ति एवं अन्य योजनाओ की प्रगति पर चर्चा की। एडीबी के प्रतिनिधियों ने प्रधान सचिव से कहा कि उनका बैंक रांची और धनबाद सीवरेज परियोजना पर कार्य करना चाह रहे है। इसके लिए सभी सभी जरूरी कार्य पूरे कर लिये गये हैं। डीपीआर भी बन कर तैयार है। प्रधान सचिव ने जुडको के उप परियोजना निदेशक उत्कर्ष मिश्र एवं एडीबी के प्रतिनिधियों से कहा कि समेकित शहरी आधारभूत संरचन विकसित करने के लिये योजनाये बनायी जाये। इससे शहरों में रहने वालो को हर प्रकार की सुविधा मिल सके। उन्होंने कहा कि तेजी से शहरीकरन हो रहा है। इसलिये, शहरीकरण के हिसाब से काम होना चाहिये। यही नहीं शहरों की प्रसिद्धि के अनुसार विकास का काम अन्य विभागों के साथ तालमेल बिठाकर प्रोजेक्ट बनने चाहिये। एडीबी द्वारा दूसरे राज्यों में किये जा रहे कार्यों का भी जुडको अध्यन कर रिपोर्ट तैयार करे। शहरों के विकास के क्षेत्र में काफी संभावनाएं हैं।

झारखंड के मंत्रियों को मिला बंगला

झारखंड सरकार के 11 मंत्रियों के लिए धुर्वा स्थित स्मार्ट सिटी में तैयार बंगलों का आवंटन कर दिया गया है। इन सभी बंगलों का निर्माण लगभग 70 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है। स्मार्ट सिटी के एक ही कैंपस में बनाए गए इन बंगलों में रहने वाले मंत्रियों के लिए सभी प्रकार की आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। **क्या हैं बंगले की खासियत** : हर एक बंगले का क्षेत्रफल 16,321 वर्ग फीट है, जबकि बिल्टअप एरिया लगभग 8,000 वर्ग फीट है। इन बंगलों को दो हिस्सों में बांटा गया है। पहला हिस्सा रेजिडेंशियल ब्लॉक है और दूसरा हिस्सा एनेक्स ब्लॉक। एनेक्स ब्लॉक का निर्माण मंत्रियों के कामकाज की जरूरतों के हिसाब से किया गया है।

डीजीपी ने सहारा ग्रुप से संबंधित कांडों की की समीक्षा

रांची। डीजीपी अनुराग गुप्ता ने शुक्रवार को झारखंड पुलिस मुख्यालय में एडीजी सुमन गुप्ता, आईजी असीम विक्रांत मिंज समेत अन्य पदाधिकारियों की उपस्थिति में सहारा ग्रुप से संबंधित कांडों का किये जा रहे अनुसंधान के मद्देनजर व्यापक रूप से समीक्षा बैठक की।

समीक्षा के क्रम में डीजीपी द्वारा सहारा ग्रुप से संबंधित लंबित कांडों में त्वरित गति से अनुसंधान करते हुए पीड़ितों को न्याय दिलाने का सार्थक प्रयास करने, अनुसंधान के क्रम में अनुसंधानकर्ता को आधुनिक तकनीक और डेटा विश्लेषण उपकरणों का प्रयोग करने, काण्डों के पीड़ितों द्वारा उपलब्ध कराये गये साक्ष्य का गहराई से विश्लेषण कर दोषियों पर यथाशीघ्र कार्रवाई करने और पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए हर संभव प्रयास सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

सड़कों पर रोड मार्किंग, साइनेज और संकेतक लगाने का निर्देश

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार ने विभागीय अभियंताओं को निर्देश दिया है कि राज्य में पथ प्रमंडलों एवं राष्ट्रीय उच्च पथ की सड़कों के सरफेश को समतल बना कर सुलभ यातातात उपलब्ध करायें। श्री कुमार शुक्रवार को प्रोजेक्ट भवन के सभागार में पथ निर्माण विभाग की योजनाओं की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि उन्नत और यातायात के लिए सुचारू सड़कें ही राज्य की गरिमा बढ़ायेंगी। लोगों के मन में अच्छी धारणा बनेगी। इसके लिए हर संभव उपाय किये जाये। उन्होंने कहा कि यातायात संचालन एवं वाहन चालकों की सुविधा के लिए सड़क पर सभी आवश्यक संकेतक और साइनेज लगाये जायें। इसके अलावा सड़को पर जेब्रा निशान एवं अन्य सभी जरूरी मार्किंग करायें। रोड स्टड, कैट आइज से संबंधित कार्य जल्द से जल्द करायें जायें। साथ ही जहां भी डिवाइडर पर पेंटिंग की जरूरत हो, उसे अवश्य करायें। उन्होंने निर्देश दिया कि अगर किसी सड़क पर अधिक लंबाई तक मरम्मत की जरूरत हो तो, उसके लिए विभाग के पास प्रस्ताव भेजें। विभाग राशि उपलब्ध करायेगा। उन्होंने साफ तौर पर निर्देश दिया कि योजनओं के लिए आवंटित राशि का हरहाल में उपयोग किया जाये। राशि किसी भी हालत मे लैप्स नहीं होनी चाहिये। उन्होंने कहा कि विभाग में चल रही जो भी योजनायें अधूरी हैं या पूरा होने के करीब है, उन्हें शीघ्र पूरा किया जाये। साथ ही सड़क निर्माण से संबंधित भूमि अधिग्रहण के मामलों का निष्पादन जल्द करा का कार्य आरंभ करायें। इसके आलावा पथों के निर्माण के लिए वांछित वन भूमि अपयोजन के मामलों का निपटारा भी किया जाये। उन्होंने रांची की सड़कों पर विशेष ध्यान रखने का भी निर्देश दिया। राजधानी की सड़कें हर हाल में सुदृढ़ होनी चाहिये। बैठक में पथ प्रमंडलों एवं राष्ट्रीय उच्च पथ के कार्यपालक अभियंता, अधीक्षण अभियंता, अभियंता प्रमुख संजय कुजूर, विशेष सचिव शशांक सिन्हा, मुख्य अभियंता राष्ट्रीय उच्च पथ अभिनेंद्र कुमार, मुख्य अभियंता यातायात मनोहर कुमार और प्रधान सचिव के ओएसडी विजय कुमार थे।

झारखंड जगुआर का 17वां स्थापना दिवस मना, बम डिस्पोजल स्क्वायड के काम की तारीफ

साइलेंस किलर की तरह नक्सलियों का सफाया कर रहा है जगुआर : डीजीपी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। नक्सलियों के खिलाफ अभियान के लिए आंध्र प्रदेश के ग्रे हाउंड की तर्ज पर बने झारखंड जगुआर का 17 वां स्थापना दिवस टैंडर ग्राम स्थित जगुआर प्रांगण में शुक्रवार को मनाया गया। मौके पर बतौर मुख्य अतिथि अपने संबोधन में डीजीपी अनुराग गुप्ता ने कहा कि जगुआर की स्थापना एक सोच के साथ की गई थी, यह अपने गतिविधियों को काफी छिपा कर अंजाम देती है। झारखंड जगुआर का नाम एक सोच के अनुरूप ही रखा गया था। यह साइलेंस किलर की तरह नक्सलियों का सफाया कर रहा। डीजीपी ने कहा कि भाकपा माओवादियों के साथ-साथ टीपीसी और पीएलएफआई जैसे उग्रवादी समूहों के खिलाफ भी जगुआर ने बेहतर काम किया है।

बम डिस्पोजल स्क्वायड के काम की तारीफ भी डीजीपी ने की। उन्होंने कहा कि 25 साल पहले वह गढ़वा में पोस्टेड थे, तब नक्सलियों का प्रभाव काफी अधिक था। 25 सालों के संघर्ष में करीब 550 सुरक्षाकर्मी शहीद हुए। डीजीपी ने कहा कि राज्य में 95 प्रतिशत नक्सलियों का सफाया कर लिया गया है। कार्यक्रम में डीजीपी अनुराग गुप्ता ने परेड की सलामी ली। साथ ही इस अवसर पर झारखंड जगुआर के कमांडो दस्ते द्वारा नक्सलियों के विरुद्ध की जा रही कार्रवाई का प्रदर्शन भी किया गया।

इस अवसर पर झारखंड जगुआर के 23 शहीद पुलिस पदाधिकारी व कर्मियों की शहादत को नमन करते हुए उनके गृह जिला जाकर उनके परिवारों को सम्मानित किया गया। वहीं झारखंड जगुआर मुख्यालय में रक्तदान शिविर में पुलिस पदाधिकारी/कर्मियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया।

राज्यभर में जगुआर ने किया नक्सलियों का सफाया : अनूप बिरथरे

झारखंड जगुआर के आईजी अनूप बिरथरे ने अपने संबोधन में झारखंड जगुआर के विगत 17 वर्षों में उग्रवाद उन्मूलन की दिशा में उपलब्धियों को साझा किया। उन्होंने कहा कि चाहे पारसनाथ की ऊंची पहाड़ियां हों या सारंडा के घने जंगल या बूढ़ा पहाड़ का दुरूह इलाका झारखंड जगुआर ने अपनी शौर्यपूर्ण उपस्थिति सभी जगह दर्ज कराई है। पिछले 17 वर्षों में इस बल ने अनेकानेक अभियानों में सफलताएं पाई हैं, जिसमें झारखंड जगुआर के विभिन्न वर्गों द्वारा 297 नक्सलियों की गिरफ्तारी की गई है और विभिन्न अभियानों के दौरान 34 दुर्दान्त उग्रवादियों को मुठभेड़ में मार गिराया है। झारखंड जगुआर के पदाधिकारियों एवं कर्मियों के उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए अब तक दो अति उत्कृष्ट सेवा पदक, सात उत्कृष्ट सेवा पदक, सराहनीय सेवा के लिए 56 पुलिस पदक, विशिष्ट सेवा के लिए दो राष्ट्रपति पुलिस पदक, वीरता के लिए 17 राष्ट्रपति पुलिस पदक, 54 आंतरिक सुरक्षा सेवा पदक, वीरता के लिए 76 झारखंड मुख्यमंत्री पदक, सराहनीय सेवा के लिए 63 झारखंड पुलिस पदक, विशिष्ट सेवा के लिए तीन झारखंड राज्यपाल पदक तथा 04 केन्द्रीय गृहमंत्री विशिष्ट ऑपरेशन पदक से सम्मानित किया जा चुका है। आईजी जगुआर ने कहा कि आज झारखंड जगुआर राज्य में उग्रवादी गतिविधियों में शामिल सभी संगठनों का मुंहतोड़ जवाब देने और उन्हें जड़ से समाप्त करने के लिए पूरी तरह तत्पर है। झारखंड राज्य को देश में एक उग्रवाद राज्य मुक्त बनाने की दिशा में झारखंड जगुआर अहम भूमिका निभा रही है।

प्रदेश प्रभारी के. राजू का कांग्रेस ओबीसी विभाग ने किया स्वागत

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी ओबीसी विभाग के चेयरमेन अभिलाष साहू के नेतृत्व में स्वर्गीय कार्तिक उरांव चौक में झारखंड के नवनियुक्त प्रभारी के राजू एवं झारखंड प्रदेश के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश का पटाखा जलाकर, ढोल नगाड़े एवं पगड़ी बांधकर जोरदार स्वागत किया गया। इस मौके पर झारखंड प्रभारी एवं प्रदेश अध्यक्ष ने स्वर्गीय कार्तिक उरांव जी का प्रतिमा पर माल्यार्पण किए। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी ओबीसी विभाग के कार्यकारी अध्यक्ष सुजीत नाग वाला, धर्मेंद्र सोनकर, परवेज आलम, राजेश चंद्र राजू, मनोज यादव, राजेश वर्मा, प्रदीप साहू, दीपक गुप्ता, डॉ प्रकाश कुमार, श्रीमती रेणु देवी, विनोद साहू, रीतलाल मंडल, शिव प्रसाद साहू देवव्रत, बबलू सिंह, साबिर अंसारी, श्रीमती आशा देवी, पंचम साहू, मुर्शीद अंसारी आदि नेता थे।

अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन

विभिन्न भाषाओं पर रिसर्च को बढ़ावा देना आवश्यक : डॉ उमेश नन्द तिवारी

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। रांची विश्वविद्यालय के जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा संकाय में शुक्रवार को अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नागपुरी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ उमेश नन्द तिवारी ने कहा कि मातृभाषा को बचाने के लिये हमें अपनी संस्कृति को बचाना होगा। उन्होंने कहा कि जिस समाज के मातृभाषा का विकास नहीं हुआ, वह समाज और क्षेत्र विपुल संसाधनों के बावजूद भी कभी विकास नहीं कर पाया। उन्होंने कहा कि हमें अपनी भाषा को चैलेंज के रूप में लेना होगा, क्योंकि जिस समाज की अपनी मातृभाषा और अपनी संस्कृति नहीं होती है,उस समाज की अपनी कोई पहचान नहीं होती है। उन्होंने कहा कि इन भाषाओं पर रिसर्च करना होगा, स्कूली स्तर पर इन्हें बढ़ावा देना होगा, इन्हें रोजगार परक बनाना होगा, वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए इन्हें तैयार करना होगा तथा इन भाषाओं का सरलीकरण करना होगा। खड़िया विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ बन्धु भगत ने कहा कि भाषा अपने समाज की प्रतिबिम्ब होती है, यदि वह संरक्षित व सुरक्षित नहीं रहेगी तो प्रतिबिम्ब की कल्पना नहीं की जा सकती है। लुप्त हो रही भाषाओं पर सिर्फ चिंता व्यक्त करने से समस्या का समाधान नहीं हो सकता है बल्कि हम सबों को इस दिशा में मिलकर काम करना होगा। मुण्डारी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ मनय मुण्डा ने कहा कि भाषा माँ के दूध के समान है। इसकी रक्षा का दायित्व हम सबों का है। चूंकि भाषा के बिना समाज की कल्पना नहीं की जा सकती है। इसके अलावा डॉ मेरी एस सोरेंग, डॉ कुमारी शशि, डॉ गीता कुमारी सिंह, डॉ रीझू नायक, डॉ दिनेश कुमार, डॉ बीरेन्द्र कुमार महतो, करम सिंह मुंडा, डॉ दमयंती सिंकू, डॉ बन्दे खलखो, अनुराधा मुण्डू, अबनेजर टेटे, शकुन्तला बेसरा, गुरूचरण पूर्ति, विक्की मिंज, प्रेम मुर्मू, राजकुमार बास्के, तारकेश्वर सिंह मुंडा ने भी अपने अपने विचार व्यक्त किये. संचालन प्राध्यापक डॉ वीरेंद्र कुमार सोय ने किया।

बीआइटी लालपुर में चल रहे ऑरोरा 2025 में गुलाबी गैंग का जलवा

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। बीआईटी लालपुर परिसर ऑरोरा-2025 के विभिन्न कार्यक्रमों से गुलजार रहा। आयोजन के अंतिम दिन का छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभा, जज्बा और क्षमता का प्रदर्शन किया। समापन समारोह की मुख्य अतिथि डॉ श्रद्धा शिवानी ने सभी प्रतिभागियों और आयोजनकर्ताओं को बधाई दी। कार्यक्रम संयोजक डॉ आशुतोष मिश्रा और उनकी पूरी टीम को और बेहतर करने के लिए उत्साहित किया। लालपुर के प्रभारी डॉ प्रणव कुमार ने खेल और स्टॉल के समन्वय बनाने एवं उससे सफलता से संचालित करने के लिए डॉ संदीप नाथ शाहदेव की पूरी टीम को बधाई दी। इससे पहले लड़कियों की कबड्डी प्रतियोगिता का फाइनल गुलाबी गैंग जीतकर चैंपियन बनीं। लड़कों की टीम की विजेता टीम गांडीव रही।

रांची आगमन पर हुआ भव्य स्वागत, दो हजार से अधिक श्रद्धालु हुए शामिल

प्रख्यात कथावाचक ज्ञानी पिंदरपाल सिंह जी ने कथावाचन कर साध-संगत को किया निहाल

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। सिख कौम के महान विद्वान एवं विश्व विख्यात कथावाचक ज्ञानी पिंदरपाल सिंह जी (लुधियाना वाले) का शुक्रवार को राजधानी रांची में आगमन हुआ। मौके पर गुरु नानक सत्संग सभा की कीर्तन मंडली द्वारा शबद कीर्तन कर गोपाल दास सरदाना के चौक,झंडा चौक,गेरा चौक से होते हुए उन्हें गुरुद्वारा साहब तक ले जाया गया। समाज की नन्ही बच्चियों ने ' जी आइया नु' लिखी तख्तियां दिखाकर श्रद्धा भाव से स्वागत किया। सत्संग सभा द्वारा विशेष दीवान सजाया गया। दीवान की शुरूआत स्त्री सत्संग सभा की शीतल मुंजाल द्वारा ' आज्ञा भई अकाल की, तबै चलायो पंथ सब सिखन को हुक्म है गुरू मानयो

ग्रन्थ.....' शबद गायन से हुई। इस दीवान में झारखंड के जमशेदपुर, फुसरो, बेरमो, बोकारो थर्मल, गुमला, गिरिडीह, रामगढ़ समेत अन्य शहरों से भी सिख श्रद्धालु काफी तादाद में शामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन गुरु घर के सेवक मनीष मिढ़ा ने किया।

श्री गुरु ग्रन्थ साहिब जी जागृत गुरु : ज्ञानी पिंदरपाल सिंह जी

कथावाचन करते हुए ज्ञानी पिंदरपाल सिंह जी ने श्री गुरुग्रंथ साहिब जी की महिमा का गुणगान करते हुए बताया कि श्री गुरु ग्रन्थ साहिब जी जागृत गुरु हैं,जिससे हम जीवन के हर पहलू पर मार्गदर्शन प्राप्त कर सकते हैं। यह संपूर्ण मानवता की सरब सांझी गुरबाणी है,जिससे प्रत्येक मनुष्य अपनी पिपासा शांत कर जीवन के श्रेष्ठ मूल्यों को धारण कर सकता है। उन्होंने संगत को रोजाना गुरवाणी का पाठ करने को कहा और साथ ही कहा कि पाठ पढ़ते समय इसका स्पष्ट उच्चारण करें और इसका अर्थ समझ कर इसे अपने जीवन में आत्मसात करें।

सत्संग सभा के अध्यक्ष ने किया स्वागत : मौके पर सत्संग सभा के अध्यक्ष द्वारका दास मुंजाल द्वारा ज्ञानी पिंदरपाल सिंह जी को गुरु घर का सरोपा ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। बेरमो गुरुद्वारा की सेंट्रल कमिटी के प्रधान गुरमीत सिंह ने भी भाई साहिब को गुरु घर का सरोपा भेंट किया। सत्संग सभा के सचिव अर्जुन देव मिढ़ा ने बताया कि ज्ञानी पिंदरपाल सिंह जी द्वारा की जाने वाली कथा को सुनने के लिए झारखंड की सिख संगत को बेसब्री से इंतजार था। सत्संग सभा के मीडिया प्रभारी नरेश पपनेजा ने बताया कि अशोक गेरा, सुरेश मिढ़ा, हरीश मिढ़ा, अनूप गिरधर, मोहन काठपाल, राज कुमार सुखीजा, नानक चंद अरोड़ा, ललित गखड़, बिनोद सुखीजा, जीवन मिढ़ा तथा जोड़े की सेवा में बसंत काठपाल, प्रेम मिढ़ा, लक्ष्मण अरोड़ा, पुरुषोत्तम सरदाना, आयुष पपनेजा, गरिमा अरोड़ा, उर्वशी अरोड़ा की विशेष भागीदारी रही।

चेतावनी : धैर्य की परीक्षा ना ले विश्वविद्यालय

एक हफ्ते में समाधान नहीं हुआ तो तालाबंदी : अबुआ अधिकार मंच

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। अबुआ अधिकार मंच के नेतृत्व में शुक्रवार को विश्वविद्यालय के कुलपति को एक ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें विभिन्न छात्रहित से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाया गया। विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं में बढ़ती चिंताओं को ध्यान में रखते हुए मंच ने कुलपति को ज्ञापन सौंपा है।

ज्ञापन सौंपने के बाद अबुआ अधिकार मंच के प्रेम कुमार ने कहा कि छात्र-छात्राओं की समस्याओं को नजरअंदाज करना अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रशासन को एक सप्ताह के भीतर ठोस निर्णय लेना होगा, वरना हम सड़क से लेकर विश्वविद्यालय तक उग्र आंदोलन करने को बाध्य होंगे। यह सिर्फ हमारी नहीं, बल्कि झारखंड के हर छात्र की लड़ाई है, और इसे हम हर हाल में जीतकर रहेंगे। उन्होंने कहा कि अबुआ अधिकार मंच ने विश्वविद्यालय प्रशासन को एक सप्ताह का समय दिया है, ताकि इन मांगों पर त्वरित और सकारात्मक निर्णय लिया जाए। यदि निर्धारित समय में कोई ठोस कदम नहीं उठाया जाता है, तो मंच विश्वविद्यालय में तालाबंदी और आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा।

कार्यक्रम में प्रेम कुमार, मुदस्सर, मुबाशिर, सलमान, मुकेश, हरिओम, शादाब, ऋषभ, सुनील आदि छात्र उपस्थित थे।

लाभुकों को स्पॉन्सरशिप का लाभ दिलाता है डालसा : कपिलदेव

रांची। जस्टिस-ऑन-व्हील मोबाइल वैन टूर जागरूकता कायक्रम के ताहत शुक्रवार को सोनाहातू प्रखण्ड के हारीन पंचायत भवन में जागरूकता कार्यक्रम का अयोजन किया गया। इस अवसर पर पीएलवी कपिलदेव प्रसाद, रामेश्वर चौधरी, कुमारी इंदुबाला कुमारी, आशीकराज महतो, भोलानाथ माहतो, आरती कुमारी, रूपनारायण मुंडा व अन्य उपस्थित थे। मौके पर पीएलवी रामेश्वर चौधरी और कपिलदेव प्रसाद केशरी ने लोगों को स्पॉन्सरशिप की जानकारी दी।

सीबीआइ जांच की मांग को लेकर अभाविप ने जैक मुख्यालय के समक्ष किया प्रदर्शन

- आंदोलन कर रहे छात्रों को उग्र होता देख पुलिस ने बल प्रयोग कर वहां से हटाया

खबर मन्त्र संवाददाता

नामकुम। शुक्रवार को मैट्रिक की परीक्षा में हिन्दी और विज्ञान के प्रश्नपत्र लीक मामले में सीबीआई जांच और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिसद के बैनर तले छात्र-छात्राओं ने जैक मुख्यालय के समक्ष प्रदर्शन और नारेबाजी की। छात्रों के हंगामा को देखते हुए नामकुम पुलिस को मौके पर मौके पर बुलाया गया। थानेदार ब्रह्मदेव प्रसाद सदलबल मौके पर पहुंचे और आंदोलनरत छात्र छात्राओं को समझाया, पर छात्रों को उग्र होता देख पुलिस ने बल प्रयोग कर छात्रों को वहां से हटाया।

पुलिस दो छात्रों को थाने ले आयी और उन्हें बैठाकर रखा गया। छात्रों को पुलिस द्वारा थाने ले जाने के बाद बड़ी संख्या में छात्र मांग करने लगे। जिस पर पुलिस द्वारा उन्हें समझाया गया, तब जाकर छात्र माने। छात्रों का कहना था कि पेपर लीक मामले को अविलंब बंद कराया जाए। इससे छात्र-छात्राएं मानसिक रूप से प्रताड़ित होते हैं।

भारतीय रिजर्व बैंक, रांची ने मातृभाषा दिवस महोत्सव का किया आयोजन

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भारतीय रिजर्व बैंक, रांची कार्यालय ने शुक्रवार को होटल कैपिटल हिल में मातृभाषा दिवस महोत्सव का भव्य आयोजन किया। यह आयोजन न केवल भाषायी विविधता का उत्सव था, बल्कि मातृभाषा के संरक्षण और प्रसार के प्रति जागरूकता लाने का एक सार्थक प्रयास भी था।

कार्यक्रम का शुभारंभ भारतीय रिजर्व बैंक, रांची के क्षेत्रीय निदेशक प्रेम रंजन प्रसाद सिंह द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। अपने उद्घाटन भाषण में उन्होंने मातृभाषा की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए इसे हमारी सांस्कृतिक पहचान और जड़ों का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि मातृभाषा संवाद की सहजता और आत्मीयता का माध्यम है और इसे सहेजना व सम्मान देना हर व्यक्ति का नैतिक कर्तव्य है। उन्होंने सभी को अपनी मातृभाषाओं के संरक्षण और प्रसार में योगदान देने पर जोर दिया, ताकि आने वाली पीढ़ियों को इसकी समृद्ध धरोहर सौंपी जा सके।

इस अवसर पर प्रसिद्ध विद्वान डॉ. अशोक प्रियदर्शी ने 'अपनी बोली अपनी बानी' विषय पर एक सारगर्भित व्याख्यान दिया। उन्होंने भाषायी विविधता और मातृभाषा की प्रासंगिकता पर चर्चा करते हुए बताया कि अपनी भाषा के प्रति प्रेम और गर्व का भाव ही समाज को समृद्ध और सशक्त बनाता है। कार्यक्रम के दौरान भारतीय रिजर्व बैंक के कर्मियों ने अपनी मातृभाषाओं में विविध प्रस्तुतियां दीं। इन प्रस्तुतियों ने सांस्कृतिक विविधता को प्रदर्शित करते हुए कार्यक्रम को और अधिक रोचक और जीवंत बना दिया। महोत्सव का समापन सुश्री मृणालिनी अखौरी और उनकी टीम द्वारा प्रस्तुत सुरमयी संगीत संध्या से हुआ।

भारतीय रिजर्व बैंक, रांची द्वारा आयोजित यह महोत्सव न केवल सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण था, बल्कि यह मातृभाषा के प्रति प्रेम और जागरूकता बढ़ाने का एक प्रभावी माध्यम भी सिद्ध हुआ। इस प्रकार के आयोजनों से भाषायी विविधता को संरक्षित रखने और हमारी सांस्कृतिक धरोहर को संजोने का संदेश प्रसारित होता है।

सरला बिरला विवि में विशेषज्ञ वार्ता का आयोजन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। सरला बिरला विश्वविद्यालय में आज 'युवाओं में भावनात्मक और व्यावहारिक मुद्दों' पर विशेषज्ञ वार्ता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता और उनके मनोवैज्ञानिक विकास को बढ़ावा देने के लिए था। इस अवसर पर प्रसिद्ध क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट डॉ. भूमिका सच्चर मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित हुईं। अपने संबोधन में डॉ. भूमिका ने उपस्थित श्रोताओं के समक्ष तनाव, अवसाद, सोशल मीडिया के प्रभाव और युवाओं की मानसिक चुनौतियों पर चर्चा की और उनके समाधान बताए। इसके बाद छात्र-छात्राओं और संकाय सदस्यों ने इंटरएक्टिव सत्र में भाग लिया, जहां उन्होंने डॉ. सच्चर से मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित कई सवाल पूछे।

एसबीयू के महानिदेशक प्रो. गोपाल पाठक एवं कुलपति प्रो.सी. जगनाथन की गरिमामयी उपस्थिति में विशेषज्ञ वार्ता कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर डॉ. वी सामंता, डॉ. आलोक कुमार, डॉ आर. के. सिंह, अंजली मिश्रा एवं विवि के अन्यान्य शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारी भी उपस्थित रहे। विधि विभाग की प्रभारी कोमल गुप्ता ने स्वागत एवं राजीव रंजन ने धन्यवाद भाषण दिया।

विश्वविद्यालय के प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान और राज्यसभा सांसद डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा ने इस कार्यक्रम के आयोजन पर अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की।

इंडियन बैंक एवं टाइम्स ऑफ इंडिया के सौजन्य से 'ऐसेट फेयर-2025' का आयोजन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। इंडियन बैंक, अंचल कार्यालय एवं टाइम्स ऑफ इंडिया के सौजन्य से होटल बीएनआर चाणक्य में शुक्रवार को ऐसेट फेयर का आयोजन किया गया। इस ऐसेट फेयर का शुभारंभ विवेक क्षेत्र महाप्रबंधक पटना, अंबुकामराज, महाप्रबंधक कॉर्पोरेट कार्यालय, चेन्नै, सुधांशु मुंशी, उप महाप्रबंधक रामस्वरुप सरकार, अंचल प्रबंधक, रांची अंचल एवं साकेत कुमार, सहायक महाप्रबंधक, पटना के कर कमलों से हुआ। इसके अलावा इस ऐसेट फेयर में बिहार-झारखंड के सभी अंचल के अंचल प्रबंधकगण, रांची अंचल के विभिन्न शाखाओं के शाखा प्रबंधकगण एवं अंचल कार्यालय के स्टाफ सदस्यगण उपस्थित रहे।

इस प्रकार का ऐसेट फेयर बिहार एवं झारखंड राज्य का पहला ऐसेट फेयर है। जिसमें सरफेसी अधिनियम के तहत कई परिसंपतियों को सूचीबद्ध किया गया। इस ऐसेट फेयर में समाज के हर वर्ग के लोग संपत्ति को खरीदने में रुचि दिखाएं। ये सभी परिसंपातियां झारखंड राज्य के विभिन्न स्थानों पर उपलब्ध हैं। जिससे ग्राहकों को अपने पसंद की परिसंपतियों को इंडियन बैंक द्वारा ई-आक्शन के माध्यम से उपलब्ध कराया जाएगा। इस प्रकार का ऐसेट फेयर आम जनता के लिए काफी लाभप्रदक सिद्ध होगा।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के छात्र की कुआं में डूबने से मौत

- स्कूल की छुट्टी के बाद पतंग उड़ाने के दौरान कुंआ में गिरा

ओरमांझी। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर कुल्ही ओरमांझी का एक 06 वर्षीय छात्र सुमित कुमार की मौत कुंआ में गिरने से हो गई। बताया गया कि सुमीत कुमार यूकेजी का छात्र था। स्कूल से घर जाने के बाद पतंग उड़ाने गया था। शाम को सुमित को घर वाले नहीं देख सुमित को ढूंढने लगे। उसका नानी घर गांव में ही है। स्वजनों ने पता लगाया तो वह नानी घर में भी नहीं मिला। इधर गांव में बच्चे के गायब होने की जानकारी मिलने पर गांव वाले भी उसे ढूंढने लगे। इसी दौरान गांव में रात आठ बजे के करीब एक कुंआ के पास पतंग उड़ाने वाला धागा देख गांव वालों ने झगर लगाकर कुंआ में तलाशा तो थोड़ी देर में ही बच्चे का शव बरामद हो गया। बताया गया कि शुक्रवार को सुमित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर कुलही में ही कक्षा तीन में पढ़ने वाली अपनी बहन कोमल कुमारी के साथ स्कूल गया था। वहीं उसकी मां पूजा कुमारी गार्मेंट फैक्ट्री किशोर स्पोर्ट कुल्ही व पिता बीआईटी प्लांट में कार्य करते हैं। दोनों अपने काम से गए थे। घर आने पर अपने बच्चे को ढूंढने लगे। जब कुंआ से बच्चे का शव देख दोनों के साथ गांव के लोग रोने लगे। विद्यालय के प्राचार्य जयप्रकाश महतो, शिक्षक व ग्रामीणों ने गहरा दुख जताया है।

श्री सीमेंट में सीआईटी के छह छात्रों का कैंपस सलेक्शन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। कैंब्रिज इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के 6 छात्रों का कैंपस सेलेक्शन प्रतिष्ठित सीमेंट निमार्ता कंपनी श्री सीमेंट लिमिटेड ने ट्रेनी इंजीनियर के पद पर किया है। चयनित छात्रों में सिविल इंजीनिरिंग ब्रांच (2021-25 बैच) के निरंजन कुमार, निशांत कुमार, हर्ष कुमार, ललित महतो, चन्दन कुमार व आयुष सागर का नाम शामिल है। संस्थान के टीएनपी निदेशक डॉ ए भट्टाचार्य ने बताया कि चयनित छात्रों का जॉब लोकेशन झारखण्ड के अलग अलग जिलों में होगा (शुरुआत में इन्हें 2.40 लाख का सालाना पैकेज मिलेगा। शुक्रवार को कंपनी के स्टेट हेड (टेक्निकल) संटू साहा ने चयनित छात्रों को नियुक्ति पत्र सौंपा। मौके पर कंपनी के अधिकारी कुलदीप मिश्रा, रवि सिंह मुख्य रूप से मौजूद थे। संस्थान के प्राचार्य डॉ एल रंगनाथन ने सभी चयनित छात्रों को बधाई दी है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवन निर्माण कर 24 घंटा स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराया जाये : देवेंद्र नाथ

खबर मन्त्र संवाददाता

राहे। राहे प्रखंड में सुविधायुक्त सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवन निर्माण को लेकर झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के केन्द्रीय वरीय उपाध्यक्ष देवेन्द्र नाथ महतो रांची उपायुक्त मंजुनाथ भजंत्री से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन के माध्यम से देवेंद्र नाथ महतो ने रांची उपायुक्त को जानकारी दी कि वर्तमान समय में राहे स्वास्थ्य केन्द्र पूरी तरह जर्जर स्थिति में है। बेहतर स्वास्थ्य सुविधा हेतु नए स्वास्थ्य भवन निर्माण के लिए झारखंड राज्य भवन निर्माण निगम लिमिटेड टेंडर फाइनल करके संवेदक को कार्य भी आवंटित कर चुका है। लेकिन विभाग के उदासीन रवैया की वजह से विगत छह महीनों से जमीन उपलब्धता के अभाव से भवन का निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पा रहा है। देवेन्द्र नाथ महतो ने जानकारी देते हुए डीसी महोदय को यह भी बताया कि आपके कार्यालय के पत्र संख्या 3474 दिनांक 19/10/2024 के माध्यम यह कहते हुए जमीन आवंटन करने से मना कर दिया था कि स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण झारखंड सरकार द्वारा अधियाचना अपेक्षित है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रबंध समिति की बैठक

चान्हो। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में शुक्रवार को अस्पताल प्रबंध समिति की बैठक पूर्व मंत्री बंधु तिर्की की अगुवाई में हुई। इस दौरान पिछली बैठक में पारित किए गए प्रस्ताव की समीक्षा की गई, साथ ही जरूरी निर्देश भी दिये गये। बंधु तिर्की ने चिकित्सा प्रभारी को समय समय पर अस्पताल के स्टाफ के साथ मीटिंग करने को लेकर निर्देशित किया और कहा कि ऐसा करने से तालमेल बना रहता है, और अच्छा काम होता है। बैठक में कमिटी का विस्तार करने, किसी भी नए काम को शुरू करने के पहले प्रबंध समिति से प्रस्ताव पारित कराने, अस्पताल के पहुंच पथ को दुरुस्त करने तथा मरीजों के लिए अस्पताल परिसर में ही खाना बनाने की बात कही गई।बैठक के बाद बंधु तिर्की ने अस्पताल परिसर का भ्रमण भी किया। इस दौरान साफ सफाई सहित अन्य व्यवस्था को लेकर चिकित्सा प्रभारी और बीपीएम को जरूरी निर्देश भी दिया। मौके पर बीडीओ बरुण कुमार, चिकित्सा प्रभारी डा सरिता कच्छप, प्रखंड अध्यक्ष मो इस्तेयाक, बीपीएम श्यामेंद्र कुमार, अभिषेक, प्रमुख होलिका देवी, मुखिया शिव उरांव, इरशाद खान, अबदुल्लाह अंसारी जुल्फान अंसारी, गेयास,भोला साहु, डा स्वाति हफीजूल अंसारी, तजमूल अंसारी आदि मौजूद थे।

शिवशक्ति समिति चुटूपालू का गठन, सुरेंद्र महतो अध्यक्ष और सुरेंद्र सिंह बने सचिव

ओरमांझी। शिव मंदिर परिसर चुटूपालू में शुक्रवार को शिवशक्ति समिति चुटूपालू खीराबेड़ा की बैठक मनोज साहू की अध्यक्षता में हुई। जिसमें धूमधाम से शिव रात्रि पूजा, शिव बारात व अखंड हरिकीर्तन का आयोजन करने का निर्णय लिया गया। वहीं धार्मिक आयोजन को सफल बनाने के लिए समिति का गठन हुआ। जिसमें सर्वसम्मति से अध्यक्ष सुरेंद्र महतो, सचिव सुरेंद्र सिंह व कोषाध्यक्ष नितेष साहू, उपाध्यक्ष विनोद महतो, उपसचिव अक्षय ठाकुर, उपकोषाध्यक्ष बासुदेव ठाकुर को बनाया गया। इसके अलावे कार्यकारिणी अध्यक्ष अध्यक्ष कुलदीप महतो, महामंत्री बालकिषुन बेदिया, मंत्री प्रदीप महतो, उपमहामंत्री किशोर बेदिया सहित ग्यारह लोगों को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया। बैठक में समिति के सदस्य व ग्रामीण उपस्थित थे।

सोनाहातू मुखिया ओर नावाडीह मुखिया सम्मानित

सोनाहातू। झारखंड शिक्षा परियोजना द्वारा आयोजित मुखिया सम्मेलन में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 19 मुखिया को सम्मानित किया गया है। सोनाहातू पंचायत के मुखिया विकास सिंह मुंडा भी शिक्षा के क्षेत्र में पंचायत में कई महत्वपूर्ण कार्य किया है। उनकी सेवा के अवलोकन के बाद उन्हें उत्कृष्ट मुखिया का सम्मान मिला है। विकास सिंह मुंडा पूर्व विधायक राजेंद्र सिंह मुंडा के पोता है और इंजीनियरिंग की पढ़ाई किए हुए हैं। स्कूल में पठन-पाठन की व्यवस्था को लेकर भी हमेशा सक्रिय रहते हैं। इधर राहे प्रखंड के नावाडीह पंचायत के मुखिया श्याम सिंह मुंडा को शिक्षा के क्षेत्र में पंचायत में उत्कृष्ट कार्य करने को लेकर सम्मानित किया गया है। दोनों मुखिया को रांची के डीसी ने प्रशस्ति पत्र और शॉल देकर सम्मानित किया है।

एनआइबीएम ने पूरे किये सफलतापूर्वक 26 वर्ष

- वर्ष 1997 में पटना के अशोक राज पथ से की गई थी शुरुआत

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। एनआईबीएम जहां हजारों युवा अपनी सरकारी नौकरी के सपना को साकार कर चुके हैं तथा यह सिलसिला पिछले 26 वर्ष से चलता आ रहा है। वर्ष 1997 में पटना के अशोक राज पथ से शुरूआत की गई तथा वर्ष 2003 में रांची के हरिओम टॉवर से और 2012 से अपनी चौथी मंजिल श्री साईं टावर सर्कुलर रोड में चल रही है। शुक्रवार को संस्थान ने अपना 26 वर्षगाठ मनाया। इस अवसर पर संस्थान के सीईओ एमके गुप्ता, विजेयता गुप्ता, रांची विश्व विद्यालय के पूर्व वीसी रमेश पांडे, सरला बिरला विवि के वीसी गोपाल पाठक, साईं नाथ वीसी एसपी अग्रवाल, डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के वीसी तपन सांडिल्य, जेवियर के पूर्व प्राचार्य नाबोरा लकड़ा, शिक्षाविद रमण बल्लभ, सुरजीत घोष, बीके सिन्हा, एके ठाकुर तथा संस्था की पूरी टीम के साथ सैकड़ों विद्यार्थी उपस्थित रहे।

फ्रेंड्स ऑफ विकर सोसाइटी का स्कालरशिप कॉउंसलिंग

- इस पहल का मुख्य उद्देश्य मुस्लिम समुदाय के बच्चों में शिक्षा जारी रखने के लिए प्रोत्साहित करना था

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। फ्रेंड्स ऑफ विकर सोसाइटी द्वारा तालीम की ताकत और शिक्षा को सम्मान अभियान के तहत आज इदरीसया तंजीम स्कूल हिंदीपीढ़ी में एक काउंसलिंग कैंप आयोजन किया गया। इस कैंप में लगभग 15 स्कूलों के छात्रों, उनके अभिभावकों और शिक्षकों ने भाग लिया।

इस पहल का मुख्य उद्देश्य मुस्लिम समुदाय में बढ़ती स्कूल ड्रॉप-आउट दर को रोकना और छात्रों को उनकी शिक्षा जारी रखने के लिए प्रोत्साहित करना था। रांची के विभिन्न स्कूलों में पढ़ रहे कई छात्र-छात्राएं आर्थिक कठिनाइयों के कारण शिक्षा से वंचित होने की कगार पर हैं। उनके अभिभावकों के पास सीमित संसाधन होने के कारण वे समय पर फीस जमा नहीं कर पाते, जिससे उनका स्कूल छोड़ने का खतरा बढ़ जाता है। इस समस्या को देखते हुए फ्रेंड्स ऑफ विकर सोसाइटी द्वारा इस काउंसलिंग सत्र का आयोजन किया गया था। जिसमें छात्रों और उनके अभिभावकों को शिक्षा की अहमियत समझाने के साथ-साथ उन्हें स्कॉलरशिप प्रदान करने पर भी चर्चा की गई।

इस कार्यक्रम में लगभग 220 छात्रों और उनके अभिभावकों ने भाग लिया। स्कूलों के प्रिंसिपल्स और शिक्षकों ने भी इस अभियान का समर्थन किया। जल्द ही फ्रेंड्स ऑफ विकर सोसाइटी के द्वारा से इन सभी 220 छात्रों को स्कॉलरशिप प्रदान की जाएगी।

काउंसलिंग सत्र में इदरीसया तंजीम हाई स्कूल, पैरामाउंट हाई स्कूल, ड्रीम लैंड पब्लिक स्कूल, राइजिंग मून स्कूल, जिकरा अरबिक स्कूल, ताज स्कड स्कूल, वकास अकादमी, लिटिल गार्डन स्कूल, एच एम के पब्लिक स्कूल, कुरैशी अकादमी, रेड क्रिसेंट पब्लिक स्कूल, केयूजी इंग्लिश हिंदी मेडियम स्कूल सहित कई अन्य विद्यालयों के छात्र शामिल हुए।

इस अवसर पर इदरीसया स्कूल के प्रिंसिपल जनाब रेयाज खान, मो. मोजाहिद, शकील सर और नाजिया तबस्सुम आदि का काफी सहयोग रहा, सामाजिक कार्यकर्त्ता एजाज गद्दी और जाने माने सामाजिक कार्यकर्ता पत्रकार फिरोज जिलानी और मोजीबूल हक ने काफी अहम रोल अदा किया। वरिष्ठ पत्रकार फिरोज जिलानी ने अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि अगर आप पढ़-लिख लेंगे, तो आपकी आने वाली पीढ़ियां भी पढ़ेंगी। शिक्षा हर समस्या का समाधान है। अपने बच्चों की शिक्षा के लिए छोटी-छोटी सुविधाओं का त्याग करना एक बड़े उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करेगा।

फ्रेंड्स ऑफ विकर सोसाइटी के महासचिव जनाब कमर सिद्दीकी ने कहा कि आज हमारे समाज में जो शोषण और अन्याय हो रहा है वह केवल शिक्षा की कमी की वजह से है। तालीम ही वह माध्यम है जिससे हम अपने अधिकार प्राप्त कर सकते हैं और समाज में सम्मानजनक स्थान बना सकते हैं।

इस अवसर पर फ्रेंड्स ऑफ विकर सोसाइटी के सचिव सुहैल अख्तर, खजांची अरशद शमीम, जॉइंट सेक्रेटरी जावेद अख्तर बेबू, मजहर हुसैन छोटू, मो. गुलजार, इम्तियाज अहमद, शकील अहमद, शहबुल हक सहित कई लोग मौजूद थे अन्य पदाधिकारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

महाशिवरात्रि पर बेड़ो में निकाली जायेगी भव्य शिव बारात

खबर मन्त्र संवाददाता

- महादानी मंदिर में होगा भव्य आयोजन

बेड़ो। बेड़ो प्रखंड मुख्यालय स्थित महादानी मंदिर परिसर में प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी महाशिवरात्रि पर भव्य पूजन व शिव बारात कार्यक्रम आयोजन को लेकर महादानी सत्संग समिति की बैठक आयोजित की गयी। बैठक के दौरान संरक्षक महावीर गोप ने बताया गया कि महाशिवरात्रि पर भव्य शिव बारात सांई मंदिर रोड से निकाली जाएगी। वहीं मंदिर परिसर में 24 घंटे अखंड संकीर्तन, बारात स्वागत, विवाह सहित अन्य धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किये जाएंगे। साथ ही श्रद्धालुओं के बीच भंडारे का वितरण किया जाएगा। इसको लेकर तैयारी शुरू कर दी गयी है। बैठक के दौरान सभी की भागीदारी से आयोजन को भव्य और सफल बनाने पर चर्चा की गयी। बैठक में संरक्षक महावीर गोप, सचिव मेघनाथ गिरी, अध्यक्ष हरकनाथ महतो, सदस्य सुरेंद्र सिंह, उपाध्यक्ष राजु सिंह, रामनारायण सिंह, ईश्वर बड़ाइक सहित कई लोग मौजूद थे।

ओलावृष्टि ने किसानों की कमर तोड़ दी, बारिश ने उम्मीदों पर फेरा पानी

खबर मन्त्र संवाददाता

मांडर/चान्हो। गुरुवार की सुबह मांडर और चान्हो प्रखंड के कुछ गांव के लिए काल बनकर आई। गुरुवार की सुबह हुई बारिश के साथ ओला वृष्टि में मुरजुली, कैम्बो, बांसजाड़ी और दजीर्जाड़ी समेत कई गांव में ओलावृष्टि हुई। जिससे किसानों की फसल बर्बाद हो गई। किसान बहुत ही उम्मीद के साथ खेती करते हैं और फसल तैयार होने की आशा करते हैं साथ ही उससे होने वाले आए का अनुमान लगाकर अपनी योजनाएं भी बनाते हैं लेकिन 15 मिनट के हुई बारिश ने उनके आशाओं पर पानी फेर दिया। लगभग 15 मिनट तक लगातार हुई ओलावृष्टि ने आलू, मटर, प्याज, गेहूं, सरसों जैसे सभी फसलों को जमींदोज कर दिया। इतनी ज्यादा ओलावृष्टि हुई थी कि सुबह के 5:00 बजे हुई ओलावृष्टि की बर्फ दिन के 12:00 तक खेतों में और घरों में जमी हुई थी। वहीं दूसरी ओर चान्हो के दमदमा बस्ती में ओलावृष्टि से फसलों को काफी नुकसान पहुंचा है।

ओलावृष्टि का सबसे अधिक प्रभाव मांडर प्रखंड के सरगांव और मुरजूली के किसानों को उठाना पड़ा है। यहां लगी गेहूं, मटर, प्याज, सरसों, आलू सभी फसले पूरी तरह से नष्ट हो चुकी है। गांव के लोगों ने बताया कि इतनी ज्यादा बर्फ गिरी थी कि दिन के 12:00 बजे तक जमीन सहित घर के छप्पर पर भी बर्फ की मोटी चादर जमी हुई थी।

ओलावृष्टि के कारण तैयार हुई फसलें तो नष्ट हुई ही इसके साथ जिन किसानों ने टमाटर, गोभी, मिर्च जैसे फसलों का बिचड़ा तैयार किया था वह सभी पूरी तरह से नष्ट हो गई। ओलावृष्टि से जमी बर्फ के बाद घर के दरवाजे को भी खोलने में दिक्कत हो रही थी। कई बुजुर्गों ने बताया कि काफी उन्होंने अपने जीवन में इतनी भारी ओलावृष्टि कभी नहीं देखी थी। इस बबार्दी के बाद किस पूरी तरह टूट चुके हैं। उन्हें अब सरकारी सहायता की ही उम्मीद बची है।

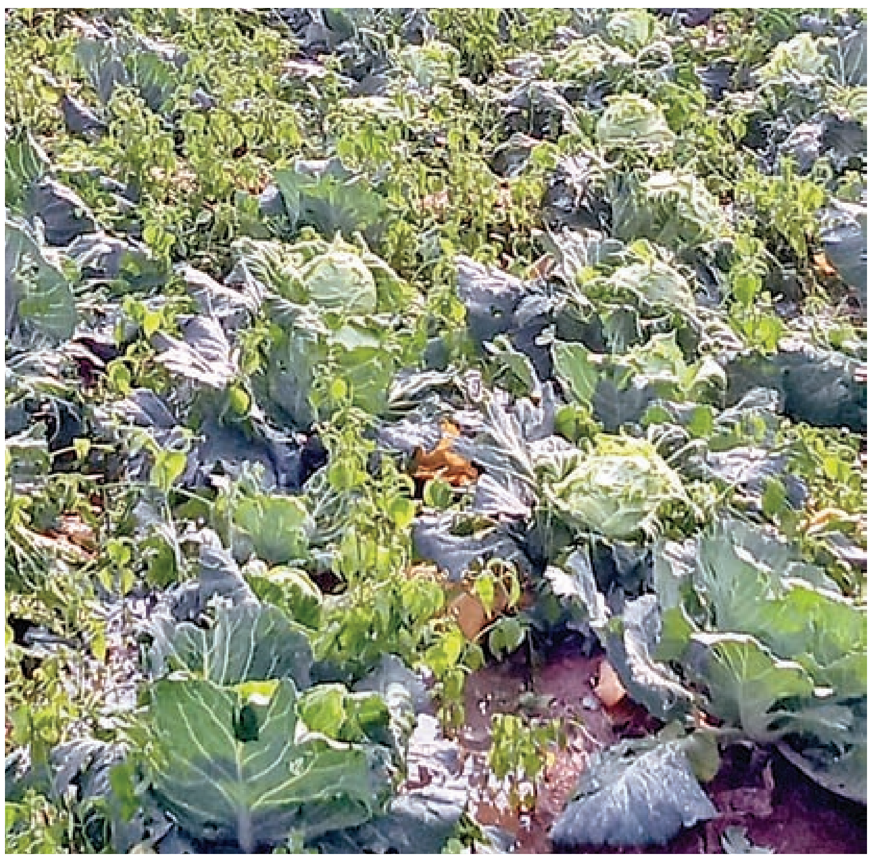

पैतृक गांव मुरचू लौटा दस साल से लापता युवक

थाने में पत्नी को देख फफक पड़ा बहादुर उरांव, सोमरी ने खिलाई मिठाई

खबर मन्त्र संवाददाता

पत्नी और मुखिया के साथ बहादुर उरांव।

रातू। मुरचू निवासी बिरसी उरांव व स्व कंधना उरांव का 29 साल की उम्र में लापता पुत्र 39 वर्षीय बहादुर उरांव शुक्रवार की दोपहर घर लौट आया। वह थाने में पत्नी को देखकर फफक पड़ा। सोमरी उरांव ने उसे मिठाई खिलायी। पति को पाकर उसके चेहरे खिल उठे। उसने थानेदार रामनारायण सिंह और सहायक अवर निरीक्षक मनोज कुमार का आभार जताया। बहादुर ने बताया कि 10 मई 2015 को वह भटककर उड़ीसा के एक बार में चला गया। मालिक उसे दिनभर घर में कैद कर रखता था और रात होते ही काम के लिये ले जाता था। उसकी सतत निगरानी रखी जाती थी। उसने कई बार घर आने की कोशिश की। लेकिन, पहरे की वजह से सफल नहीं हो पाया। वहां उसे सिर्फ खाना दिया जाता था। मजदूरी की मांग पर गाली दी जाती थी।

कैसे पहुंचा उड़ीसा : बहादुर उरांव ने आपबीती सुनायी और कहा कि वह अपनी बेटी के साथ शाम के वक्त पटना में घुमने निकला था। इसी बीच वह कब और कैसे उड़ीसा पहुंचा, कुछ पता नहीं है। बेटी को भी उससे अलग कर दिया गया। वह कहां गयी, इसका उसे कोई पता नहीं चल पाया। उसने पत्रकारों को बताया कि यदि घर नहीं लौटता, तो जिंदा नहीं रह पाता।

खुश हैं परिजन : बहादुर के सकुशल घर लौटने पर गांव वाले और उसके परिजन बेहद खुश हैं। पंचायत की पूर्व मुखिया रीता भगत व पुरियो मुखिया ज्योति भगत ने थानेदार और एएसआई की प्रशंसा करते थक नहीं रही हैं। उनकी पहल पर गुमनामी के अंधेरे से बहादुर बाहर निकल आया है। उन्होंने मानवता का परिचय देते हुये बिछड़े परिवार को मिला दिया। इसके लिये दोनों बधाई के पात्र हैं।

अभिहित अधिकारी–सह–अपरमुख्य चिकित्सापदाधिकारी का कार्यालय, लोहरदगा।

fssai

(खाद्य सुरक्षा–शाखा)

आम सूचना।

खाद्य सुरक्षा एवं मानकअधिनियम, 2006(Food Safety and Standard Act,2006) के तहत् खाद्य सुरक्षा एवंमानकों से जुड़े मामलों कोनियंत्रित करने वाला कानून है। इस कानून के तहत् खाद्य पदार्थों के विनिर्माण, भंडारण, वितरण, बिक्रि और आयातको नियंत्रित किया जाता है। इस अधिनियम के तहत् खाद्य सुरक्षा एवंमानकों के लिए भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण(FSSAI) की स्थापना की गयीहै। इस अधिनियम के तहत् खाद्य व्यवसाय शुरू करने से पहले लाइसेंस/रजिस्ट्रेशन लेना अनिवार्य है।

1. FSS Act-2006की धारा–63 के तहत् सभी खाद्य कारोबारियोंको(जैसे–किराना दुकान, खुदरा बिक्रेता, थोकविक्रेता, उत्पादक, वितरक, पूर्तिकार, प्रसंस्करणकर्त्ता, भण्डारक, पैकेजिंग, परिवाहक, मीट, मछली एवंचिकन बिक्रीकर्त्ता, होटल, ढ़ाबा, रेस्टोरेन्ट, दवाखाना, मिठाई बिक्रीकर्त्ता, फल और सब्जीदुकान,राईस मिल, आटा मिल, तेल मिल, पानी पैकेजिंग, चाय दुकान,गन्नाजूस,फुचका–चाट–छोला दुकान इत्यादि) को बिना वैध FSSAI License/Registrationके कारोबार करना दंडनीय अपराध है, एवं इसमें धारा–63 के तहत् 10 लाख रूपयेतक का जूर्माना किया जा सकता है।
2. FSSAI Registrationके लिए आवश्यक दस्तावेज–पासपोर्ट साइज फोटो, आधारकार्ड, पैनकार्ड और दुकान का बिजली बिल लेकर आना सुनिश्चित करेंगे।
3. FSSAI License के लिए आवश्यक दस्तावेज–आधार कार्ड और दुकान का बिजलीबिल, FSMS Plan form, Self Declaration form, GST Certificate,और पैनकार्ड लेकर आना सुनिश्चित करेंगे। सभीमीट, मछली एवं चिकन दुकान के लिए स्थानीय पंचायत या नगरनिगम से आवश्यक अनापत्ति प्रमाणपत्र लेकर आना सुनिश्चित करेंगे।
4. सभी होटल/रेस्टोरेंट संचालक कोसूचित किया जाता हैकि खाद्य पदार्थ में उपयोग किये जानेवाले पानी की गुणवत्ता किसी भी FSSAI/ NABL Accredited Notified Lab से जाँच कराकर जाँच प्रतिवेदन प्राप्त करना सुनिश्चित करेंगे।
5. FSSAI एवं स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याणविभाग, झारखण्ड के आदेश संख्या–226(F) दिनांक–11.10. 20219 के आदेशानुसार सभी तरह के खाद्य कारोबारकर्त्ता को FoSTaC का प्रशिक्षण लेना अनिवार्य है। सभी खाद्य कारोबारी FoSTaC का प्रशिक्षण लेना सुनिश्चितकरें। FoSTaC प्रशिक्षण हेतु आयोजन की सूचना खाद्य सुरक्षा कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी, लोहरदगा।

PR 346935 Lohardaga(24-25)D

अभिहित अधिकारी–सह– अपरमुख्य चिकित्सा पदाधिकारी,लोहरदगा।

खबर एक नजर में

झामुमो संयोजक मंडली का बैठक खलारी पंचायत भवन में किया गया

खलारी। खलारी प्रखंड झामुमो संयोजक मंडली का बैठक खलारी पंचायत भवन में किया गया। बैठक की अध्यक्षता खलारी संयोजक प्रमुख अनिल पासवान एवं संचालन राजेश गोप ने किया। बैठक में पंचायत के सदस्य अभियान चलाया व सर्व समिति से खलारी पंचायत समिति का गठन किया गया। जिसमें अध्यक्ष प्रदीप टोप्पो,उपाध्यक्ष इस्लाम अंसारी, नसीमुद्दीन अंसारी, पहलाद प्रसाद, विजय गोप, सचिव अजय सिंह, वीरेंद्र गंझु,सुनील मुंडा, रोहित मुंडा, आफरीन परवीन कार्यकारिणी सदस्य में रंजीत टोप्पो,बुला अंसारी, मंटू लोहार,बिंदु तिग्गा,जेरोमनी टोप्पो को बनाया गया। मौके पर रंथु उरांव,कलीम रिजवी, छोटु राम, जैनुल खान, सुनील यादव, चितरंजन सिंह सहित अन्य कार्यकता उपस्थित थे।

डकरा विद्या मंदिर में संकुल स्तरीय शिशु वाटिका प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजन

खलारी। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर डकरा में संकुल के दीदियों एक दिवसीय शिशु वाटिका प्रशिक्षण आयोजित किया गया है। प्रशिक्षण में सरस्वती शिशु विद्या मंदिर रामगढ़ एवं सरस्वती शिशु विद्या मंदिर मोराबादी की प्रशिक्षित दीदी अंजू कुमारी, बबीता रानी ,सुमन संगीता बेक,नीरज झा को प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम के संबध में विद्यालय के प्रधानाचार्य गोपाल मिस्त्री विश्वकर्मा ने बताया कि विद्यालय में नई शिक्षा नीति के तहत एनईपी के माध्यम से बच्चों को बैगलेस एजुकेशन दी जाए, इसके लिए काम किया जा रहा है। कक्षा में बच्चे अनुभव आधारित और क्रिया आधारित की पढ़ाई कर रहे हैं। जिसमें भाषा प्रयोगशाला, वस्तु संग्रहालय, विज्ञान प्रयोगशाला, रंगमंच कार्यशाला, कला कार्यशाला आदि देखने को मिलते हैं। यहां बच्चे खेल खेल में काफी कुछ सीख रहे हैं।

ग्रामीणों ने पोस्ते के खेती को किया नष्ट

सोनाहातू। थाना क्षेत्र के बांधडीह गांव के ग्रामीणों ने एकजुट होकर जंगल के बीच 4 एकड़ से अधिक जमीन में लगे पोस्ते की खेती को नष्ट किया है। सोनाहातू थाना प्रभारी चंदन कुमार ने डीएसपी बुंडू ओम प्रकाश के निदेर्शानुसार लगातार गांव गांव जाकर ग्रामीणों को नशीली पदार्थ का खेती और सेवन से होने वाले बुराइयों की जानकारी लोगों के बीच दिए हैं। इसी क्रम में पंचायत के मुखिया, ग्राम प्रधान ओर ग्रामीणों के साथ बैठक कर अफीम से होने वाले नुकसान की जांच जानकारी लोगों को दिया। पुलिस के सक्रिय भूमिका से प्रभावित होकर ग्रामीण एकजुट होकर जंगल में लगे पोस्ते की खेती को नष्ट किया है। ग्रामीणों ने अपील किया है कि जिसने भी चोरी छुपे खेती कर रहे हुए समय रहते नष्ट करें नहीं तो ग्राम सभा में उन्हें दंडित करने का काम करेगा। पुलिस के पहल और ग्रामीणों के जागरूकता से गांव से पोस्ते की खेती को पूर्ण रूप से नष्ट किया गया है।

बाइक के धक्के से एक की मौत

खबर मन्त्र संवाददाता

इटकी। इटकी थाना क्षेत्र अंतर्गत रांची गुमला मुख्य मार्ग पर सेमरा स्थित तिलकसूती चौक पर बुलेट बाइक के धक्के से एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान सेमरा गांव के जोहान तिर्की (40) पिता स्व. बीरू तिर्की के रूप में की गयी है। जबकि बाइक में सवार बेड़ो निवासी मुकेश गोप घायल हो गया है। जिसे स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से एम्बुलेंस से बेड़ो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया।

वहीं बाइक चालक भीड़ को देखते हुए मौके से फरार हो गया। घटना शुक्रवार शाम करीब सात बजे की है। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने तिलकसूती चौक पर एनएच 23 को जाम कर दिया। सूचना मिलते ही इटकी पुलिस मौके पर पहुंची। कुर्गी मुखिया सह कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष रमेश महली ने अंतिम संस्कार की सारी जिम्मेवारी लेने और सरकार से उच्चित मुआवजा दिलाने के आश्वासन पर ग्रामीणों ने एक घंटे बाद सड़क जाम खत्म किया।

चुटूपालू घाटी में सड़क दुर्घटना युवक की मौत

ओरमांझी। थाना क्षेत्र के चुटूपालू घाटी में हुई एक सड़क दुर्घटना में एक 26 वर्षीय की युवक मौत हो गई। शुक्रवार की भोर 3:30 बजे हुई दुर्घटना के संबंध में बताया गया कि जिला रामगढ़ कैथा थाना क्षेत्र गोबरधरा निवासी जगन महतो के बेटा संदीप महतो सोमो विक्टा कार जेएच01टी-7810 में सवार हो कैथा से रांची जा रहा था। चुटूपालू खीराबेड़ा के पास जैसे ही पहुंचा कार का संतुलन बिगड़ गया और सड़क किनारे लगे लोहे के साइन बोर्ड के एंगल में टकरा गया। जिससे कार का अगला भाग छतिग्रस्त हो गया। वहीं संदीप गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलने पर पहुंची ओरमांझी थाना पुलिस द्वारा वाहन में फंसे घायल को निकाल कर एनएचआई की एंबुलेंस की मदद उपचार के लिए रिम्स भेजा गया। तबतक उसकी मौत हो चूकी थी।

प्राण प्रतिष्ठा की तैयारी जोरों पर, कलश यात्रा 1 मार्च को

बेड़ो। बेड़ो प्रखंड मुख्यालय स्थित महादानी मंदिर के प्रांगण में नवनिर्मित दशभुजी दुर्गा देवी की ग्यारह दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा का भव्य आयोजन आगामी 1 मार्च से किया जाएगा। प्राण प्रतिष्ठा को लेकर तैयारी जोरशोर से की जा रही है। इसको लेकर मंदिर प्रांगण से कलश यात्रा निकाली जाएगी। कलश में जल पोकलो ढोड़हा में भरा जाएगा। इस दौरान ग्यारह दिनों तक संध्या 4:30 में संध्या कालीन आरती एवं संध्या में 5 बजे से श्रीमद् देवी भागवत कथा एवं झांकी। वहीं यज्ञ के मुख्य आचार्य काशी वाराणसी के ब्रजेन्द्र कुमार मिश्रा और उनके सहयोगी आचार्य नरोत्तम पाण्डेय काशी के आचार्य मृत्युंजय मिश्रा आंचल पाठक अयोध्या के आचार्य ध्रुव मिश्रा,अमित भारद्वाज शास्त्री,गया के आचार्य भारतेंदु द्विवेदी,आचार्य सोनू पाण्डेय और कथा व्यास सद्गुरु रितेश्वर जी महाराज के कृपापात्र शिष्या देवी रश्मि किशोरी जी के साथ-साथ अयोध्या, हरिद्वार , वृंदावन और काशी से साधु-संतों का आगमन होगा। वहीं ग्यारह दिवसीय धर्मिक अनुष्ठान को सफल बनाने में महादानी दुर्गा मंदिर समिति प्रखंड व गांव के युवा, समाजसेवी,बुद्धिजीवी व ग्रामवासी सराहनीय योगदान दे रहे हैं।

स्कूली बच्चों की रचनात्मक सोच प्लास्टिक कचरे से रोजगार के अवसर

प्लास्टिक कचरे से बने सामग्री को देखते बीडीओ कामेश्वर बेदिया।

खबर मन्त्र संवाददाता

ओरमांझी। प्रखंड के एक सरकारी स्कूल के बच्चों ने प्लास्टिक के कचरे से रोजगार प्राप्त करने का सदेश दिया गया है। शुक्रवार को गवर्नमेंट अपग्रेडेड मिडिल स्कूल पहानटोली में आयोजित एक कार्यक्रम में स्कूली छात्राओं ने प्लास्टिक के कचरे से निर्मित प्रदर्षनी लगाकर आजीविका की नई दिशा देने प्रयास किया गया। प्लास्टिक कचरा बनने वाले पानी बोतल व अन्य वेस्टेज प्लास्टिक के बस्तुओं से स्कूली बच्चों द्वारा फ्लावर पॉट, गमला, हल्का स्टेन व इको-ब्रिक्स जैसे घरों में उपयोगी कई सामान से बने प्रदर्षनी लगा पर्यावरण को स्वच्छ रखने के साथ आजीविका का साधन भी विकसित करने का संदेष दिया। कार्यक्रम में पहुंचे मुख्य अतिथि बीडीओ कामेष्वर बेदिया ने भी बच्चों की रचनात्मक प्रस्तुती देख काफी प्रभावित हुए। बच्चें अपनी कलाकृतियों को और अधिक निखारें व प्रभावी बनाए इसके लिए उन्होने महत्वपूर्ण सुझाव देते हुए सरस मेला में प्रर्दशनी लगाने को कहा, छात्रों के इस रचनात्मक कार्य से प्रेरणा लेकर अन्य विद्यालय के बच्चे भी अपने विद्यालय की सुंदर व पर्यावरण संरक्षण का संदेष दे सकते हैं। वहीं विद्यालय की प्राचार्य पुष्पा लगनु ने बताया कक्षा 6वीं से 8वीं के छात्र-छात्राएं पिरामल फाउंडेशन के सहयोग से पिछले एक माह में यह कार्य किया है। अवसर व सुविधा मिले तो गांव के बच्चे भी अपनी नवीन सोंच से रचनात्मक कार्य कर सकते हैं।

बुद्धा नर्सिंग कॉलेज के चौथे स्थापना दिवस पर फ्रेशर पार्टी आयोजित

शाहिल अंसारी मिस्टर और खुशनुमा बनी मिस फ्रेशर, विद्यार्थियों ने बिखेरी कला की छटा

खबर मन्त्र संवाददाता

समारोह का उद्घाटन करते सिविल सर्जन और कॉलेज के प्रबंध निदेशक।

रातू। बिजुलिया में जैनेंद्र ग्रुप ऑफ कॉलेज की ओर से संचालित बुद्धा नर्सिंग कॉलेज ने चार साल पूरे किये। चौथे स्थापना दिवस पर फ्रेशर पार्टी आयोजित किया गया। इसकी शुरूआत सरस्वती वंदना से की गयी। समारोह का उद्घाटन सिविल सर्जन डॉ प्रभात कुमार, सीएचसी प्रभारी डॉ सुजीत कश्यप, कॉलेज के प्रबंध निदेशक जैनेंद्र कुमार तथागत, निदेशक प्रियांशु कुमार व हेल्थ प्वांट हॉस्पिटल के डॉ एम आलोक ने दीप प्रज्जवलित, सिस्टर फ्लोरेंस की चित्र और भगवान बुद्ध की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया। प्राचार्या ज्योति तिर्की की ओर से चालू सत्र के विद्यार्थियों को शपथ दिलायी गयी। वहीं, डॉ प्रभात ने कॉलेज के अनुशासन को सराहा। जबकि, श्री तथागत ने फ्लोरेंस की जीवनी पर प्रकाश डाला और उनके आदर्शों को आत्मसात करने पर जोर दिया। छात्र-छात्राओं का परिचय और रैंप वाक के बाद शाहिल अंसारी मिस्टर और खुशनुमा परवीन मिस फ्रेशर चुने गये। प्रबंधन और विद्यार्थियों की ओर से उनका स्वागत किया गया। छात्राओं ने मनमोहक कला की छटा बिखेरी। इससे परिसर गुंज उठा। संचालन सुश्री सृष्टि और कुमार सोनित ने किया।

इन्होंने निभायी भूमिका : एकेडमिक हेड आशीष कुमार, प्रबंधक हिमांशु सिंह, निकिता, हिना, पूजा, निधि, गुलशन, पुनम कुमारी, सुनिता कच्छप, जसीमा खातून, राहुल कुमार, दीपक रजक, आरपी सिंह, मुंसाद मंजर, चंदन कुमार, कुंदन कुमार, जुगनू कुमार, साकिब आलम, मोकिम अहमद, चंदा, अंशु, शलोनी, अमीषा, प्रीति, मेघा, शिखा, भारती, राखी, लक्ष्मी, मधु, अर्चना, शांति, गीता, रूचि, शुभ्रत, सपना, आर्यन, पियूष, संभव, विकास, सुजल, आयुष, स्वेत, नदीम व अमरजीत आदि।

झारखण्ड शिक्षा परियोजना, हजारीबाग

नया समाहरणालय भवन, Ground Floor (B-002), हजारीबाग – 825301

Email Id - ssa_hazaribagh@rediffmail.com

नि:शुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 (आर0टी0ई0) के अंतर्गत सत्र 2025–26 में प्रवेश कक्षा के 25 प्रतिशत सीट पर नामांकन से संबंधित सूचना

नि:शुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 की धारा 12(1)(ग) एवं विभागीय अधिसूचना संख्या–237 दिनांक–16.02.2016 के अनुपालन में गैर सरकारी सहायता प्राप्त निजी विद्यालय (अल्पसंख्यक छोड़कर) के प्रवेश कक्षा में 25 प्रतिशत सीटों पर पड़ोस के (क्रमश: 1 कि0मी0, 3 कि0मी0 एवं अंतत: 6 कि0मी0 दूरी की सीमा तक) अभिवंचित समूह (अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अत्यंत पिछड़ा वर्ग, पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक समुदाय, 40% से अधिक नि:शक्त बच्चे एवं अनाथ बच्चे) एवं कमजोर वर्ग (जिनके परिवार की सभी स्त्रोतों से वार्षिक आय रू0 72,000/– से कम हो) के बच्चों का नामांकन पूर्ण किया जाना है।

अभिभावकों की सुविधा के लिए सूचित किया जाता है कि (क) पास पड़ोस की दूरी सीमा का निवासी होने के लिए पालक/अभिभावक का आधार कार्ड, मतदाता परिचय पत्र, मनरेगा जॉब कार्ड, राशन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, बिजली बिल जिसमें उनका नाम एवं निवास का पता अंकित हो, मान्य होंगे, (ख) अभिवंचित एवं कमजोर वर्ग की मान्यता के लिए पालक/अभिभावक का जाति प्रमाण पत्र, नि:शक्त बच्चे के लिए चिकित्सा पदाधिकारी द्वारा निर्गत नि:शक्तता प्रमाण पत्र एवं आय के लिए अंचलाधिकारी द्वारा निर्गत आय प्रमाण पत्र मान्य होगा, (ग) नर्सरी/एल0के0जी0 में नामांकन हेतु उम्र सीमा न्यूनतम 3 वर्ष 6 माह से अधिक एवं 4 वर्ष 6 माह से कम तथा प्रवेश कक्षा 1 में नामांकन हेतु उम्र सीमा 5 वर्ष 6 माह से अधिक एवं 7 वर्ष से कम होगी (घ) उम्र की गणना 31 मार्च 2025 होगी। आवेदन कार्यालय के वेबसाईट **www.rtehazaribag.in** पर ऑनलाईन 20.02.2025 से 08.03.2025 तक भरा जायेगा एवं भरे गये आवेदन पत्र (सभी अनुलग्नक सहित) का प्रिंट निकालकर सभी दस्तावेज को संलग्न करते हुए झारखण्ड शिक्षा परियोजना कार्यालय, नया समाहरणालय भवन, हजारीबाग में दिनांक–12.03.2025 तक अनिवार्य रूप से जमा करेंगे।

जमा किये गये आवेदन पत्र एवं प्रमाण पत्रों का संबंधित वेबसाईट से सत्यापन के क्रम में कोई भी गलत प्रमाण पत्र संलग्न किये जाने की पूरी जवाबदेही संबंधित पालक/अभिभावक की होगी। आवेदन हेतु तालिका के कॉलम 4 में प्रवेश कक्षा/कक्षाओं का नाम अंकित है। कॉलम 05 में प्रवेश कक्षा/कक्षाओं में कुल सीटों की संख्या एवं कॉलम 06 में आर0टी0ई0 नामांकन हेतु 25 प्रतिशत सीटों की संख्या अंकित है।

SL.	BLOCK	School Name	Entry Class	Total No. of Seat	No. of seat Under RTE
1	2	3	4	5	6
1	BARKAGAON	DAV PUBLIC SCHOOL URIMARI	LKG	32	8
2	BARKATHA	DIVINE PUBLIC SCHOOL GANGPACHO	CLASS-1	80	20
3	CHAUPARAN	SUREKHA PRA.BHAI PUB.SCHOOL BAHERA	CLASS-1	80	20
4	HAZARIBAGH	DELHI PUBLIC SCHOOL, HAZARIBAGH	CLASS - 1	60	15
5	HAZARIBAGH	JACK AND JILL SCHOOL, SINGHANI	NURSERY	40	10
6	HAZARIBAGH	LORD KRISHNA SCHOOL, AMRITNAGAR	CLASS - 1	40	10
7	HAZARIBAGH	ST.PAUL'S SCHOOL	CLASS - 1	40	10
8	HAZARIBAGH	SARSWATI SISHU MANDIR KUMHAR TOLI	CLASS-1	40	10
9	HAZARIBAGH	NATIONAL PUB.SCHOOL	CLASS - 1	60	15
10	HAZARIBAGH	ST STEPHENS SCHOOL	CLASS 1	100	25
11	HAZARIBAGH	SRI RAMKRISHNA SARDA MATH & MISSION	NURSERY	48	12
12	HAZARIBAGH	MOUNT EGMONT SCHOOL	LKG	60	15
13	HAZARIBAGH	D.A.V. PUBLIC SCHOOL, HAZARIBAGH	NURSERY	60	15
14	HAZARIBAGH	NAMAN VIDYA, HAZARIBAGH	NURSERY	30	7
15	HAZARIBAGH	ROSEBUD SCHOOL, HAZARIBAGH	LKG	30	7
16	ICHAK	CAMPION BASIC ACADEMY,ICHAK	CLASS - 1	80	20
17	KATKAMDAG	ANGELS HIGH SCHOOL SIRSI	UKG	52	13
18	KATKAMDAG	DELHI PUBLIC SCHOOL, HAZARIBAGH	LKG	40	10
19	KATKAMSANDI	ST. AUGUSTINE HIGH SCHOOL, KANCHANPUR	CLASS - 1	40	10

नोट :–
1. आवेदकों की सुविधा हेतु झारखण्ड शिक्षा परियोजना कार्यालय, हजारीबाग के प्रवेश द्वार के सामने हेल्प डेस्क कार्य करेगा, जिसमें फॉर्म भरने एवं संबंधित जानकारी उपलब्ध करायी जाएगी।
2. इच्छुक अभिभावकों से अनुरोध किया जाता है कि अपने पाल्य के नामांकन हेतु उसी विद्यालय के लिए आवेदन पत्र समर्पित करेंगे, जो उनके पास पड़ोस (क्रमश: 1 कि0मी0, 3 कि0मी0, अंतत: 6 कि0मी0 दूरी सीमा तक) में अवस्थित है तथा जहां उनके पाल्य के उम्र अनुरूप प्रवेश कक्षा की सुविधा उपलब्ध है।
3. कृपया निम्नलिखित विकल्प में से प्रत्येक का कोई एक प्रमाण प्रस्तुत करेंगे :

* जन्म प्रमाण–पत्र का प्रमाण :
1. जन्म, मृत्यु एवं विवाह प्रमाण–पत्र अधिनियम के अंतर्गत जन्म प्रमाण–पत्र।

** आवास प्रमाण–पत्र का प्रमाण :
1. बच्चे का नाम वाले पिता/माता के नाम पर जारी राशन कार्ड।
2. बच्चे का या उसके माता–पिता के निवास का प्रमाण–पत्र।
3. माता–पिता/अभिभावक में से किसी एक का निवास का प्रमाण–पत्र।
4. माता–पिता/अभिभावक में से किसी एक का बिजली बिल/टेलीफोन बिल।
5. आधार कार्ड।
6. माता–पिता/अभिभावक में से किसी एक का जॉब कार्ड।

*** आय प्रमाण–पत्र का प्रमाण :
1. अंचलाधिकारी द्वारा जारी आय प्रमाण–पत्र।

**** अभिवंचित वर्ग का प्रमाण :
1. उपायुक्त/अनुमण्डलाधिकारी/अंचलाधिकारी कार्यालय द्वारा जारी जाति प्रमाण–पत्र।
2. सरकारी अस्पताल का चिकित्सा प्रमाण पत्र यदि बच्चा नि:शक्त हो।
3. अनाथ बच्चे की स्थिति में अंचलाधिकारी/मुखिया/वार्ड कमिश्नर द्वारा जारी प्रमाण–पत्र।

जिला शिक्षा अधीक्षक, हजारीबाग

PR 346956 School Education and Literacy(24-25)D

उपायुक्त,हजारीबाग

प्रदूषण पर प्रहार

राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण यानी एनजीटी द्वारा वायु व मिट्टी प्रदूषण फैलाने के लिये पानीपत थर्मल पावर स्टेशन पर 6.93 करोड़ रुपये का जुमार्ना लगाना, तमाम प्रदूषक उद्योगों के लिये सबक है। ट्रिब्यूनल की कार्रवाई कानूनों का उल्लंघन करके पर्यावरण व जन-स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने वालों के लिये संदेश है कि लक्ष्मण रेखा पार की तो बख्शे नहीं जाएंगे। पर्यावरण को क्षति पहुंचाने पर भारी मुआवजा देना होगा। दरअसल, इस थर्मल प्लांट से निकलने वाली राख आस-पास के ग्रामीणों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ कर रही है। जिससे श्वसन समेत कई तरह के रोग बढ़ रहे हैं। इतना ही नहीं सड़कों पर प्रदूषण के चलते दृश्यता कम होने से दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। वहीं दूसरी ओर एनजीटी ने थर्मल प्लांट के प्रबंधकों द्वारा पर्यावरण की क्षतिपूर्ति के लिये पेड़ों को लगाने में की गई खानापूर्ति को आड़े हाथ लिया। ट्रिब्यूनल ने कहा कि आप ने पौधे लगाने का दावा तो किया है लेकिन क्या सुनिश्चित किया है कि उन पौधों में से कितने पेड़ बन पाए। हरित न्यायाधिकरण का कहना था कि पौधरोपण से ज्यादा महत्वपूर्ण पेड़ों की उत्तरजीविता सुनिश्चित करना है। यह उपाय पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले प्रदूषकों के निवारण के आधे-अधूरे प्रयासों को ही उजागर करता है। निश्चित रूप से एनजीटी की जुमार्ना लगाने की यह कार्रवाई प्रदूषण फैलाने वाली औद्योगिक इकाइयों को अपने तौर-तरीके बदलने को बाध्य करेगी। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार ने पिछले एक दशक में तेल व गैस क्षेत्र में राजकोषीय सब्सिडी कम करने की दिशा में सार्थक पहल की है। स्वच्छ ऊर्जा से बिजली क्षमता का आधा हासिल करने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य प्राप्त करने हेतु बड़े प्रयासों की जरूरत है। तभी भारत वर्ष 2030 तक गैर जीवाश्म ईंधन स्रोतों से ऊर्जा हासिल करने के लक्ष्य को हासिल कर पाएगा।

कार्टून वर्ल्ड

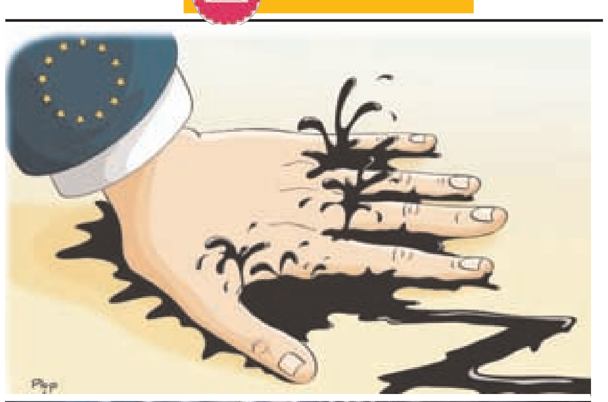

मेष : अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शुभांक-5-7-8

वृष : आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। एकाकी प्रवृति का त्याग करें। यात्रा न करें। शुभांक-4-6-7

मिथुन : शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपत्ति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-4-6-8

कर्क : नये-नये व्यापारिक अनुबंध होंगे। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। हरि करे सो खरी इसीलिए पूरे मनोयोग से कार्य करें। शुभांक-3-6-9

सिंह : कार्यक्षेत्र में खुशनुमा माहौल बनेगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अतः आलस्य का त्याग करें। शुभांक-4-6-8

कन्या : भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। धार्मिक कार्य शुभ रहेगा। शुभांक-2-4-6

तुला : योजना क्रियान्वन के लिए समय अच्छा व सकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। सफलता मिलेगी। सुनियोजित तरीके से कार्यारम्भ करें। शुभांक-3-6-7

वृश्चिक : व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते हैं। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंग। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-2-5-7

धनु : लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। धार्मिक यात्रा का योग बना है। शुभांक-2-5-7

मकर : मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। पुराने मित्र के कारण कार्य बाधा हटेगी। शुद्ध गोचर का लाभ। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-3-6-8

कुंभ : मनोरंजन के साधनों पर धन-व्यय होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंग। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-6-8-9

मीन : सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। जान-पहचान का दायरा बढ़ेगा। शुभांक-5-8-9

जनजातीय हितों व श्रद्धा पर केंद्रित हो नयी वन नीति

वनग्राम, वनों से सटे राजस्व ग्राम, जनजातीय समाज, वनों के भीतर कृषि का अधिकार, जनजातीय समाज को वनों के सीमित उपयोग की अनुमति आदि-आदि विषय मप्र में एक बड़ा सामाजिक सरोकार का प्रश्न रहे हैं। यह प्रश्न अब गहरा रहा है। मप्र सरकार कंपनी, संस्था, व्यक्ति या स्वयंसेवी संस्था को बिगड़े जंगल अनुबंध पर साठ वर्ष हेतु देने के प्रस्ताव पर विचाररत है। नई नीति में निजी क्षेत्र को विभाग के अनुसार नए पौधे लगाने होंगे। दो वर्ष में पौधे नहीं उगे तो अनुबंध समाप्ति का अधिकार शासन के पास सुरक्षित रहेगा। इन वनों का कार्बन क्रेडिट, वन विभाग के माध्यम से विक्रय करेंगे। इस नीति के अनुसार एक हजार हेक्टेयर तक के जंगल को यदि कोई निजी कंपनी विकसित करना चाहेगी तो वनों की पुनर्स्थापना का भी प्रावधान है। अनुबंधित वनों से प्राप्त वनोपज का पांचवां भाग वन समिति और शेष चार भाग वन विकास निगम और निजी कंपनी को मिलेंगे। फल वनोपज का आधा भाग निजी कंपनी को प्राप्त होगा।

मप्र में 37 लाख हेक्टेयर क्षेत्र बिगड़े वन हैं, इसे ही निजी क्षेत्र में सौंपने की तैयारी है। नई नीति के अन्तर्गत निजी निवेशकों का इन वनीय क्षेत्रों की उपज व कार्बन क्रेडिट पर प्रथम अधिकार होगा। नई नीति का नाम ह्लसीएसआर एवं कंपनी एन्वायरमेंट रिस्पांसिबिलिटी एवं अशासकीय निधियों के उपयोग से वनों की पुनर्स्थापनाह्व है। इसके अंतर्गत मप्र में निजी निवेशक न्यूनतम दस हेक्टेयर वन का चयन कर सकेंगे।

नई वन नीति में कई विसंगतियाँ हैं, जिससे वनीय विविधता की हत्या हो जाएगी। जिस प्रकार समर्थन मूल्य के कारण मप्र व अन्य प्रदेशों की कृषि विविधता समाप्त हो गई है, उसी प्रकार वन विविधता समाप्त हो जाएगी। जब वनीय विविधता समाप्त होगी तो सर्वप्रथम वनीय जैव विविधता, बड़ी तीव्रता से समाप्त होगी। वनवासियों हेतु हर वृक्ष का हर उत्सव व ऋतु में अलग-अलग आस्था का सम्बंध होता है। हजारों-लाखों प्रकार के जीव-जंतुओं का भोजन, उनकी औषधियां, उनकी रहवासी आवश्यकताएँ सभी कुछ समाप्त हो जाएंगे। जीव-जंतु तो छोड़िए जनजातीय समाज और नगरीय समाज को मिलने वाली हजारों वनीय औषधियां, जड़ी-बूटियाँ, रसायन, मौसमी उत्पाद सभी कुछ समाप्त हो जाएँगे। प्रकृति की अविरल धारा के

में वनीय, विविधता, जैव विविधता, जलीय सरंचनाओं, वनीय पशु-पक्षियों की आवश्यकताओं, वनवासी बंधुओं की आजीविका आदि विषय में सुरक्षा की

-डॉ प्रवीण

> नई वन नीति में कई विसंगतियाँ हैं, जिससे वनीय विविधता की हत्या हो जाएगी। जिस प्रकार समर्थन मूल्य के कारण मप्र व अन्य प्रदेशों की कृषि विविधता समाप्त हो गई है, उसी प्रकार वन विविधता समाप्त हो जाएगी। जब वनीय विविधता समाप्त होगी तो सर्वप्रथम वनीय जैव विविधता, बड़ी तीव्रता से समाप्त होगी। वनवासियों हेतु हर वृक्ष का हर उत्सव व ऋतु में अलग-अलग आस्था का सम्बंध होता है।

समक्ष एक बड़ा अवरोध व परिवर्तन उपस्थित होगा जिससे कई प्रकार की असंगतियाँ-विसंगतियाँ देखने को मिलेंगी। अनुबंध पर जंगल लेने वाले व्यसायी केवल लाभ से सरोकार रखेंगे। निजी वन व्यवसायी और कम्पनियाँ आदि; राष्ट्रीय, पर्यावरणीय, सामाजिक, धार्मिक विषयों के प्रति कोई सरोकार या संवेदनशीलता रखने से तो रहे। व्यावसायिक लाभ ही एकमेव लक्ष्य होगा, इससे वनोपज में असंतुलित वृद्धि तो हो सकती है किंतु पर्यावर्णीय हानि, जैव व वन विविधता की हानि व वनवासी समाज के साथ शासन व शेष समाज के सम्बंध बिगड़ सकते हैं। नई वन नीति की सम्पूर्ण समीक्षा की आवश्यकता है। या तो यह नीति रद्द हो या फिर इस नीति गारंटी हो।

नई वन नीति में जिसे बिगड़े वन कहा जा रहा है, उसकी परिभाषा भी तय नहीं है। ग्राम सभा की अनुमति की शर्त भी बड़ी ही आसान व एक औपचारिकता मात्र है। केवल मूल्यवान लकड़ी प्रदान नहीं करने वाले वनों को बिगड़ा हुआ वन मान लेना एक बड़ी प्रदूषित, शोषक, स्वार्थी व एकपक्षीय नीति है।

वनवासी बंधुओं की धार्मिक, सामाजिक, आर्थिक आवश्यकताओं एवं पर्यावरण को दृष्टिगत रखते हुए वनीय विविधता बनी रहे, यह परम आवश्यक है। इस नई वन नीति से हमारी आने वाली पीढ़ियाँ कई वन उत्पादों के केवल नाम ही सुन पाएगी। आज जिस प्रकार कृषि क्षेत्र में केवल दो चार प्रकार के अन्न का उत्पादन हो रहा है व शेष फसलों का उन्मूलन होता जा रहा है, वही स्थिति वनों में भी देखने को मिलेगी। प्रत्येक ऐसे वृक्ष को जिससे आर्थिक लाभ नहीं होता है या कम लाभ होता है, उसे कुल्हाड़ी की बलि चढ़ाकर वहाँ व्यावसायिक लाभ की दृष्टि से मूल्यवान पेड़ लगा दिए जाएँगे। लाभमात्र के मूलमंत्र से पारिस्थितिकी संतुलन व इको सिस्टम समाप्त होगा। वनों में ये कंपनियां बेतहाशा इको टूरिज्म को बढ़ावा देंगी, यह लाभप्रद तो अवश्य ही होगा किंतु इसके गंभीर साइड इफेक्टस भी हो सकते हैं। आशंका है कि वनों को लेकर अंधाधुंध दोहन की या केवल लाभ की नीति से पर्यावरण असंतुलन उत्पन्न हो सकता है।

वर्ष 2020 में मुख्यमंत्री शिवराज चौहान के समय भी इस प्रस्ताव को लाया गया था जो बाद में फाइलों में बंद हो गया। फाइलों में बंद इस जिन्न को मप्र वन विभाग के नौकरशाहों ने पुनः बाहर निकाला है। यद्यपि यह मध्यप्रदेश की डॉ. मोहन यादव सरकार की संवेदनशीलता ही है कि सरकार ने अभी एकतरफा निर्णय नहीं लिया है तथापि मुख्यमंत्री को जनजातियों के प्रति असंवेदनशील, वन नीति से सावधान रहना होगा। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में कुछ ही दिन पहले एक टास्क फोर्स की मीटिंग हुई थी, जिसमें वन अधिकार कानून के तहत ग्राम सभाओं को अपने परंपरागत वन क्षेत्र के पुनर्निर्माण, संवर्धन, संरक्षण एवं प्रबंधन के अधिकार देने का निर्णय हुआ था। संभवतः इसी को ध्यान में रखकर मुख्यमंत्री ने इस वन नीति के प्रारूप को अभी सहमति नहीं दी होगी। मप्र शासन ने नई वननीति के संदर्भ में पर जनता से सुझाव व आपत्तियाँ माँगी हैं। सभी पर्यावरणविदों को सुझाव देना चाहिए, कहीं ऐसा न हो कि शासकीय आय बढ़ाने के इस उपक्रम को वन शोषण का धत्कर्म बना दिया जाए।

वन विकास के नाम पर कहीं हमारे वन, व्यवसाइयों व दलालों की भेंट न चढ़ जाएँ। मप्र की जनता से प्राप्त होने वाले सुझावों और आपत्तियों को देखते हुए नीति में वांछनीय परिवर्तन या संपूर्णतः अस्वीकृत भी किया जा सकता है। मप्र की भाजपा सरकार की ओर से यह शुभ संकेत है और एक अवसर भी।

लेटर टू एडिटर

महज विरोध

कांग्रेस केंद्र सरकार की अंध विरोध की खतरनाक राजनीति के सहारे है। उसके क्षत्रपों की मानसिकता मात्र विरोध तक ही सीमित रह गई है। राजनीति में विरोध तार्किक आधार पर होना चाहिए। महज विरोध करने के लिए विरोध करना लोकतंत्र में सही नहीं ठहराया जा सकता। जब मोदी सरकार सत्ता में आई, तब से लेकर अब तक राहुल गांधी केवल अनावश्यक विरोध के जरिए ही राजनीति करते आए हैं। 70 साल बनाम 11 साल का आकलन भी कांग्रेस के खिलाफ ही जाता है। बीते सालों में विकास को जो गति मिली है, उससे आम आदमी काफी संतुष्ट है।

– अमृतलाल मारू, रांची

दुर्भाग्यपूर्ण घटना

चंपारण में कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा, क्षतिग्रस्त कर दी गई। इस तरह की घटनाओं का अचानक बढ़ना गांधी के देश में सभ्य समाज का प्रतीक नहीं है।

-नितेश कुमार सिन्हा, बरही

ट्वीट

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी शिक्षा व्यवस्था, पेपर लीक का सिलसिला कब तक रहेगा जारी...

यह झारखंड के लिए अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है। राज्य के लाखों छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ किया जा रहा है। जहां पहले महागठबंधन सरकार के कार्यकाल में जेएसएससी और जेपीएससी की परीक्षाओं के पेपर लीक हो रहे थे, अब मैट्रिक परीक्षा भी इसकी चपेट में आ गई है।

मैट्रिक परीक्षा का पेपर लीक होना पूरी तरह अस्वीकार्य है। सरकार से अपील है कि इस मामले को गंभीरता से लें, दोषियों की पहचान कर उन पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करें।

– सुदेश महतो आजसू

किसी भी क्षेत्र में गुणवत्ता सुधारना है तो वहां प्रतिस्पर्धा बढ़ायी जाये

अजयदीप बाधवा

टैक्स ऑडिट और कॉस्ट अकाउंटेंट्स किसी भी क्षेत्र में गुणवत्ता सुधारना है तो यह अति आवश्यक है कि वहां प्रतिस्पर्धा बढ़ाई जाए। सेवा या वस्तु प्रदान करने वाली संस्थाओं की संख्या बढ़ेगी तो वे उपभोक्ता को खुश करने के लिए अपनी सेवाओं में सुधार करेगी। हम यह भी जानते हैं कि भारत में सरकार की आय का एक बहुत बड़ा स्रोत आय कर या इनकम टैक्स है।

सरकार को आय कर से जितनी ज्यादा आय प्राप्त होगी उतना भारत सरकार आम आदमी को देने वाली स्वास्थ्य, परिवहन, सुरक्षा और जन कल्याण सेवाओं या सुविधाओं में अधिक खर्च कर पाएगी। साथ ही आय बढ़ने से सरकार आम आदमी से मिलने वाली करों की दरों में कमी भी कर पाएगी जिस से आम आदमी को राहत मिलगी।

इसी उद्देश्य से भारत के आय कर प्रावधानों में टैक्स ऑडिट या कर अंकेक्षण की व्यवस्था है। अगर किसी कर दाता की वार्षिक आय एक करोड़ या 10 करोड़ (जैसी स्थिति हो) से ज्यादा है तो उसे अपना टैक्स ऑडिट करवाना है। यह अनिवार्य है।

वर्तमान में टैक्स ऑडिट सिर्फ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स कर सकते हैं। हाल के वर्षों में यह पाया गया है कि सरकार के प्रयासों से निरन्तर आय कर दाताओं में वृद्धि हो रही है पर उस हिसाब से ऑडिटर की संख्या में वृद्धि नहीं हो रही है जिसके कारण अनेक केसों में टैक्स ऑडिट मात्र एक वार्षिक रिचुअल बन कर रह गई है। इसकी गुणवत्ता में सुधार न होने के कारण सरकार की आय में भी विशेष वृद्धि नहीं हो रही है।

आर्थिक

इसी कारण अब बेहद यह आवश्यक हो गया है कि टैक्स ऑडिटर्स की संख्या में न सिर्फ वृद्धि की जाए बल्कि अन्य प्रोफेशन, जैसे कॉस्ट एवं मैनेजमेंट अकाउंटेंट, को भी इसमें आने का अवसर दिया जाए जिस से कर और गुणवत्ता दोनों में वृद्धि हो सके। भारत में दी इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंट ऑफ इंडिया की स्थापना संसद के एक विशेष अधिनियम से हुई थी और इसके सदस्य कॉस्ट एवं मैनेजमेंट अकाउंटेंट कहलाते हैं। वे भी अपने कोर्स वही सारे आय कर के नियम पढ़ते हैं जो चार्टर्ड अकाउंटेंट्स पढ़ते हैं। पर भारत सरकार ने आय कर अधिनियम में इन्हें सिर्फ इन्वेंटरी वैल्युएशन के कार्य तक सीमित रखा है। अब जबकि भारत सरकार आय कर नियमों में अमूल चूल परिवर्तन लाना चाहती है और इसी कारण संसद के वर्तमान बजट सत्र में नए कानून की रूपरेखा सरकार ने पेश की है जिसे संसद की विशेष समिति को विचार हेतु भेजा गया है, में सरकार टैक्स ऑडिट में सुधार ला सकती है। समिति और सरकार को इस नए प्रस्तावित कानून में कॉस्ट अकाउंटेंट्स को टैक्स ऑडिट करने वाले अकाउंटेंट्स की श्रेणी में शामिल करना चाहिए; इस से न सिर्फ ऑडिट की गुणवत्ता में सुधार आएगा बल्कि सरकार की आय भी बढ़ेगी। आज जब सरकार हर क्षेत्र में प्रतिस्पर्धात्मक गुणवत्ता लाना चाहती है तो उसे टैक्स ऑडिट में ऐसा आम जन हित में लाना ही चाहिए।

(कॉस्ट अकाउंटेंट, ऑडिट विशेषज्ञ

विकसित हो भीड़ नियंत्रण का प्रभावी तंत्र, पुलिस को मिले प्रशिक्षण

रमेश सर्राफ धमोरा

देश में हम आए दिन भीड़ में भगदड़ मचने से कई लोगों के मरने की खबरें पढ़ते रहते हैं। हाल ही में महाकुंभ स्नान के दौरान प्रयागराज में भीड़ में भगदड़ के चलते 37 लोगों को जान गंवानी पड़ी थी। इस घटना के कुछ दिनों बाद नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर महाकुंभ जाने वालों की भीड़ में अचानक भगदड़ मचने से 18 लोगों की मौत हो गई थी। यह दोनों ही दुर्घटनाएं बहुत दुर्भाग्यपूर्ण व दुखद हैं।

देश में भगदड़ में मरने वालों की सूची बहुत लंबी है। सभी को पता है कि जहां बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ एकत्रित होगी वहां कभी भी भगदड़ मचने की स्थिति पैदा हो सकती है।

भगदड़ भीड़ प्रबंधन की असफलता की स्थिति में पैदा हुई मानव निर्मित आपदा है। भगदड़ प्रायः भीड़ भरे इलाको में किसी अफवाह के कारण भी पैदा हो सकती है। इसके अलावा प्राकृतिक आपदाएं एवं प्रशासनिक अव्यवस्था के कारण भी यह आपदा पैदा होती है। इसमें संपत्ति से अधिक जान की क्षति होने की संभावना रहती है। भीड़ दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों के वैश्विक डेटाबेस के मुताबिक सन 2000 के बाद से भारत में 50 से ज्यादा विनाशकारी सामूहिक समारोहों में दो हजार से ज्यादा लोगों की जान चली गई। इन दुर्घटनाओं को देखते हुए प्रभावी भीड़ प्रबंधन तंत्र विकसित करने की बहुत जरूरत महसूस की जा रही है। खासकर कुंभ जैसे बड़े आयोजनों में इसकी काफी जरूरत महसूस होती है।

भगदड़ बेहद खतरनाक और घातक स्थिति होती है। किसी भी जगह जब भीड़ उसकी क्षमता से अधिक हो जाती है और लोगों के पास निकलने का रास्ता नहीं होता है, भीड़ की वजह से लोगों को पैर रखने की जगह नहीं मिलती है, ऐसी स्थिति में किसी तरह की अफवाह या दुर्घटना होने पर भीड़ बेकाबू हो जाती है। इसे भीड़ में हलचल भी कहा जाता है। इसकी वजह से ही भगदड़ की स्थिति बनती है। इसी तरह भीड़ में हलचल का मतलब भीड़ का बेतरतीब तरीके से एक से ज्यादा दिशाओं में एक ही समय में आगे बढ़ना है। ऐसे में लोगों को चलने के लिए जगह कम होती है वो एक-दूसरे के बीच दब जाते हैं। जब लोग एक-दूसरे से बहुत नजदीक होते हैं तो ह्यफोर्सेज का ट्रांसमिशनह्व यानी बल का संचरण हो सकता है। इस फोर्स ट्रांसमिशन को आपने भी कभी न कभी तब महसूस

सामयिक

किया होगा जब आप एक बहुत भीड़भाड़ वाली किसी लाइन में खड़े हुए होंगे। जब पीछे से अचानक धक्का लगता है तो व्यक्ति खुद भी उस धक्के को अपने से आगे खड़े व्यक्ति को ट्रांसफर कर देते हैं। ऐसे में अपना संतुलन बनाए रखना और अपने पैरों पर खड़े रहना लोगों के लिए बहुत मुश्किल हो जाता है।

ये पहली बार नहीं था जब किसी धार्मिक कार्यक्रम के दौरान भगदड़ मची हो। इसके पहले भी समय-समय पर भगदड़ मचने की खबरें सामने आती रही हैं। इन घटनाओं में कई लोगों की जान भी चली गई। 27 अगस्त 2003 महाराष्ट्र के नासिक जिले में कुंभ मेले में स्नान के दौरान भगदड़ मचने से 39 लोगों की मौत हो गई थी। 25 जनवरी 2005 को महाराष्ट्र के सतारा जिले में मंधारदेवी मंदिर में भगदड़ मच गई थी। जिसमें 340 से ज्यादा श्रद्धालु कुचले गए थे। 3 अगस्त 2008 हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले में नैना देवी मंदिर में मची भगदड़ में 162 लोगों की मौत हो गई थी। 30 सितंबर 2008 राजस्थान के जोधपुर शहर में चामुंडा देवी मंदिर में मची भगदड़ में लगभग 250 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। 4 मार्च 2010 को उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में कृपालु महाराज के राम जानकी मंदिर में भगदड़ में 63 लोगों की मौत हो गई थी.। 14 जनवरी 2011 को केरल के इडुक्की जिले के पुलमेडु में सबरीमाला मंदिर में एक जीप की टक्कर से मची भगदड़ में 104 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। 8 नवंबर 2011 को हरिद्वार में गंगा नदी के किनारे हर की पौड़ी घाट पर मची भगदड़ में लगभग 20 लोगों की मौत हो गई थी। 19 नवंबर 2012 को पटना में गंगा नदी पर छठ पूजा के दौरान एक अस्थायी पुल के ढह जाने से भगदड़ मच गई थी जिसमें 20 लोगों की मौत हो गयी थी।

13 अक्टूबर 2013 मध्य प्रदेश के दतिया जिले में रतनगढ़ मंदिर के पास नवरात्रि के जश्न के दौरान भगदड़ मचने से 115 लोगों ने अपनी जान गंवाई थी। 3 अक्टूबर 2014 को दशहरे का जश्न समाप्त होने के तुरंत बाद पटना के गांधी मैदान में भगदड़ मच गई जिसमें 32 लोगों की मौत हो गई थी। 14 जुलाई 2015 को आंध्र प्रदेश के राजमुंदरी में पुष्करम उत्सव के पहले दिन गोदावरी नदी के तट पर भगदड़ मचने से 27 लोगों ने अपनी जान गंवा दी थी। 1 जनवरी 2022 को जम्मू-कश्मीर में माता वैष्णो देवी मंदिर में भगदड़ मचने से 12 लोगों की मौत हो गई थी। 31 मार्च 2023 को इंदौर शहर के एक मंदिर में रामनवमी के मौके पर एक प्राचीन बावड़ी के ऊपर बनी स्लैब के ढह जाने से 36 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी थी।

इसी तरह रेलवे स्टेशनों पर भी भगदड़ के कारण कई बड़ी दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। 28 सितंबर 2002 को लखनऊ में बसपा की रैली से वापस लौटते समय ट्रेन की छत पर चढ़ने से चार लोगों की करंट लगने से मौत हो गई थी। 13 नवंबर 2004 को नई दिल्ली स्टेशन पर छठ पूजा के दौरान बिहार जाने वाले ट्रेन का प्लेटफार्म अचानक बदलने से दूसरे प्लेटफार्म पर जाने के लिए ओवरब्रिज पर मची भगदड़ में चार यात्रियों की मौत हुई थी। 03 अक्टूबर 2007 को मुगलसराय जंक्शन पर भगदड़ मचने के कारण 14 महिलाओं की मौत हो गई थी। 10 फरवरी 2013 को इलाहाबाद में कुंभ मेला के दौरान रेलवे जंक्शन पर भगदड़ मचने से 38 लोगों की मौत हो गई थी। 29 सितंबर 2017 के दिन मुंबई के एलफिंस्टन रेलवे स्टेशन में बने फुट ओवरब्रिज पर भगदड़ मचने के कारण 22 लोगों की मौत हुई थी।

स्पीड न्यूज़

रामगढ़ कॉलेज में पब्लिक रिलेशन सेल व सिविल सोसाइटी की बैठक

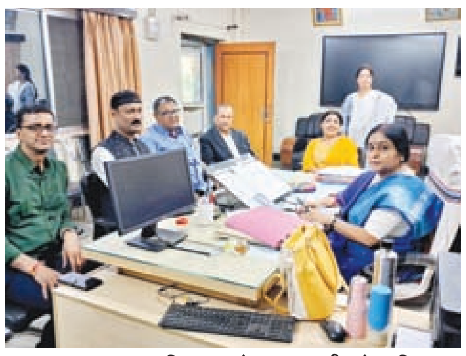

रामगढ़। रामगढ़ महाविद्यालय में 21 फरवरी को पब्लिक रिलेशन समिति और सिविल सोसाइटी की मीटिंग आयोजित हुई। इस मीटिंग में सुरेश प्रसाद अग्रवाल, अमित सिन्हा,बालकृष्ण जलान,महेश कुमार अग्रवाल, रामगढ़ कालेज की प्राचार्या डॉ. रत्ना पांडे, कोऑर्डिनेटर डॉ. कामना राय, आईक्यूएसी की कोऑर्डिनेटर विजेता तिग्गा, रामगढ़ महाविद्यालय की प्राचार्या सरिता सिंह ने भाग लिया। इस मीटिंग में कॉलेज को समाज से कैसे जोड़ा जाए और इसकी बेहतरी के लिए कार्य कैसे हो इसपर चर्चा की गई। साथ ही महाविद्यालय में बेहतर शैक्षणिक माहौल उपलब्ध कराने को लेकर भी मीटिंग में चर्चा हुई। मीटिंग में बताया गया कि महाविद्यालय में छात्र, छात्राओं की सुविधा के लिए शीघ्र ही कैंटीन आरंभ किया जाएगा। वहीं, महाविद्यालय को हरा भरा रखने के लिए यहां पार्क का विकास किये जाने की भी योजना है। इसके अलावे मीटिंग में महाविद्यालय के छात्र, छात्राओं के स्कूल डेवलपमेंट पर भी चर्चा की गई। इसके अलावे आगामी कुछ दिनो में महाविद्यालय में रक्तदान शिविर के आयोजन पर भी मीटिंग में चर्चा की गई। बताया गया कि रक्तदान शिविर में विधायक ममता देवी बतौर अतिथि शामिल होंगी।

पंचबहनी स्कूल का मना स्थापना दिवस

भुरकुंडा (रामगढ़)। डोमन महतो जय मां पंचबहनी पब्लिक स्कूल गेगदा में शुक्रवार को विद्यालय का 29वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय के सचिव डोमन महतो ने केक काटकर किया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं और छात्र-छात्राओं ने अपने-अपने विचार रखते हुए विद्यालय की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। मौके पर सचिव डोमन महतो ने कहा कि सबों का सहयोग रहा तो आने वाले दिनों में विद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में अपनी एक अलग पहचान बनायेगी। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ बच्चों का सर्वांगीण विकास ही विद्यालय का उद्देश्य है। छात्र-छात्राओं को हर क्षेत्र में अव्वल बनाने के लिए विद्यालय प्रबंधन हर सार्थक कदम उठाते रहेगा। सचिव श्री महतो ने कहा कि हमारा विद्यालय बच्चों को बेहतर शिक्षा के साथ-साथ अच्छे संस्कार भी दे रहा है। इस अवसर पर सबों के बीच केक और मिठाई का वितरण किया गया। मौके पर विद्यालय के प्राचार्य सुकरा महली, प्रशासक बिरेन्द्र प्रसाद, प्रह्लाद भट्टाचार्य, अवधेश मुंडा, दीपक मुंडा, रवि पाहन, गीता यादव, दिव्या कुमारी, लीलावती कुमारी, आरती कुमारी, कुमारी शिखा, प्रिया कुमारी, गीता कुमारी, प्रिया पंडित, रोजी परवीन सहित छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

गुलशन-ए-रजा में रक्तदान शिविर कल

भुरकुंडा (रामगढ़)। युवा ब्लड डोनर ग्रुप ऑफ भुरकुंडा के तत्वावधान में रविवार को सुबह 11 बजे से सिटी हॉस्पिटल ब्लड बैंक रामगढ़ के सौजन्य से मेन रोड भुरकुंडा स्थित मदरसा गुलशन-ए-रजा में रक्तदान शिविर लगाया जायेगा। ब्लड डोनर ग्रुप ऑफ भुरकुंडा रामगढ-झारखंड अध्यक्ष सह संस्थापक मेराज अंसारी ने बताया कि अस्पतालों में हो रही रक्त की कमी और मरीजों की परेशानी दूर करने को लेकर शिविर का आयोजन किया जा रहा है। उक्त शिविर में दर्जनों लोग रक्तदान करेंगे, ताकि इमेरजेंसी के समय जरूरतमंदों को रक्त मिल सके और इस इस कमी को पूरा किया जा सके। उन्होंने बताया कि युवा ब्लड डोनर ग्रुप ऑफ भुरकुंडा ग्रुप का निर्माण लगभग 6 वर्ष पहले जिस उद्देश्य के साथ किया गया था वह पूरा होता दिख रहा है। इस ग्रूप के माध्यम से अब तक तीन हजार से ज्यादा जरूरतमंदों को रक्तदान का सहयोग किया गया है, जो आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने रक्तदान महादान का नारा बुलंद करते हुए भुरकुंडा में 23 को लगने वाले शिविर में ज्यादा से ज्यादा लोगों को रक्तदान करने का अपील की। इस ग्रुप के सचिव भुरकुंडा बाजार निवासी सचिव किशोर कुमार ने अब तक सबसे अधिक 37 बार, मांडू निवासी जितेंद्र कुमार 34 बार, भुरकुंडा निवासी जयशंकर गुप्ता 32 बार, हुरूमगढ़ा भुरकुंडा निवासी निर्मल साहु 26 बार, सुंदरनगर भुरकुंडा निवासी सह ग्रुप के अध्यक्ष मेराज अंसारी 23 बार और भदानीनगर कोल कम्पनी निवासी बबलू अंसारी ने 20 बार रक्तदान कर लोगों की जान बचाने में अपना सामाजिक दायित्व निभाया है। वहीं इस ग्रुप के कई सदस्यों ने भी रक्तदान किया है।

हनुमान मंदिर में अखंड हरिकीर्तन शुरू

कुजू। भरेचनगर बरवाटांड़ स्थित हनुमान मंदिर का वार्षिकोत्सव को लेकर अखंड हरिकीर्तन शुरू हुआ। पश्चिम बंगाल से आए तीन कीर्तन मंडली जिसमें एक महिला मंडली कलाकारों की टीम द्वारा हरे रामा हरे रामा, रामा रामा हरे-हरे, हरे कृष्णा हरे कृष्णा कृष्णा-कृष्णा हरे-हरे के जय घोष से पूरा क्षेत्र गुंजायमान हो रहा है। कार्यक्रम आयोजन समिति के अध्यक्ष शंकर मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि शनिवार दिन के 1 बजे 24 घंटे का अखंड हरि कीर्तन समाप्त होने के साथ हीं भव्य भंडारा कार्यक्रम प्रारंभ होगा। मौके पर काफी संख्या में लोग शामिल थे।

नैना अस्पताल में गर्भवती की मौत

परिजनों ने डॉक्टरों व प्रबंधन पर लगाया लापरवाही का आरोप

खबर मन्त्र संवाददाता

हजारीबाग। शहर के नैना अस्पताल के डॉक्टरों और प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाया गया है ।बताया जा रहा है कि इसके चलते एक गर्भवती महिला की दर्दनाक मौत हो गई। पीड़ित बसंत कुमार मेहता ने सदर थाना में आवेदन देकर अस्पताल प्रबंधन और डॉक्टरों पर कार्रवाई की मांग की है। बसंत कुमार के अनुसार, 15 फरवरी को वह अपनी पत्नी रानी कुमारी को बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग ला रहे थे। रास्ते में वीणा कुमारी नामक एक महिला ने उन्हें नैना अस्पताल में इलाज कराने की सलाह दी। अस्पताल पहुंचने के एक घंटे बाद ही वहां मौजूद अयोग्य डॉक्टरों ने ऑपरेशन कर बच्ची का जन्म तो करा दिया, लेकिन जल्द ही रानी कुमारी की तबीयत बिगड़ने लगी। महिला को पेशाब और मलत्याग में दिक्कत होने लगी, जिससे उसका दर्द असहनीय हो गया। दो दिन बाद, अस्पताल ने गंभीर स्थिति का हवाला देकर रांची रेफर कर दिया। रिम्स, रांची ने भी उसे संभालने में असमर्थता जताई, जिसके बाद महिला को मेडिका अस्पताल में भर्ती कराया गया। जांच के दौरान डॉक्टरों ने पाया कि ऑपरेशन के दौरान पेशाब की नली को सिल दिया गया था, जिससे उसकी किडनी भी फेल हो गई। महिला की हालत बिगड़ती चली गई, और अंततः मेडिका अस्पताल ने भी जवाब दे दिया। जब उसे दोबारा रिम्स लाया गया, तो डॉक्टरों ने महिला को मृत घोषित कर दिया।

रानी कुमारी की मौत के बाद मायके और ससुराल पक्ष में मातम पसरा है। परिजनों को बच्ची के पालन-पोषण की चिंता सता रही है, जबकि गरीब मजदूर पति लाखों रुपए खर्च कर पहले ही आर्थिक तंगी से जूझ रहा है। पीड़ित परिवार ने दोषी डॉक्टरों और अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

पतरातू फिल्टर प्लांट में अपराधियों ने सुरक्षा कर्मियों के साथ की मारपीट

कई कीमती सामान ले गये अपराधी

खबर मन्त्र संवाददाता

रामगढ़। रामगढ़ जिला के पतरातू थाना क्षेत्र में स्थित सीसीएल वाटर प्लांट में गुरूवार देर रात 30 -35 की संख्या में अपराधियों ने धावा बोलकर लूट की घटना को अंजाम देने की कोशिश की। अपराधियों ने सुरक्षा कर्मियों को बुरी तरह घायल कर दिया। घटना के बाद सीसीएल सुरक्षाकर्मी काफी डरे हुए हैं। पतरातू थाना क्षेत्र में अब आए दिन लूट और चोरी की घटना हो रही है। इसी कड़ी में सीसीएल के फिल्टर प्लांट में गुरूवार की रात 30 से 35 की संख्या में लुटेरे लूट की घटना को अंजाम देने के लिए पहुंचे और पहले गेट में लगे ग्रिल को जबरन खोल दिया और वहां मौजूद सुरक्षाकर्मियों के साथ मारपीट किया। इसके बाद लुटेरे फिल्टर प्लांट के अंदर घुसे और कीमती सामान को काटने लगे और कई कीमती सामान को वे लोग अपने साथ उठाकर ले गए। इस दौरान कुछ सुरक्षाकर्मियों ने अपने अधिकारियों को फोन किया। इसके बाद अधिकारियों ने पतरातू पुलिस को फोन किया। कहा जा रहा है कि पुलिस घटनास्थल पर तो पहुंची लेकिन अपराधियों के जाने के बाद। घटना की जानकारी मिलने के बाद सीसीएल के अन्य सुरक्षाकर्मी घटनास्थल पर पहुंचे और घायल सुरक्षाकर्मियों को इलाज के लिए अस्पताल ले गए। देर रात हुई वारदात में पुलिस अब तक सीसीएलकर्मियों द्वारा दिए जाने वाले आवेदन का इंतजार कर रही है ताकि आवेदन मिलने के बाद कार्रवाई किया जा सके। सीसीएलकर्मियों का कहना है कि यदि पुलिस रात में ही सक्रिय हो जाती तो संभवत इस लुटेरे पकड़े जाते। सीसीएल के सिक्योरिटी इंचार्ज विक्रम सिंह ने बताया कि देर रात 30-35 की संख्या में अपराधियों ने वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट पर धावा बोला और यहां मौजूद जवानों को बुरी तरह घायल कर दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद हम लोगों द्वारा पुलिस को फोन किया गया. पुलिस के आने से पहले ही लुटेरे गैंग के लोग फरार हो गए थे. चार जवानों को काफी चोट लगी है. जिनमें दो की हालत अभी गंभीर बताई जा रही है. जिनका इलाज जारी है। पतरातू थाना प्रभारी संजय गुप्ता ने बताया कि घटना की जानकारी मिली थी। पुलिस घटनास्थल पर भी पहुंची। पर वहां कोई अपराधी नही दिखा।

बरही में पतंजलि चिकित्सालय खुला

बरही। बरही में पतंजलि चिकित्सालय और आयुर्वेद केंद्र का उद्घाटन सांसद मनीष जायसवाल, विधायक मनोज कुमार यादव, व्यवसायी संघ के अध्यक्ष कपिल केशरी, संचालक अनिल केशरी और आशीष केशरी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। पतंजलि चिकित्सालय खोलने के लिए स्वामी रामदेव और आयुर्वेदाचार्य बालकृष्ण जी ने शुभकामना दी है। सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि पतंजलि चिकित्सालय खुलने से क्षेत्रवासियों को स्वदेशी उत्पाद और आयुर्वेदिक चिकित्सा का लाभ मिलेगा। विधायक मनोज कुमार यादव ने कहा कि योग और आयुर्वेद भारतीय संस्कृति की धरोहर है। पतंजलि चिकित्सालय से लोगों को प्राकृतिक चिकित्सा का लाभ मिलेगा। यह स्वास्थ्य और आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। मौके पर जिला परिषद के उपाध्यक्ष किशुन यादव, भाजपा के जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर, व्यवसायी संघ के अध्यक्ष कपिल केशरी, भाजपा के मंडल अध्यक्ष भगवान केशरी, भुनेश्वर यादव व अन्य मौजूद थे।

बॉन सेकोर्स स्कूल के सांस्कृतिक कार्यक्रम में शामिल हुये सदर विधायक प्रदीप प्रसाद

हजारीबाग। सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने शुक्रवार को बॉन सेकोर्स स्कूल में आयोजित भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। विद्यालय परिवार ने उनका आत्मीय स्वागत किया और विशेष सम्मान प्रदान किया। इस अवसर पर विधायक ने शिक्षकों, विद्यार्थियों और विद्यालय प्रबंधन समिति का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने नृत्य, संगीत, नाट्य, भाषण और लोक संस्कृति से जुड़ी मनमोहक प्रस्तुतियां दीं, जिन्होंने उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। बच्चों की अद्भुत प्रतिभा और आत्मविश्वास देखकर विधायक ने उनकी भूरि-भूरि प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी देश का भविष्य हैं और इस प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम उनके सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विधायक ने विद्यालय परिवार को इस शानदार आयोजन के लिए बधाई दी और कहा कि शिक्षा के साथ-साथ संस्कार और आत्मविश्वास भी जरूरी हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सांस्कृतिक गतिविधियां बच्चों के मानसिक और सामाजिक विकास में सहायक होती हैं और ऐसे कार्यक्रमों से उनमें अनुशासन, टीम वर्क और आत्मनिर्भरता विकसित होती है। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य, शिक्षकगण, अभिभावक और वरिष्ठ पत्रकार मुरारी सिंह सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। सभी ने विधायक के प्रति आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी उनके सहयोग व मार्गदर्शन की अपेक्षा जताई।

रजरप्पा से लापता लड़की को लेकर दो समुदाय के बीच तनाव

रामगढ़। रामगढ़ जिले के रजरप्पा थाना क्षेत्र से लापता हुई 28 वर्षीय लड़की को लेकर दो संप्रदायों में बढ़ा तनाव। एक तरफ जहां लड़की के घर वाले और समाज के लोग उतावले हो रहे हैं, वहीं दूसरे समुदाय के लड़के के परिवार वाले भी दहशत में हैं। यह मुद्दा तब और ज्यादा चर्चित हुआ जब शुक्रवार को गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी ने इस मामले पर टिप्पणी कर दी। उन्होंने पुलिस को 72 घंटे का अल्टीमेटम दिया है। साथ ही यह भी कहा है कि लड़की वापस नहीं आ रही है जिसे लेकर समाज में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। अगर किसी भी तरह का विवाद होता है तो उसकी जिम्मेदारी पुलिस प्रशासन की होगी। रजरप्पा थाना क्षेत्र के चितरपुर की एक लड़की खुशबू (काल्पनिक नाम) मुस्लिम समुदाय के एक लड़के मो गालिब उर्फ राजा पिता मुख्तार खान के साथ चली गई थी। खुशबू के परिजनों ने इस मामले में नौ फरवरी को ही लड़की के लापता होने की सूचना थाने में दर्ज कराई। पुलिस ने जब छानबीन की तो पता चला कि यह मामला गुमशुदगी का नहीं, बल्कि प्रेम प्रसंग का है। रजरप्पा थाना प्रभारी नवीन प्रकाश पांडे ने इस मामले की सूचना लड़की के परिजनों को दी। साथ ही फोन पर बात भी कराई। पुलिस ने बताया कि लड़की अपने परिवार वालों के साथ संपर्क में है। सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने 23 फरवरी तक लड़की को सुपूर्द करने का अल्टीमेटम पुलिस को दिया है। उन्होंने कहा कि लड़की को लाए नहीं तो माहौल बिगड़ा तो इसकी जिम्मेवार सरकार और यहां की पुलिस प्रशासन होगी।

सीसीएल प्रबंधन व संघर्ष समिति के बीच हुई वार्ता

▸▸ समिति के 12 सूत्री मांगों पर हुई चर्चा, प्रबंधन ने सभी मांगों को पूरा करने का दिया आश्वासन

भुरकुंडा (रामगढ़)। महाप्रबंधक कार्यालय बरका-सयाल में शुक्रवार को सीसीएल प्रबंधन एवं विस्थापित प्रभावित संघर्ष समिति के बीच द्विपक्षीय वार्ता हुई। बैठक में बरका-सयाल महाप्रबंधक अजय कुमार सिंह, भुरकुंडा परियोजना पदाधिकारी राकेश कुमार सत्यार्थी, प्रबंधक अविनाश चंद्रा तथा समिति की ओर से गिरधारी गोप, रामदास बेदिया, कार्तिक मुंडा, संतोष यादव, प्रेम कुमार साहू, मनोज मांझी, जयदेव सिंह, राजदेव मुंडा, गणेश बेदिया, राजन तुरी, ताराचंद करमाली, धनेश्वर मुंडा, शिवलाल बेदिया, दिनेश बेदिया, रघुनाथ सिंह, कालेश्वर बेदिया, इंद्रदेव मुंडा, शिवचरण बेदिया मुख्य रूप से उपस्थित थे। बैठक में सीसीएल प्रबंधन ने समिति द्वारा सौंपे गए 12 सूत्री मांगों पर विस्तार पूर्वक चर्चा की। साथ ही प्रबंधन ने समिति को आश्वास्त किया कि समस्या के समाधान हेतु साकारात्मक कदम उठाया जाएगा। इस दौरान प्रबंधन ने एक सप्ताह में समिति को लिखित मिनिट्स भी उपलब्ध कराने की बात कही। जिस पर समिति ने लिखित मिनिट्स का अध्यन एवं समीक्षा करने के बाद अगली कदम उठाने की बात कही। बैठक में महाप्रबंधक ने खास तौर पर वैकल्पिक रोजगार, रोड सेल, सीएसआर, पेयजल, चिकित्सा, सौर ऊर्जा कार्यों को प्राथमिकता देने का निर्देश अपने अधीनस्त अधिकारियों और कर्मचारियों को दी। साथ ही 15 दिनों के अंदर पुनः प्रबंधन और समिति के सदस्यों के बीच वार्ता करने की बात कही।

प्रबंधन ने भुरकुंडा कोलियरी से प्रभावित कुरसे, देवरिया, बलकुदरा, दुंदुवा सहित अगल-बगल के दर्जनों गांवों में युद्ध स्तर पर सीएसआर कार्यों को धरातल पर उतरने की भी बात कही। विस्थापित प्रभावित संघर्ष समिति की 12 सूत्री मांगों में भुरकुंडा कोलियरी अंतर्गत बलकुदरा खुली खदान से उत्पादित कोयला का 75 प्रतिशत आवंटन रोड सेल में देने, रोड सेल चालू कर विस्थामित-प्रभावित गांव के रैयतों/ग्रामीणो और स्थानीय बेरोजगारों को वैकल्पिक रोजगार देने, बलकुदरा खुली खदान में प्रबंधन द्वारा दिये गये आश्वासन के आलोक में पीएसएमई कम्पनी में विस्थापित-प्रभावित संघर्ष समिति द्वारा सौंपे गये सूची के अनुसार बीस लोगों को अविलंब रोजगार देने, भुरकुंडा कोलियरी अन्तर्गत खाली भूमि/अनुपयोगी भूमि को प्राथमिकता के आधार पर स्वरोजगार/वैकल्पिक रोजगार के साधान हेतु विस्थापित प्रभावित गाव (देवरिया, कुरसे, दुंदुवा, बलकुदरा के रैयतों को आवंटित करने, भुरकुंडा कोलियरी रोड सेल में पेलोडर लोडिंग की जगह मैनुअल लोडिंग की व्यवस्था करने, भुरकुंडा कोलियरी से विस्थापित-प्रभावित गांव में सीसीएल प्रबंधन द्वारा निःशुल्क पेयजल एवं विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने, भुरकुंडा आर्दश क्षेत्रीय अस्पताल में निःशुल्क समुचित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की।

एक नजर में

गरीबों को मिला साड़ी, धोती और लुंगी

टाटीझरिया। झारखंड सरकार की महत्वाकांक्षी सोना सोबरन योजना के तहत झरपो पंचायत में गरीब और जरूरतमंद लाभुकों के बीच मात्र 10 रुपए में साड़ी, धोती और लुंगी का वितरण किया गया। वितरण कार्य जन वितरण प्रणाली दुकानदार विजय प्रकाश मेहता और झमन राम के माध्यम से किया गया। कार्यक्रम में पंचायत मुखिया एवं 20 सूत्री प्रखंड अध्यक्ष शिबू प्रसाद सोनी, टाटीझरिया उपप्रमुख रवि वर्णवाल ने लाभुकों को वस्त्र वितरित किए। इस दौरान उन्होंने सरकार की इस योजना की सराहना करते हुए कहा कि यह गरीबों के लिए बहुत लाभदायक सिद्ध हो रही है। इस मौके पर लाभार्थियों में ईश्वर महतो, सहदेव महतो, पिंकी, सावित्री, गोविंद सोनी, कौशल्या देवी, शिव शंकर प्रसाद, खगिया देवी, शांति, मुनिया देवी, बिमला देवी, सेवा महतो, मो. सीता देवी, कर्मी देवी, कोलेश्वरी देवी, सुमा देवी, भोला साव, राजू सोनी, सबूता देवी, मंजू देवी सहित कई अन्य लोग उपस्थित रहे। सरकार की इस योजना के तहत गरीब परिवारों को बेहद कम कीमत में वस्त्र उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे उन्हें आर्थिक राहत मिल रही है।

विष्णुगढ़ के रमुवा में पेवर पथ का उद्घाटन

विष्णुगढ़। पंचायत बेड़ा हरियारा के ग्राम रमुवा में सांसद निधि से निर्मित पेवर ब्लॉक पथ का उद्घाटन शुक्रवार को विधिवत रूप से किया गया। यह पथ छोटन साव के घर से कोमल साव के जमीन तक बनाया गया है, जिससे ग्रामीणों को अब आवागमन में सुविधा होगी। उद्घाटन समारोह में मुख्य रूप से मंडल अध्यक्ष किशोर कुमार मंडल, प्रभु प्रसाद विश्वकर्मा, शंभू नाथ पांडेय, अंजू देवी, गायत्री देवी, सुनील अकेला, अनूप कसेरा, राजू श्रीवास्तव, गौतम भारती, शशि लहकर, अनुभव भारती, सुखदेव प्रसाद मंडल, राजेश सोनी, कन्हैया यादव, झल्लू पंडित, गोवर्धन महतो, द्वारका साव, संतोष साव, भीमा प्रसाद गुप्ता, सुरेश बर्मन, रतनलाल साहू, संतोष कसेरा, अरविंद लहकर, प्रवीण कुमार महतो, कुंदन कुमार वर्मा, संदीप लहकर और मुन्ना सिंह सहित बड़ी संख्या में स्थानीय कार्यकर्ता एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। इस पेवर ब्लॉक पथ के निर्माण से ग्रामीणों को अब बारिश के दिनों में भी सुरक्षित और आरामदायक यात्रा का लाभ मिलेगा। स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना की और सांसद निधि से हुए इस विकास कार्य के लिए आभार व्यक्त किया।

हजारीबाग जिला स्कूल में जल रिचार्ज का लोकार्पण

हजारीबाग। जिला स्कूल हजारीबाग में शुक्रवार को पेंटेड वर्षा जल रिचार्ज प्रणाली का भव्य लोकार्पण किया गया। यह प्रणाली जल गुरु महेंद्र मोदी (पूर्व डीजीपी, उत्तर प्रदेश और जिला स्कूल के पूर्व छात्र) द्वारा आविष्कृत की गई है। कार्यक्रम में उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल के आयुक्त पवन कुमार ने बतौर मुख्य अतिथि स्मारक पट्टिका का अनावरण कर इस जल संरक्षण पहल की शुरूआत की। विद्यालय के छात्रों ने एनसीसी परेड और उत्साहजनक स्वागत के साथ मुख्य अतिथि एवं जल गुरु महेंद्र मोदी का अभिनंदन किया। इसके बाद आयोजित संगोष्ठी में आयुक्त पवन कुमार ने जल संरक्षण के महत्व और वर्षा जल रिचार्ज प्रणाली के लाभों पर प्रकाश डाला। जल गुरु महेंद्र मोदी ने जल संकट की गंभीरता पर चर्चा करते हुए कहा कि पूरे विश्व में जल की बबार्दी हो रही है, और यदि समय रहते इसे नहीं रोका गया, तो भविष्य में पानी की भारी समस्या उत्पन्न हो सकती है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि अपने घरों और अन्य आवश्यक स्थानों पर वर्षा जल संचयन प्रणाली अपनाएं ताकि आने वाली पीढ़ियों को जल संकट का सामना न करना पड़े। कार्यक्रम के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी, वर्तमान एवं पूर्व प्रधानाचार्य, शिक्षकगण और पूर्व छात्र भी उपस्थित रहे। सभी ने जल संरक्षण अभियान को आगे बढ़ाने और समाज में जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया।

रांची रोड में चला अतिक्रमण हटाओ अभियान

कुजू। रांची रोड रेलवे ओवरब्रिज से लेकर नईसराय की ओर जिला प्रशासन द्वारा शुक्रवार को अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। इस दौरान जिला प्रशासन की ओर से रामगढ़ नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी मनीष कुमार, रामगढ़ अंचल के अंचलाधिकारी सुदीप कुमार एक्का के निर्देशन में 11 बजे जैसे हीं उक्त अधिकारी अपने अभियान टीम, जेसीबी मशीन, नगर परिषद के ट्रैक्टर आदि लेकर रांची रोड पहुंचे, सड़क के दोनों ओर स्थित झुग्गी-झोपड़ियों, गुमटियों व सब्जी बेच रहे लोगों में अफरातफरी मच गई। सभी लोग अपने-अपने सामान को समेटने, खोलने व उतारने लगे। अधिकारियों के निर्देश पर अतिक्रमित भूमि पर स्थित दुकानों को जेसीबी तथा परिषद कर्मियों द्वारा हटाया गया। अभियान के दौरान एक वाहन पर लगे चोंगे के माध्यम से सड़क के किनारे स्थित दुकानदारों को अपने सामान को स्वयं हटा लेने अन्यथा कार्रवाई के दौरान उसे जब्त कर लेने की चेतावनी दी जा रही थी। अभियान में नगर परिषद व रामगढ़ अंचल राजस्व कर्मचारी, अमीन व पुलिस बल के जवान शामिल थे।

भारत की कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) क्षेत्र की सफलता: किफायती नवाचार के साथ भविष्य को सशक्त बनाना

भारत कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) में एक परिवर्तनकारी क्रांति देख रहा है, और इस बदलाव के केंद्र में प्रधानमंत्री श्री नरेन्?द्र मोदी का दूरदर्शी नेतृत्व है। भारत के इतिहास में पहली बार, सरकार प्रत्यक्ष रूप से एक एआई क्षेत्र को बढ़ावा दे रही है, जहां कंप्यूटिंग पावर, ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट्स (जीपीयू) और शोध के अवसर किफायती कीमत पर उपलब्ध हैं।

मोदी सरकार ने सुनिश्चित किया है कि एआई सिर्फ. कुछ खास लोगों के लिए न हो और इस पर बड़ी तकनीकी कंपनियों और वैश्विक दिग्गजों का वर्चस्व न हो। विशेष नीतियों के जरिए, मोदी सरकार छात्रों, स्टार्टअप और इनोवेटर्स को विश्व स्तरीय एआई क्षेत्र तक पहुंचने में सक्षम बना रही है, जिससे वास्तव में समान अवसर मिल रहे हैं। चाहे वह इंडिया एआई मिशन हो या एआई के लिए उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करना। मोदी सरकार की ये सभी पहल देश के एआई क्षेत्र को बेहतर बनाने का इरादा रखती हैं।

आइए एक नजर डालते हैं कि मोदी सरकार भारत को वैश्विक एआई दिग्गज बनाने के लिए क्या कर रही है:

इंडियाएआई मिशनः एआई को सुलभ बनाने में अग्रणी भूमिका

भारत के एआई क्षेत्र को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, मोदी सरकार ने 2024 में 10,300 करोड़ रुपए के आवंटन के साथ इंडिया एआई मिशन को मंजूरी दी।

अगले पांच वर्षों में यह निर्धारित निधि इंडिया एआई मिशन के विभिन्न घटकों को गति प्रदान करने के लिए तैयार है।

एक उच्च-स्तरीय सामान्य कंप्यूटिंग सुविधा द्वारा समर्थित, इंडिया एआई मिशन अब भारतीय भाषाओं का उपयोग करके भारतीय संदर्भ के लिए स्वदेशी एआई कार्यक्रमों को लोकप्रिय बनाने करने के करीब है।

एआई मॉडल की शुरूआत लगभग 10000 जीपीयू की कम्प्यूटेशन सुविधा से हो रही है। इसमें जल्द ही शेष 8693 जीपीयू जोड़े जाएंगे।

जीपीयू आधारभूत ढांचा और खुला जीपीयू बाजार

इंडिया एआई मिशन के लॉन्च होने की 10 माह की अवधि में, नोडल मंत्रालय जबर्दस्?त प्रतिक्रिया प्राप्त करने और लगभग 18,693 ग्राफिक प्रोसेसिंग यूनिट, जीपीयू की एक उच्च- स्तरीय और मजबूत सामान्य कंप्यूटिंग सुविधा बनाने में सक्षम रहा है।

यह ओपन सोर्स मॉडल डीपसीक की तुलना में लगभग नौ गुना और चैटजीपीटी की तुलना में लगभग दो तिहाई है।

मोदी सरकार ने उल्लेखनीय रूप से, भारत के जीपीयू बाजार को खोलने की शानदार पहल की है और यह भारत में जीपीयू बाजार खोलने वाली पहली सरकार है, जिससे छोटे स्टार्टअप, शोधकर्ता और छात्र उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग संसाधनों तक पहुंच प्राप्त कर सकते हैं। जबकि प्रमुख देशों में एआई बाजार पर अक्सर बड़े उद्योग दिग्?गजों का दबदबा होता है।

मोदी सरकार अगले कुछ दिनों में देश में संस्थाओं को एआई विकास के लिए 18,000 उच्च-स्तरीय जीपीयू-आधारित कंप्यूट सुविधाएं उपलब्ध कराएगी और

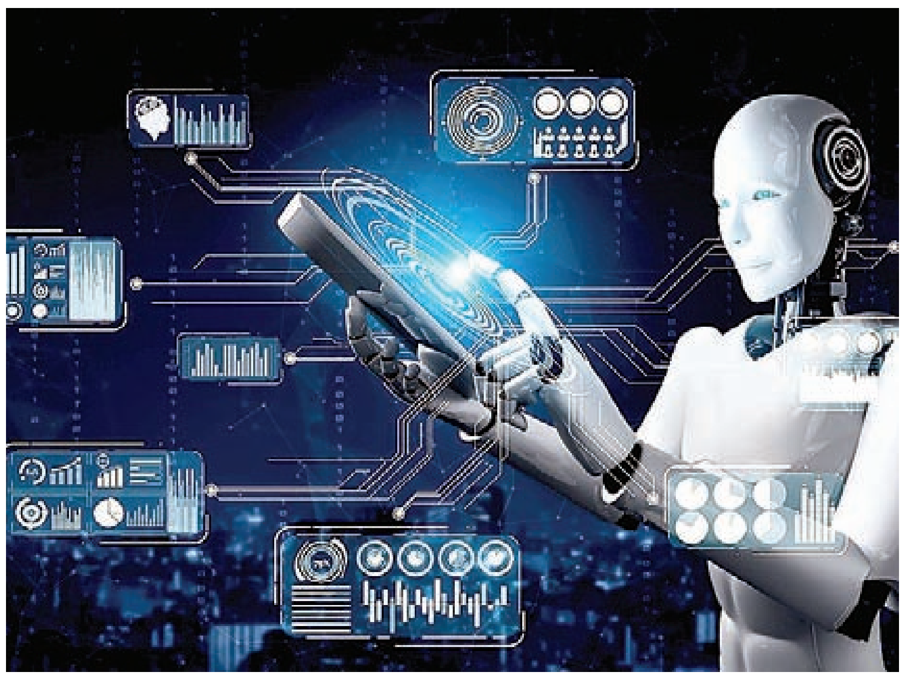

उनमें से 10,000 पहले से ही उपलब्ध हैं। सरकार ने 10 कंपनियों का भी चयन किया है जो 18,693 जीपीयू की आपूर्ति करेंगी।

इसके अतिरिक्त, भारत अगले तीन से पांच वर्षों में अपना स्वयं का जीपीयू विकसित करेगा और अगले 10 महीनों में एक घरेलू आधारभूत एआई प्लेटफॉर्म की उम्मीद की जा सकती है।

सरकार जल्द ही एक सामान्य कंप्यूट सुविधा शुरू करेगी जहां स्टार्टअप और शोधकर्ता कंप्यूटिंग शक्ति तक पहुंच सकते हैं।

जबकि वैश्विक जीपीयू एक्सेस की लागत लगभग ढाई से तीन डॉलर प्रति घंटा है, मोदी सरकार इसे केवल एक डॉलर प्रति घंटा पर प्रदान करेगी।

शोधकर्ता, स्टार्टअप, शिक्षाविद, कॉलेज, आईआईटी, सभी को इस कंप्यूटिंग शक्ति तक पहुंच मिल सकती है, और वे आधारभूत मॉडल शुरू कर सकते हैं। इंडिया एआई डेटासेट प्लेटफॉर्मः ओपन डेटा के साथ एआई नवाचार को सक्षम बनाना

डेटा वह शक्ति है जो एआई शोध और नवाचार को आगे बढ़ाता है, और समृद्ध, विविध और प्रचुर डेटासेट के बिना, सबसे कुशल डेटा वैज्ञानिक और डेवलपर्स भी अवरोधों का सामना करते हैं। इसे पहचानते हुए, मोदी सरकार बड़े शोध समुदाय के लिए ओपन डेटासेट को सुलभ बनाने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही है।

इंडिया एआई डेटासेट प्लेटफॉर्म के माध्यम से सरकार का लक्ष्य उच्च-गुणवत्ता वाले, गैर-व्यक्तिगत डेटासेट तक पहुंच को सुव्यवस्थित करना और एक एकीकृत डेटा प्लेटफॉर्म बनाना है।

यह भारतीय स्टार्टअप और शोधकताओं के लिए सहज पहुंच को सक्षम बनाता है, जिससे एआई-संचालित नवाचार में तेजी आती है। इस एआई डेटासेट प्लेटफॉर्म में अज्ञात डेटा का सबसे बड़ा संग्रह होगा जो नवाचार को बढ़ावा देगा और एआई अनुप्रयोगों की क्षमताओं को बढ़ाएगा।

एआई उत्कृष्टता केंद्रों की स्थापना वर्ष 2023 में मोदी सरकार ने नई दिल्ली में हेल्थकेयर, कृषि और बेहतर शहरी नियोजन एवं प्रबंधन- युक्त शहरों पर केंद्रित तीन एआई उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) की स्थापना की घोषणा की। बजट 2025 में 500 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ शिक्षा के क्षेत्र में एआई के लिए एक नया उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने की घोषणा की गई।

शिक्षा में एआई के लिए घोषित उत्कृष्टता केंद्र चौथा ऐसा केंद्र है।

सरकार ने कौशल विकास के लिए 5 राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्रों की योजना की भी जानकारी दी, जो युवाओं को उद्योग- संबंधित विशेषज्ञता से दक्ष करने के लिए डिजाइन किए गए हैं।

मेक फॉर इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए वैश्विक भागीदारी के साथ इन केंद्रों की स्थापना की जाएगी।

भारत के आधारभूत वृहद भाषा मॉडल

भारत न केवल एक मजबूत एआई क्षेत्र विकसित कर रहा है, बल्कि आधारभूत एआई मॉडल बनाने में पहले ही महत्वपूर्ण प्रगति कर चुका है। सरकार ने सुनिश्चित किया है कि भारत की एआई उन्नति स्वदेशी हो। इंडियाएआई ने प्रस्तावों के लिए कॉल के माध्यम से एलएलएम और एसएलएम सहित स्वदेशी आधारभूत एआई मॉडल विकसित करने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल शुरू की है।

डिजिटल इंडिया भाषिणी उसकी उल्लेखनीय उपलब्धि है, जो भारत का एआई-आधारित भाषा अनुवाद प्लेटफॉर्म है, जिसका उद्देश्य भारतीय भाषाओं में इंटरनेट और डिजिटल सेवाओं तक आसान पहुंच को सक्षम करना है, जिसमें आवाज-आधारित पहुंच शामिल है, और भारतीय भाषाओं में कंटेंट के सृजन में मदद करना है।

कैमरे की नजर में

फोटो न्यूज- समीर

राज्य के स्कूलों में मध्यान्ह भोजन योजना का लाभ आज एक बड़े तबके को मिल रहा है। बच्चों को पौष्टिक और स्वादिष्ट भोजन हर दिन दिया जा रहा है। इस योजना के कारण सरकारी स्कूलों में आने वाले बच्चों की संख्या में भी सराहनीय वृद्धि हुई है।

भारत जेन दुनिया की पहली सरकारी वित्तपोषित मल्टीमॉडल एलएलएम पहल

एन किशोर

भारतजेन, एक जनरेटिव एआई है, जिसे भारत में वर्ष 2024 में दिल्ली में लॉन्च किया गया था। इस पहल का उद्देश्य भाषा, भाषण और कंप्यूटर विजन आधारभूत मॉडलों का एक समूह विकसित करके सार्वजनिक सेवा वितरण में क्रांति लाना और नागरिक जुड़ाव को बढ़ावा देना है। भारतजेन में देश के प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों के शीर्ष एआई शोधकताओं का एक संघ शामिल है।

सर्वम-1 एआई मॉडल, यह अभिनव बृहद भाषा मॉडल भारतीय भाषाओं के लिए विशेष रूप से अनुकूलित है, जो एं परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण अंतर से संबद्ध है।

सर्वम-1, 2 बिलियन मापदंडों का दावा करता है, दस प्रमुख भारतीय भाषाओं का समर्थन करता है, जो भाषा अनुवाद, पाठ सारांश और सामग्री निर्माण जैसे विभिन्न अनुप्रयोगों में क्रांति लाने की अपनी क्षमता को प्रदर्शित करता है।

चित्रलेखा एआई4भारत द्वारा विकसित एक ओपन-सोर्स वीडियो ट्रांसक्रिएशन प्लेटफॉर्म है। उन्नत एआई मॉडल का लाभ उठाते हुए, चित्रलेखा उपयोगकताओं को विभिन्न भारतीय भाषाओं में आसानी से ऑडियो ट्रांसक्रिप्ट बनाने और संपादित करने की शक्ति प्रदान करता है।

प्लेटफॉर्म की ओपन-सोर्स प्रकृति सामुदायिक योगदान को प्रोत्साहित करती है और एआई-संचालित वीडियो प्रोसेसिंग में नवाचार को बढ़ावा देती है।

एसएमएल के हनुमान ने एवरेस्ट 1.0 का अनावरण किया है, जो हिंदी, बंगाली, तमिल और तेलुगु सहित विभिन्न भारतीय भाषाओं को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया एक बहुमुखी बहुभाषी एआई प्रणाली है। यह प्रणाली वर्तमान में 35 भाषाओं का समर्थन करता है और जल्द ही यह भाषा क्षमताओं को 90 तक बढ़ाने के लिए तैयार है।

भारत वैश्विक एआई प्रतिभा और कुशलता में अग्रणी

मेट्रो शहरों से परे एआई प्रतिभा संभावनाएं और एआई शिक्षा

इंडियाएआई फ्यूचर स्किल्स पहल के अंतर्गत एआई पाठ्यक्रमों को स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी कार्यक्रमों में विस्तारित किया जाएगा।

इसके अतिरिक्त, शीर्ष 50 एन.आई.आर.एफ- रैंक वाले शोध संस्थानों में एआई पर शोध करने वाले पूर्णकालिक पीएचडी विद्वानों को फेलोशिप प्रदान की जा रही है।

एआई शिक्षा तक समावेशी पहुंच सुनिश्चित करने के लिए, सरकार श्रेणी 2 और श्रेणी 3 शहरों में डेटा और एआई लैब स्थापित कर रही है।

ये लैब व्यापक जनसांख्यिकी के लिए मूलभूत एआई पाठ्यक्रम प्रदान करेंगे। दिल्ली में राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईईएलआईटी) में एक मॉडल इंडियाएआई डेटा लैब पहले ही स्थापित की जा चुका है।

भारत वैश्विक एआई कौशल पैठ में पहले स्थान पर स्टैनफोर्ड एआई इंडेक्स 2024 के अनुसार, भारत एआई कौशल पैठ में वैश्विक स्तर पर सबसे आगे है। भारत 2.8 के स्कोर के साथ एआई कौशल पैठ में विश्व स्तर पर पहले स्थान पर है, जो अमेरिका (2.2) और जर्मनी (1.9) से आगे है।

भारत ने 2016 से एआई प्रतिभा संकेन्द्रण में उल्लेखनीय 263 प्रतिशत की वृद्धि देखी है, जिसने खुद को एआई में एक प्रमुख वैश्विक खिलाड़ी के रूप में स्थापित किया है।

भारत महिलाओं के लिए एआई कौशल पैठ में भी 1.7 की प्रवेश दर के साथ अग्रणी है, इसके बाद अमेरिका (1.2) और इजराइल (0.9) का स्थान है। यह उपलब्धि एआई कौशल विकास में लैंगिक असमानता को पाटने के लिए भारत के जारी प्रयासों को दशार्ती है।

एआई नवाचार में बढ़ती उपस्थिति

जब नवाचार और तकनीक की बात आती है, तो भारतीय युवा सर्वश्रेष्ठ में से एक हैं।

भारत वैश्विक स्तर पर सबसे तेजी से बढ़ने वाली डेवलपर आबादी के रूप में उभरा है, जो गिटहब पर पब?लिक जनरेटिव एआई प्रोजेक्ट्स में दूसरे स्थान पर है। भारत खुद को एआई के लिए एक नवाचार केन्?द्र के रूप में स्थापित कर रहा है, जिसमें दुनिया की 16 प्रतिशत एआई प्रतिभाएं हैं और एआई कौशल को तेजी से अपनाया जा रहा है।

भारत शीर्ष 5 सबसे तेजी से बढ़ते एआई प्रतिभा केन्?द्रों में से एक

व्हीबॉक्स द्वारा इंडिया स्किल्स रिपोर्ट 2024 का अनुमान है कि भारत का एआई उद्योग 2025 तक 45 प्रतिशत सीएजीआर के साथ 28.8 बिलियन अमरीकी डॉलर तक पहुंच जाएगा।

एआई-कुशल कार्यबल में 2016 से 2023 तक 14 गुना वृद्धि

इसके अतिरिक्त, भारत में एआई-कुशल कार्यबल में 2016 से 2023 तक 14 गुना वृद्धि देखी गई है। सिंगापुर, फि नलैंड, आयरलैंड और कनाडा के साथ भारत शीर्ष पांच सबसे तेजी से बढ़ते एआई टैलेंट हब में से एक है। भारत में एआई पेशेवरों की अनुमानित मांग 2026 तक लगभग 1 मिलियन तक पहुंचने का अनुमान है।

भारत का जेन एआई क्षेत्र वैश्विक मंदी के बीच उल्लेखनीय रूप से विकसित हुआ।

नेशनल एसोसिएशन ऑफ सॉफ्वेयर एंड सर्विस कंपनीज (नैसकॉम) की नवंबर 2024 में जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक मंदी के बीच भारत का जनरेटिव एआई क्षेत्र उल्लेखनीय रूप से विकसित हुआ है।

इसने कहा कि भारतीय जेन एआई स्टार्टअप फंडिंग, वित्?त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में लगभग 51 मिलियन यूएस डॉलर थी, जिसमें बी2बी और एजेंटिक एआई स्टार्टअप्स के नेतृत्व में तिमाही-दर-तिमाही 6 गुना से अधिक वृद्धि देखी गई। प्रायोगिक उपयोग के मामलों से लेकर स्केलेबल, उत्पादन-तैयार समाधानों तक भारतीय जेन एआई क्षेत्र का विकास इसकी बढ़ती परिपक्वता में परिलक्षित होता है।

भारत एआई अपनाने में अग्रणी

बीसीजी द्वारा संकलित एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, भारत एआई अपनाने में अग्रणी है, जिसमें 80 प्रतिशत कंपनियां एआई को मुख्य रणनीतिक प्राथमिकता के रूप में पहचानती हैं, जो वैश्विक औसत 75 प्रतिशत से अधिक है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि 69 प्रतिशत भारतीय कंपनियां 2025 में अपने तकनीकी निवेश को बढ़ाने की योजना बना रही हैं, इनमें से एक तिहाई कंपनियां एआई पहलों के लिए 25 मिलियन यूएस डॉलर से अधिक आवंटित करने वाली हैं। यह एक व्यापक डिजिटल परिवर्तन एजेंडे की दिशा में देश के अभियान को दशार्ता है।

रैंडस्टैड एआई और इक्विटी रिपोर्ट 2024 के अनुसार, एआई ने भारत में कार्यस्थलों में तेजी से पैठ बनाई है, 2024 में 10 में से सात कर्मचारी कार्यस्थल पर किसी न किसी रूप में एआई का उपयोग कर रहे हैं, जबकि एक साल पहले यह संख्या 10 में से 5 थी।

भारतीय एआई क्षेत्र का निरंतर उदय

स्वायत्त एजेंटों जैसी एआई-संचालित तकनीकों का लाभ उठाकर, छोटे और मध्यम आकार के व्यवसाय (एसएमबी), व्यक्तिगत ग्राहक अनुभव प्रदान करने और बैक-ऑफि स संचालन को अनुकूलित करने के कुशल तरीके खोज रहे हैं। ह्यसेल्सफोर्सह्ल की एक रिपोर्ट के अनुसार, एआई का उपयोग करने वाले भारत में 78 प्रतिशत छोटे और एसएमबी में आय वृद्धि हुई है। सर्वेक्षण में शामिल 93 प्रतिशत भारतीय एसएमबी ने कहा कि एआई ने आय बढ़ाने में मदद की है।

भारत में एआई बाजार की वृद्धि

भारत का एआई बाजार तेजी से बढ़ रहा है, जैसा कि बीसीजी-नैसकॉम रिपोर्ट 2024 द्वारा उजागर किया गया है। एआई बाजार 25-35 प्रतिशत की सीएजीआर से बढ़ेगा, जो नवाचार और रोजगार सृजन क्षमता पर भी जोर देगा।

एआई नियमित कार्यों को स्वचालित करता है। साथ ही यह डेटा विज्ञान, मशीन लर्निंग और एआई-संचालित अनुप्रयोगों में नए रोजगार के अवसर पैदा करता है।

एक्सिलरेटर का बढ़ता नेटवर्क

भारत में इस समय 520+ टेक इनक्यूबेटर और एक्सिलरेटर उपकरण है।

दुनिया में एआई क्षेत्र में कुल सक्रिय कार्यक्रमों में भारत में इसकी तीसरी सबसे बड़ी संख?या है, जिसमें पिछले पांच वर्षों में भारतीय स्टार्टअप की जरूरतों को पूरा करने के लिए 42 प्रतिशत कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।

टी-हब मैथ जैसे एक्सेलेरेटर एआई स्टार्टअप को उत्पाद विकास, व्यावसायिक रणनीति और स्केलिंग पर महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। उदाहरण के लिए, 2024 के शुरूआती महीनों में, मैथ के पास

भारतीय धार्मिक बदलाव और इसके संदर्भ को जानना जरूरी: रणेन्द्र कुमार

इतिहास विभाग रांची विवि के सभागार में कार्यक्रम का आयोजन

साहित्यकार, कवि और जनजातीय विभाग के पूर्व निदेशक रणेन्द्र कुमार ने इतिहास विभाग रांची विवि के पीजी के छात्रों को संबोधित किया। शुक्रवार को आयोजित यह कार्यक्रम दो घंटे तक चला।

विभागाध्यक्ष डॉक्टर सुजाता सिंह ने कहा कि छात्रों की जानकारी बढ़ें इसके लिये ऐसे कार्यक्रम नियमित तौर पर कराया जाता है। रणेन्द्र सर का यह आठवां कार्यक्रम है। विभाग में उपस्थिति और अनुशासन दोनों पर पूरा जोर है।

सांस्कृतिक आदान-प्रदान और परम्परा के निमार्ण विषय पर ं बोलते हुए रणेन्द्र कुमार ने बताया कि इतिहासकार विजयनाथ अपने आलेख फ्रॉम ब्रह्मीनिज्म तो हिंदुइज्म नेगोशिएटिंग द मैथ का द ग्रेट ट्रेडीशन माया स्पष्ट करती है कि गुप्त और उत्तर गुप्त काल में वैदिक ब्राह्मण धर्म से पौराणिक धर्म में रूपांतरण पर संस्कृत ग्रहण की एक अपूर्व घटना है, जो भारतीय धार्मिक ऐतिहासिक परंपरा में घटित होती है और इस देश की एक वृहद सांस्कृतिक पृष्ठभूमि करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

वैदिक ब्राह्मण धर्म मुख्य रूप से तराई ऋग्वेद यजुर्वेद और सामवेद पर आधारित था जिसका सामाजिक आधार अभिजात सा था किंतु विभिन्न कर्म कृषि आर्थिक संस्कृति के गंगा यमुना दोआब क्षेत्र के बाहर भी प्रसार ने वैदिक धर्म के अभिव्यक्ति और अकाल स्वरूप में आमूल चूल परिवर्तन ला दिया । पौराणिक धार्मिक धारा अनेक पंथ्यों सामुदायिक धार्मिक परंपराओं के जुड़ने से निर्मित हुई जिम कर वैदिक जाना चाहती है और लोक धार्मिक परंपराएं पेंट प्रमुख थे पर संस्कृत ग्रहण के प्रवृत्ति इस काल में की सबसे बड़ी विशेषता थी। मुख्य रूप से देवियां या मात्र शक्तियों महादेव मुरूगन नर्सिंग कृष्णा संकरण जैसे जनजाति कृषक पशुपालक समाज के देवी देवताओं ने पौराणिक धार्मिक धारा में सम्मिलित होकर वैदिक देवकूल यथा इंद्र अग्नि वरुण भूषण आदि देवताओं को धीरे-धीरे किनारे कर दिया। प्रारंभिक काल में कई प्रतिस्पर्धी किताब पंत की गतिशीलता के कारण वैदिक ब्राह्मण धर्म में भी परिवर्तन की प्रक्रिया शुरू हुई मध्य भारत और दक्कन आदि अपरिचित जनजातीय क्षेत्रों में सांस्कृतिक परिवर्तन की आहट सुनाई पड़ रही थी। दरअसल इन नवीन क्षेत्र में बौद्ध और जैन संन्यासियों ने सांस्कृतिक आदान-प्रदान की शुरूआत करते थे इन क्षेत्रों में महायान का विस्तार ब्राह्मण धर्म के लिए खतरे के रूप में देखा जा रहा था। जिसके कारण ब्राह्मण धर्म में भी नामित आई और वह समाज की परिधि के समुदायों की भी चिंता करने लगा इस सदी में हो रहे हैं सामाजिक आर्थिक परिवर्तनों ने यह आप बिहारी हरिया कर दिया था कि ब्राह्मण सिद्धांत कर परिवर्तित परिस्थितियों में समंजन हेतु बदलाव लाएं रोमन साम्राज्य के पता नहीं । भारतीय प्रादेशिक व्यापार पर प्रतिकूल प्रभाव डाला था वस्तुओं की खपत का घटी थी उनका उत्पादन घटाना पड़ा। परिणामता जनसंख्या का दबाव कृषि आधारित अर्थव्यवस्था पर आप पड़ा इस दबाव के कारण कैसे सुधार की प्रक्रिया प्रारंभ हुई कृषि तकनीक में परिवर्तन लाए गए कृषि प्रसार जैसे ग्रंथ प्रकाश में आए दूसरी ओर बंजारा एवं अव्यवस्थित भूमि का सुधार कर फोन

में कृषि कार्य शुरू करने की प्रक्रिया भी प्रारंभ हुई किंतु भूमि सुधार और नए इलाके में कृषि सुधार के लिए आकर्षण और प्रयासों की कमी थी आती केंद्रित मौर्य साम्राज्य के बाद इस काल में छोटे-छोटे राज्य थे जिनकी आती विकेंद्रित प्रशासनिक व्यवस्था के पास कृषि प्रसार और भूमि सुधार के लिए संसाधन नहीं थे सम्राटों और छोटे राजाओं के पास कृषि प्रसार का सबसे आसान उपाय व्यक्ति या समुदाय को भूमि दान देना था भूमि दान को आकर्षक बनाने के लिए दान प्राप्तकर्ता के लिए कई तरह के छठ के भी प्रावधान किए गए यह भूमि दान पूर्व से कृषि दबाव वाले गंगा जमुना दबाव क्षेत्र में नहीं बल्कि उसके बाहर के क्षेत्र रहता मध्य प्रदेश गुजरात महाराष्ट्र आंध्र प्रदेश उड़ीसा आदि में प्रदान किए गए वैदिक संहिता से संचालित होने वाले ब्राह्मणों के लिए भी भूमि दान प्राप्त करना आकर्षण का केंद्र बन गया भूमिका उपहार या दान एक मूल्यवान संपत्ति की प्राप्ति थी एक निजी संपत्ति जो परिवार को स्थाई रूप से प्राप्त हो रहे थे उसके उत्तराधिकार और बंटवारे का अधिकार भी उन्हें प्राप्त हो रहा था परिवर्तित जो इन नए लोगों के प्रति सत्रता पूर्ण रवैया रखते थे और इन नए भूमि प्राप्तकताओं को दूसरी ओर ब्राह्मण वर्ण अपने वर्णवादी रूढी परंपरा के अनुरूप उन्हें मलिक मानते थे। कार्यक्रम में प्रो संजीव लोचन भी उपस्थित थे। कई छात्रों ने सवाल भी पूछे।

ई है टाटा नगरिया, देख बबुआ...

ट्राइबल कल्चर सोसायटी,सोनारी के प्रांगण में टाटा स्टील फाउंडेशन के सौजन्य से बना है भव्य ओपन एयर थिएटर। इस थिएटर की डिजाइन एवं भव्यता देखने योग्य है। इस मंच पर देश-विदेश के कई आदिवासी कलाकार एवं उनकी टीम अपनी प्रस्तुति दे चुकी है।

सूर्य मंदिर समिति ने निकाली भव्य शोभायात्रा

- शोभायात्रा में उमड़ा भक्तों का जनसैलाब
- लोगों ने बरसा;२ फूल, जय श्रीराम के नारों से गुंजायमान हुआ सिदगोड़ा क्षेत्र
- पूर्व सीएम रघुवर दास ने माथे पर श्रीरामायण रखकर की पदयात्रा
- आज से प्रारंभ होगी संगीतमय श्रीराम कथा

माथे पर श्री रामायण लेकर शोभायात्रा में पैदल चलते पूर्व सीएम रघुवर दास और शोभा यात्र का दृश्य।

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। सिदगोड़ा स्थित सूर्यधाम परिसर में बने श्रीराम मंदिर के पंचम वर्षगांठ पर सूर्य मंदिर समिति द्वारा धूमधाम से शोभायात्रा निकाली गई। शुक्रवार दोपहर करीब 4 बजे न्यू बारीडीह क्षेत्र के सुगना कॉलोनी स्थित बाबा विश्वनाथ मंदिर से सुसज्जित रथ पर मर्मज्ञ कथा वाचक आचार्य राजेन्द्र जी महाराज, प्रयागराज महाकुंभ के साधु-संतों एवं श्रीराम दरबार और वीर बजरंगबली की मनोरम झांकी, घोड़े, डीजे संगीत, आतिशबाजी व केसरिया ध्वजों के साथ निकाली गई भव्य शोभायात्रा में शहर के हजारों श्रद्धालुओं के संग राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री सह सूर्य मंदिर समिति के मुख्य संरक्षक रघुवर दास एवं संरक्षक चंद्रगुप्त सिंह मुख्यरूप से शामिल हुए।

भगवान श्रीराम की शोभा यात्रा को देखने और स्वागत करने के लिए सड़क के दोनों ओर भारी भीड़ मौजूद रही। महिलाएं, बच्चे, पुरुष सभी ने जय श्री राम के जयकारे लगाते हुए शोभा यात्रा पर पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। शोभा यात्रा में पूर्व सीएम रघुवर दास ने माथे पर श्रीरामायण लेकर नंगे पांव पैदल यात्रा की। इस दौरान विभिन्न स्थानों पर सामाजिक संगठनों ने शिविर लगाकर सेवा प्रदान की। तो वहीं, शहरवासियों ने श्रीरामायण एवं शोभायात्रा पर पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। पूरे रास्ते में आतिशबाजी, भक्तिमय संगीत और जय श्री राम के ओजस्वी नारों से पूरा क्षेत्र भगवामय हो गया।

इससे पहले, सुगना कॉलोनी स्थित श्रीहनुमान मंदिर में संकल्प के पश्चात शोभा यात्रा बारीडीह मुख्य सड़क, बारीडीह गोलचक्कर, सिदगोड़ा 28 नंबर रोड होते हुए सूर्यधाम पहुँची। सूर्य मंदिर पहुंचने पर पूर्व सीएम रघुवर दास ने माथे पर श्रीरामायण को लेकर श्रीराम मंदिर में पूजा-अर्चना कर सभी के खुशहाली और समृद्धि की कामना की। इसके पश्चात, श्रीराम दरबार की आरती की गई और भक्तों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया।

रघुवर दास ने जताया आभार: पूर्व सीएम सह सूर्य मंदिर समिति के मुख्य संरक्षक रघुवर दास ने भव्य एवं सफल शोभायात्रा के लिए शहरवासियों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि मंदिर समिति, भाजपा कार्यकर्ता, युवा मोर्चा और मातृशक्ति के रूप में शामिल हुई माताओं-बहनों के समर्पण और भक्तिभाव से शोभायात्रा सफलतापूर्वक संपन्न हुई। श्री दास ने राम काज में सहयोग करने वाले सभी दानदाताओं को धन्यवाद व्यक्त करते करते हुए आभार जताया। उन्होंने जमशेदपुर की जनता, दुकानदार भाइयों एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रति भी आभार व्यक्त किया। वहीं, उन्होंने शहरवासियों से श्रीराम कथा में शामिल होने की अपील की।

स्पीड न्यूज

रेडियंट झारखंड का समापन आज

जमशेदपुर। विजुअल मिथ्स की ओर से लौहनगरी (होटल रमाडा) में पहली बार आयोजित रेडिएंट झारखंड प्रदर्शनी के दूसरे दिन शुक्रवार को कोल्हान के अलग-अलग क्षेत्रों से काफी संख्या में लोग प्रदर्शनी देखने पहुंचे जिसमें ज्यादातर युवा शामिल रहे। दूसरे दिन कोल्हान के अलग-अलग शैक्षणिक संस्थानों से आये विद्यार्थियों ने वहां लगाये गये एक-एक स्टॉल का दौरा किया तथा ज्ञानवर्धक, कैरियर एवं प्लेमेंट से जुड़ी जानकारियां प्राप्त की। प्रदर्शनी में सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थानों के 30 से ज्यादा स्टॉल लगाए गए हैं जहां लोग जाकर केंद्र सरकार द्वारा चलायी जा रही योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर रहे हैं। प्रत्येक स्टॉल पर एक्सपर्ट्स उन्हें विभाग की गतिविधियों की जानकारी साक्षा कर रहे हैं। इस दौरान विभाग से जुड़ी जानकारी के लिए लोगों को नि:शुल्क पंपलेट्स, लिफलेट्स एवं कॉफी टेबल बुक भी दिए जा रहे हैं। प्रदर्शनी में छात्रों की ज्यादा भीड़ भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के स्टॉल (जीएसआई), सीएसआईआर राष्ट्रीय धातुकर्म प्रयोगशाला (एनएमएल) के स्टॉल, भारतीय रिजर्व बैंक के स्टॉल, केंद्रीय खनन और ईंधन अनुसंधान संस्थान के स्टॉल पर देखी गई।

वरिष्ठ भाजपा नेता सच्चिदानंद की स्मृति में शोक सभा कल

जमशेदपुर। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता स्व. सच्चिदानंद राय की पुण्य स्मृति में एक शोक सभा का आयोजन आगामी 23 फरवरी, 2025 दिन रविवार को प्रात: 11 बजे बिष्टुपुर स्थित परमहंस लक्ष्मीनाथ गोस्वामी मंदिर परिसर के सभागार में किया जाएगा। जमशेदपुर पश्चिम के विधायक श्री सरयू राय ने जानकारी देते हुए बताया कि श्री सच्चिदानंद राय जनसंघ कालीन राजनीतिक कार्यकर्ता थे। जनसंघ से लेकर भाजपा तक के अपनी राजनीतिक यात्रा में वे अनेकों दायित्व पर रहे।

संस्थापक
स्व. डॉ अभय कुमार सिंह

स्वामित्व वृन्दा मीडिया पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक, प्रकाशक
मंजू सिंह

द्वारा चिरौंदी, बोड़ेया रोड, रांची (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
संपादक
अविनाश ठाकुर*
फोन : 95708-48433
पिनः -834006

e-mail
khabarmantra.city@gmail.com

R.N.I No.
JHAHIN/2013/51797
*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी। प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा।

जमशेदपुर में इंफ्रा प्लान शीघ्र पूरा करायें सीएम

पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने सीएम हेमंत सोरेन को लिखा पत्र

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता रघुवर दास ने राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र लिखकर जमशेदपुर में लंबित आधारभूत संरचना विकास योजनाओं को शीघ्र पूरा करने की मांग की है। शुक्रवार को प्रेषित पत्र में उन्होंने उल्लेख किया कि जमशेदपुर देश का एक प्रमुख औद्योगिक शहर है, जहां आर्थिक गतिविधियां, भारी वाहनों का परिचालन और अन्य व्यावसायिक कारणों से आम जनता को यातायात जाम और असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही, बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं के कारण बहुमूल्य जान-माल की हानि हो रही है, जो अत्यंत चिंता का विषय है। पत्र में उल्लेख किया कि पूर्व में राज्य सरकार द्वारा जमशेदपुर की यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं स्वीकृत की गई थीं, लेकिन दुर्भाग्यवश उनका कार्यान्वयन लंबित है, जिससे स्थिति और भी गंभीर हो गई है। उन्होंने निम्नलिखित योजनाओं के शीघ्र क्रियान्वयन पर बल देते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से आवश्यक कदम उठाने की अपील की है।

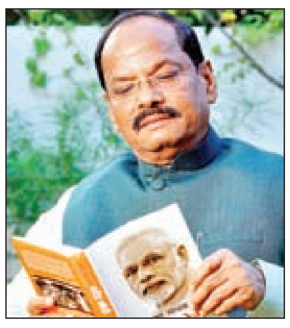

पूर्व सीएम रघुवर दास।

1. गोविंदपुर उपरी पथ एवं बाईपास निर्माण- रघुवर दास ने पत्र में लिखा कि 138.74 करोड़ रुपये की लागत से इस परियोजना की निविदा प्रक्रिया पूरी हो चुकी थी, लेकिन निर्माण कार्य अब तक लंबित है।

2. लिट्टी चौक से स्वर्णरेखा नदी तक एनएच-33 को जोड़ने वाले पुल एवं पथ का निर्माण- इस योजना का शिलान्यास पहले ही किया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई ठोस प्रगति नहीं हुई है। जनहित में टाटा मोटर्स से थीम पार्क होते हुए लिट्टी चौक को एनएच-33 से जोड़ने वाले पथ एवं पुल का निर्माण कार्य शीघ्र शुरू किया जाना आवश्यक है।

3. मानगो में एनएच-33 पर नया इंटर स्टेट बस टर्मिनल निर्माण-मानगो पुल के पास स्थित वर्तमान बस स्टैंड को स्थानांतरित करने के लिए एनएच-33 पर नए इंटर स्टेट बस टर्मिनल निर्माण योजना की स्वीकृति दी गई थी। लेकिन अब तक केवल बाउंड्री वॉल का निर्माण हुआ है और शेष कार्य अभी भी लंबित है। यदि इस परियोजना को शीघ्र पूरा किया जाता है तो शहर में यातायात दबाव कम होगा और यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी।

पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने पत्र में लिखा कि इन परियोजनाओं का समय पर पूर्ण होना बेहद आवश्यक है, क्योंकि इससे जमशेदपुर की जनता को न केवल यातायात जाम और दुर्घटनाओं से राहत मिलेगी, बल्कि औद्योगिक क्षेत्र को भी नई गति मिलेगी। उन्होंने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि इन सभी योजनाओं का कार्य शीघ्रता से पूरा कराया जाए, जिससे जमशेदपुर के नागरिकों को यातायात, जाम और अन्य समस्याओं से निजात मिल सके।

एक नजर में

करीना मार्डी की स्मृति में 30 यूनिट रक्त संग्रह

जमशेदपुर। जमशेदपुर ब्लड सेंटर में सामाजिक संस्था नई जिंदगी परिवार, जमशेदपुर और मार्डी ब्रदर्स इनिशिएटिव के सौजन्य से दिवंगत करीना मार्डी की दुसरी पुण्यतिथि पर 30 युवाओं ने पारंपरिक परिधान में आकर रक्तदान किया। इस शिविर का नेतृत्व ट्राइबल ब्लड मैन के नाम से चर्चित 76 बार के आदिवासी रक्तदाता राजेश मार्डी ने किया। सर्वप्रथम उनकी दिवंगत माँ करीना मार्डी के चित्र पर जमशेदपुर ब्लड सेंटर के जीएम संजय चौधरी और बड़े भाई धीरेन मार्डी व समाजसेवी विरधन सोरेन ने माल्यार्पण कर शिविर का विधिवत उद्घाटन किया। करनडीह के गैंताडीह निवासी रवि मुर्मू ने अपने जीवन में कुल 32वीं बार रक्तदान कर साहसिक परिचय दिया। वहीं इस शिविर में ईचागढ़ प्रखंड से 10 युवाओं ने अपने जीवन में पहली बार रक्तदान कर बहुत खुश दिखाई दिये। सभी रक्तदाताओं को धीरेन मार्डी व विरधन सोरेन ने प्रशस्ति सम्मान पत्र, पारंपरिक अंग वस्त्र एवं संताली कैलेंडर देकर सम्मानित किया गया। रक्तदान करने वालों में बिमल किस्कू, कुंवर माझी, उपेश टुडू, सहदेव मार्डी, सीताराम मार्डी, सुशील कुमार टुडू, अकलू माझी, शंभू टुडू, सुधीर किस्कू, हेमंत मार्डी, प्रधान किस्कू, सुदामा टुडू, विश्वनाथ टुडू, सुनील कुमार हांसदा, दुर्गा चरण टुडू, सुरेश सोरेन, सुरज मुर्मू, सोमाय मार्डी थे।

पोटका में समेकित बिरसा ग्राम विकास योजना सह कृषक पाठशाला का शिलान्यास

जमशेदपुर/पोटका। पोटका प्रखंड के बालिजुड़ी में झारखंड सरकार के कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग द्वारा स्वीकृत समेकित बिरसा ग्राम विकास योजना सह कृषक पाठशाला का विधिवत शिलान्यास पोटका विधायक संजीव सरदार द्वारा किया गया। 3.17 करोड़ की लागत से बनने वाले इस कृषक पाठशाला में 10 गांवों के 750 किसानों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। यहाँ किसानों को मधु पालन, मशरूम उत्पादन, बागवानी, गाय, बकरी, बतख और सुअर पालन के साथ जैविक खेती की आधुनिक तकनीकों की ट्रेनिंग मिलेगी। इसके अलावा, कृषि, पशुपालन, मत्स्य और सहकारिता विभाग की विभिन्न योजनाओं की भी जानकारी दी जाएगी। यह पूर्वी सिंहभूम जिले का छठा और पोटका प्रखंड का पहला कृषक पाठशाला होगा, जो किसानों की क्षमता को विकसित करने में अहम भूमिका निभाएगा। शिलान्यास समारोह में विधायक संजीव सरदार ने कहा, यह कृषक पाठशाला क्षेत्र के किसानों के लिए मील का पत्थर साबित होगी। इससे न सिर्फ उनकी आय में वृद्धि होगी बल्कि वे आधुनिक खेती और पशुपालन के नए आयाम भी सीख सकेंगे। इस अवसर पर जिला कृषि पदाधिकारी विवेक बिरुआ, बीटीएम कौशल झा, मुखिया विधन सरदार, पंचायत समिति सदस्य सीताराम हांसदा, पूर्व जिला परिषद हीरामणि मुर्मू सहित कई ग्रामीण और किसान उपस्थित रहे।

विश्व मातृभाषा दिवस पर डीसी को मांग पत्र

जमशेदपुर। शहीद स्मारक समिति, झारखंड भाषा संघर्ष मंच, बोधि सोसायटी, झारखंड लोक कला साहित्य संगीत अकादमी, झारखंड कौमी एकता मंच, मुक्त मंच एंव एन. वाई. एस. टी ने संयुक्त तत्वावधान से विश्व मातृ भाषा दिवस के अवसर पर झाड़खंड सरकार को ज्ञापन सौंपा गया कि हमारे राज्य में भी अन्य राज्यों जैसे कला परिषद की गठन किया जाये। जिसमें ललित कला अकादमी, लोकसाहित्य अकादमी, एवं लोकसंगीत नाटक अकादमी होंगे। ज्ञात हो कि झाड़खंड एक आदिवासी बहुल, बहुभाषी राज्य है जैसे संताली, मुंडारी, हो, कुड़ुख, खाड़िया, कुड़मालि, नागपुरी, खोरठा, पंचपरगनिया आदि मातृ भाषाओं को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल किया जाए। यहां की जनजातिओं के कला लोक साहित्य, संगीत एवं इन भाषाओं में आदिम संस्कृति की मौलिक उपादान आज भी संचित है। इसके संरक्षण एवं विकास सिर्फ राज्य के ही नहीं देश के धरोहर को भी लाभ पहुंचा सकता है। ये अमूल्य संपदा और सम्भावना नष्ट हो जाने के पहले ही इसका संरक्षण और विकास के लिए अकादमी स्थापित कराने को लेकर आज उपायुक्त के माध्यम से राज्य के मुख्यमंत्री ज्ञापन सौंपा गया है। मौके पर विश्वनाथ महतो, गौतम कुमार बोस, सुनील विमल, अनिमा बोस, हाराधन प्रामाणिक, देवाशीष मुखर्जी, नासिर खान, प्रणब नाहा आदि शामिल थे।

ग्रामीणों के लिए आठ जलमीनार जल्द बनवायेगा यूसिल, स्वतंत्र निदेशक ने किया शिलान्यास

जादूगोड़ा। यूसिल सी एस आर के स्वतंत्र निर्देशक प्रभात कुमार पांडा दो दिवसीय दौरे पर शुक्रवार को जादूगोड़ा पहुंचे व ग्रामीणों को गर्मी से पूर्व पेयजल संकट से निपटने के लिए आधा दर्जन गांव में कुल आठ जलमीनार का तोहफा दिया भाटीन गांव पहुंच कर जलमीनार का शिलान्यास किया। जिसे मार्च महीने तक संवेदक को पूरा करने का निर्देश दिया। इस मौके पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए श्री पांडा ने कहा कि यूसिल ग्रामीणों की सेवा के लिए है। यूरेनियम यहां के लोगों का है व उन्हीं की जमीन पर हैं। जरूरत है यहां के बच्चों का भविष्य व उनमें राष्ट्रवाद की भावना जगाने की। इसके पूर्व समारोह के मुख्य अतिथि प्रभात कुमार पांडा जादूगोड़ा के लुगु मुर्मू आवासीय जनजातीय स्कूल गए व स्कूली बच्चों के जनजातीय वाद्य यंत्र, बैंड बाजा, जूट बैग, बोतल बोतल, वासुरी का वितरण किया।अंत झारखंड की संस्कृति को बढ़ावा देने व झारखंड की सांस्कृतिक पहचान बचाने के लिए पहले आसपास के 10 ग्रामप्रधानों को सम्मानित किया व उनके बीच धमसा, मादल प्रधानों को सौंपी।

बैंककर्मियों ने बिष्टुपुर पोस्टल पार्क में किया विशाल प्रदर्शन

- 24 -25 को राष्ट्रीय बैंक हड़ताल सफल बनाने का संकल्प

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस यूएफबीयू के आह्वान पर आगामी 24 और 25 मार्च को दो दिनों की राष्ट्रव्यापी बैंक हड़ताल के मद्देनजर आज दिनांक 21/02/2025 को संध्या 5.15 बजे भारतीय स्टेट बैंक के नजदीक पोस्टल पार्क बिष्टुपुर में बैंककर्मियों द्वारा प्रदर्शन किया गया। इस प्रदर्शन में यूएफबीयू के सभी नौ घटक दलों के बैंककर्मियों ने सरकार के अड़ियल रवैए की कड़े शब्दों में भर्त्सना की। यूएफबीयू के धरना-प्रदर्शन कार्यक्रम को सफल बनाने मे एआईबीइए की ओर से कामरेड आर बी सहाय,एनसीबीई की ओर से कामरेड कुन्दन कुमार बेफी की ओर से कामरेड सुजय राय, एनओबीडब्लु की ओर से कामरेड अमित कुमार एआइबीओसी की ओर से कामरेड गौरव कुमार और सत्य प्रकाश, आइएनबीओसी की ओर से कामरेड आंनद वर्मा एआइबीपीसी की ओर से कुमार देवेन्द् एवं यूएफबीयू जमशेदपुर के संयोजक कामरेड रींटु रजक ने केंद्र सरकार की हठधर्मिता और अड़ियल रवैए की घोर भर्त्सना की एवं पूर्व मे हुँए लंबित मांगों को पूरा ना करने का आरोप लगाया।

स्वास्थ्य, शिक्षा और आजीविका संवर्द्धन पर प्राथमिकता से खर्च हो डीएमएएफटी फंड : सांसद

- पूर्वी सिंहभूम : डीएमएएफटी न्यास परिषद की बैठक में लिए गए कई निर्णय

बैठक में सांसद विद्युतबरण महतो, डीसी अनन्य मित्तल व अन्य पदाधिकारी।

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। टाउन हॉल, सिदगोड़ा में डीएमएफटी न्यास परिषद की बैठक जिला दण्डाधिकारी सह उपायुक्त श्री अनन्य मित्तल की अध्क्षता में आयोजित की गई। सांसद जमशेदपुर विद्युत वरण महतो, विधायक जुगसलाई मंगल कालिंदी एवं विधायक बहरागोड़ा समीर मोहंती, विधायक जमशेदपुर पूर्वी एवं जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक प्रतिनिधि, मुखियागण, उप विकास आयुक्त अनिकेत सचान, सिविल सर्जन डॉ साहिर पाल, निदेशक एनईपी संतोष गर्ग व अन्य संबंधित पदाधिकारी बैठक में मौजूद रहे। बैठक में बताया गया कि प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना के तहत प्रत्येक जिले में डीएमएफटी कोष का उपयोग खनन प्रभावित क्षेत्रों के विकास और विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए किया जाता है।

बताया गया कि जनवरी मध्य से फरवरी अबतक आयोजित विभिन्न ग्रामसभाओं से कुल 14169 योजनायें प्राप्त हुई हैं जिनमें 9675 योजनाओं का चयन प्राथमिकता के आधार पर अभी किया गया है। चयनित योजनाओं में पेयजल आपूर्ति से संबंधित 1206 योजना, पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण उपाय संबंधी 3 योजना, स्वास्थ्य क्षेत्र से 300, शिक्षा से 1367, महिला एवं बाल कल्याण से जुड़ी 60 योजनाएं, कौशल विकास और आजीविका सृजन के 78, स्वच्छता से जुड़ी 866 योजनाएं, कृषि क्षेत्र के 80, आधारभूत संरचना के 4755, सिंचाई के 348, ऊर्जा एवं जलग्रहण विकास के 581 व अन्य 32 योजनायें शामिल हैं।

शताब्दी वर्ष इमैनुएल महोत्सव की भव्य शुरुआत

इमैनुएल बैपटिस्ट चर्च, सीतारामडेरा में

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। इमैनुएल बैप्टिस्ट चर्च के शताब्दी वर्ष के मद्देनजर तीन दिवसीय आत्मिक जागृति सभा इमैनुएल महोत्सव की शुरूआत बहुत ही शानदार तरीके से किया गया। इस शताब्दी वर्ष इमैनुएल महोत्सव की शुरूआत सुबह में झारखंड, ओडिशा, बंगाल एवं बिहार के मसीही महिलाओं के लिए तीन दिवसीय महिला सम्मेलन के साथ हुई। सुबह 9 से दोपहर 1 बजे तक यह सम्मेलन चला, जिसमें सैकड़ों महिलाओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज करायी। महिला सम्मेलन में कार्यक्रम की अध्यक्षता इमैनुएल बैप्टिस्ट चर्च की महिला समिति की अध्यक्ष बहन सुलेखा चौहान ने किया। चर्च के आराधना दल ने सुंदर मसीही गीतों के द्वारा पूरे सम्मेलन को ईश्वरमय कर दिया। तत्पश्चात मुख्य वक्ता पास्टर अजीत होरो एवं सिस्टर आराधना होरो का स्वागत महिला समिति के द्वारा किया गया। सम्मेलन में परमेश्वर के जीवित वचन को प्रचारित करते हुए सिस्टर आराधना होरो कहा कि महिलाओं को पिता परमेश्वर, पुत्र प्रभु यीशु मसीह एवं पवित्र आत्मा को अपने जीवन में सम्मिलित करते हुए उनके आदर्शों को इस जगत में प्रकट करने का प्रयास करना चाहिए।

एसएसजी इंग्लिश स्कूल, साकची को आईसीएसई से मिली मान्यता

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। साकची स्थित श्री साकची गुजराती (एसएसजी) इंग्लिश स्कूल को आईसीएसई (इंडियन सर्टिफिकेट ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन) से आधिकारिक एफिलिएशन प्राप्त हो गया है। यह उपलब्धि स्कूल की उत्कृष्ट शैक्षणिक गुणवत्ता और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर स्कूल की प्रिंसिपल डॉ. मौसमी, मुख्य सचिव केतन आदेशरा और प्रेसिडेंट रश्मिन रामपारा ने अपनी खुशी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह सफलता शिक्षकों, विद्यार्थियों और अभिभावकों की मेहनत का परिणाम है। इस मान्यता से हमें उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करने और विद्यार्थियों को बेहतरीन अवसर देने की प्रेरणा मिलेगी।

खेलकूद एवं पर्यटन क्षेत्र में फोकस करे सरायकेला जिला प्रशासन : संजय सेठ

- समाहरणालय सभागार में केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री ने की दिशा की बैठक, योजनाओं की समीक्षा
- लंबित योजनाओं में सुधारात्मक प्रगति लाने तथा विकास योजनाओं को निश्चित समयावधी में पूर्ण करने के दिये गये निर्देश

बैठक की अध्यक्षता करते रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ।

खबर मन्त्र ब्यूरो

सरायकेला। जिला समाहरणालय सभागार में केंद्रीय राज्य मंत्री, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक आयोजित किया गया। बैठक के दौरान जिले के विभिन्न विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं के क्रियान्वयन का क्रमवार समीक्षा किया गया। साथ ही पूर्व की बैठक में दिये गये दिशा-निर्देशों के अनुपालन की बिंदुवार समीक्षा और चर्चा की गयी। बैठक में माननीय सांसद सिंहभूम लोकसभा क्षेत्र श्रीमती जोबा मांझी,माननीय सांसद खूंटी लोकसभा क्षेत्र श्री कालीचरण मुंडा,माननीय विधायक खरसावां विधानसभा क्षेत्र श्री दशरथ गागराई, माननीया विधायक इचागढ़ सविता महतो, जिप अध्यक्ष सोनाराम बोदरा, उप विकास आयुक्त आशीष अग्रवाल समेत सभी प्रखंड प्रमुख, मुखिया एवं सभी विभागीय पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में केंद्रीय मंत्री ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, विधुत, खाद्य आपूर्ति, पेयजल एवं स्वच्छता, मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना, केसीसी, शिक्षा, स्वास्थ्य, समाज कल्याण,पथ निर्माण विभाग समेत विभिन्न विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं की क्रमवार समीक्षा की गई।समीक्षा के क्रम में ऐसी योजना जिसके कार्य प्रगति धीमा पाया गया उसमे सुधारात्मक प्रगति लाने तथा योजनाओं को निश्चित समयावधी में पूर्ण करने को कहा। कहा कि विभिन्न माध्यमों से प्राप्त शिकायतों का निपटारा तय समय सीमा के अंदर करें। साथ ही उन्होंने जो गांव और टोले बिजली सेवा से वंचित हैं, वहां बिजली सेवा शुरू करने, जर्जर बिजली खम्भे को बदलने, झूलते तार को यथाशीघ्र दुरुस्त करने, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के लंबित कार्य में तेजी लाने, योजना अंतर्गत कार्य मे लापरवाही बरतने तथा तय समय मे कार्य ना पूर्ण करने वाले संवेदको पर नियमानुसार कार्रवाई करने,हर-घर जल-नल योजना से सभी गांव टोला को जोड़ने, खराब चापाकल-जलमिनार को चिन्हित कर मरमत्ती हेतु कार्य योजना निर्धारित करने को कहा है।

साउथ अफ्रीका के सामने अफगान ने घुटने टेके, 107 रनों से मिली हार

एजेंसी

कराची। दुनियाभर में जिसे भारत की बी टीम कहा जाता है। जिसने भारत में आकर क्रिकेट का ककहरा सीखा। नौसिखिए होने के बावजूद आस्ट्रेलिया और पाकिस्तान जैसी टीमों को पीटा, उसी अफगानी पठानों ने आइसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में साउथ अफ्रीका के सामने घुटने टेक दिए। पहली बार आइसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में हिस्सा ले रही अफगानिस्तान क्रिकेट टीम को ग्रुप बी के पहले मैच में 107 रनों से हार का सामना करना पड़ा। मैच में अफगानिस्तान के खिलाफ साउथ अफ्रीका की टीम ने टॉस जीतने के बाद पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करते साउथ अफ्रीका की टीम ने निर्धारित 50 ओवरों के खेल में 6 विकेट के नुकसान पर 315 रन का स्कोर खड़ा किया। इसके जवाब में अफगानिस्तान की टीम 43.3 ओवर में 208 रन बनाकर सिमट गई। इस तरह अफगानिस्तान ने मैच को गंवा दिया।

रिकेल्टन ने जड़ा ऐतिहासिक शतक

दक्षिण अफ्रीका के बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज रयान रिकेल्टन ने अफगानिस्ता के खिलाफ मैच में ऐतिहासिक शतक जड़ा। रिकेल्टन ने 106 गेंद में 7 चौके और 1 छक्के की मदद से 103 रनों की शानदार पारी खेली। इस शतकीय पारी के साथ ही रिकेल्टन चैंपियंस ट्रॉफी के इतिहास में शतक बनाने वाले दक्षिण अफ्रीका के पहले विकेटकीपर-बल्लेबाज बन गए। रिकेल्टन राशिद खान के थ्रो पर दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से रन आउट होकर वापस पवेलियन लौटे।

साउथ अफ्रीका 315/06 (50 ओवर)

अफगानिस्तान 208/10 (43.3 ओवर)

अफगानिस्तान की शुरूआत नहीं हुई थी अच्छी

साउथ अफ्रीका के खिलाफ इस मुकाबले में अफगानिस्तान क्रिकेट टीम की शुरूआत अच्छी नहीं रही थी। फॉर्म में चल रहे ओपनर बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज सिर्फ 10 रन बनाकर आउट हो गए। कराची के नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में साउथ अफ्रीकी पेसर्स के सामने अफगानी बल्लेबाज बुरी तरह से संघर्ष करते हुए दिखे। इब्राहिम जादरान भी टीम के लिए कुछ खास योगदान नहीं दे पाए और 17 रन बनाकर चलते बने, जबकि सेदिकुल्लाह अटल ने 16 रनों की पारी खेली। हालांकि, अफगानिस्तान की तरफ से रहमत शाह ने साउथ अफ्रीका के गेंदबाजों के सामने कुछ देर तक जरूर डटकर सामना किया और 90 रनों की पारी खेली। इसके अलावा निचले क्रम में टीम के अनुभवी खिलाड़ी मोहम्मद नबी और राशिद खान ने भी अपना हाथ खोला कुछ समय के लिए अफगानिस्तान की उम्मीदों को जिंदा रखने की कोशिश की, लेकिन वह जीत के लिए काफी नहीं था।

द. अफ्रीका की बैटिंग रही दमदार

अफगानिस्तान के खिलाफ इस मुकाबले में साउथ अफ्रीका की बैटिंग बहुत ही जबरदस्त रही। टीम के लिए रायन रिकेल्टन ने शानदार 101 रनों की पारी खेली। रिकेल्टन की वनडे क्रिकेट में यह पहला शतक था।

रिकेल्टन के अलावा साउथ अफ्रीका की तरफ से कप्तान टेम्बा बावुमा ने 76 गेंद में 58 रनों का योगदान दिया। वहीं रासी वैन डेर डुसेन और एडेन मार्करम ने 52-52 रनों की पारी खेली। यही कारण है कि साउथ अफ्रीकी टीम 315 रनों के स्कोर तक पहुंच पाई। वहीं गेंदबाजी में अफगानिस्तान की तरफ से मोहम्मद नबी सबसे सफल रहे। नबी ने 10 ओवर में 51 रन देकर 2 विकेट हासिल किए।

इंग्लैंड का ऑस्ट्रेलिया से सामना दोनों की नजरें अपनी पहली जीत पर

एजेंसी

लाहौर। खराब फॉर्म से जूझ रही इंग्लैंड टीम का सामना चैंपियंस ट्रॉफी में अपने पहले मैच में एशेज प्रतिद्वंद्वी आस्ट्रेलियाई टीम से होगा जो प्रमुख खिलाड़ियों के चोटिल होने से उनके बगैर खेल रही है। दोनों टीमें वनडे में संघर्ष करती नजर आ रही हैं। विश्व चैंपियन आस्ट्रेलिया को पिछली दो सीरीज में श्रीलंका (0-2) और पाकिस्तान (1-2) ने हराया।

आस्ट्रेलिया के प्रमुख खिलाड़ी चोट के बाहर

दूसरी ओर कोच ब्रेंडन मैकुलम की इंग्लैंड टीम ने 2023 विश्व कप में खराब प्रदर्शन के बाद से कोई वनडे सीरीज नहीं जीती है।

जोस बटलर की कप्तानी वाली टीम को भारत ने 3-0 से हराया। पिछली बार सितंबर 2024 में दोनों टीमों के बीच पांच मैचों की वनडे सीरीज आस्ट्रेलिया ने 3-2 से जीती थी। उसके बाद से हालांकि आस्ट्रेलिया के पांच प्रमुख खिलाड़ी चोटों के कारण टीम से बाहर है। उनके तेज गेंदबाजों की धुरंधर तिकड़ी पैट कमिंस, जोश हेजलवुड और मिचेल स्टार्क चोट के कारण नहीं खेल रहे हैं। हरफनमौला मिचेल मार्श (कमर की चोट), कैमरन ग्रीन (चोट) के अलावा मार्कस स्टोइनिस अचानक संन्यास के एलान के कारण बाहर हैं। ऐसे में देखना है कि इस मिनी विश्व कप में क्या कार्यवाहक कप्तान स्टीव स्मिथ की आस्ट्रेलियाई टीम अतीत की सफलता दोहरा पाती है।

बेन डकेट से अच्छे प्रदर्शन से उम्मीद

इंग्लैंड के पास जोफ्रा आर्चर, मार्क वुड और ब्रायडन कार्स के रूप में त्रिकोणीय तेज आक्रमण है जबकि आदिल रशीद स्पिन का जिम्मा संभालेंगे। हेड ने क्रिकेट कहा हम अच्छी शुरूआत सुनिश्चित करेंगे। सलामी बल्लेबाज के और पर मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। बल्लेबाजों की मददगार विकेट पर बेन डकेट से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी जो भारत के खिलाफ शानदार फॉर्म में थे। जो रूट इंग्लैंड की बल्लेबाजी की धुरी हैं और वह अपनी उपयोगिता फिर साबित करना चाहेंगे।

तीसरे नंबर पर उतर सकते हैं स्मिथ

मार्श की गैर मौजूदगी में स्मिथ तीसरे नंबर पर उतर सकते हैं और उन्हें पारी के सूत्रधार की भूमिका निभानी होगी। आक्रामक सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड पर भी नजरें होंगी जिन्होंने 2022 की श्रृंखला में यहां 101 और 89 रन बनाए थे। हेड ने इंग्लैंड के खिलाफ पिछले साल ट्रेंट ब्रिज में 154 रन की नाबाद पारी खेली थी।

दोनों टीम इस प्रकार हैं

इंग्लैंड: फिल सॉल्ट, बेन डकेट, जेमी स्मिथ , जो रूट, हैरी ब्रूक, जोस बटलर (कप्तान), लियाम लिविंगस्टोन, ब्रायडन कार्स, जोफ्रा आर्चर, आदिल राशिद, मार्क वुड।

आस्ट्रेलिया : ट्रैविस हेड, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, स्टीव स्मिथ (कप्तान), मार्नस लाबुशेन, जोश इंग्लिस, ग्लेन मैक्सवेल, एलेक्स कैरी, नाथन एलिस, आरोन हार्डी, सीन एबॉट, एडम जम्पा।

डब्ल्यूपीएल: मुंबई ने बेंगलुरू को हराया

एजेंसी

बेंगलुरु। कप्तान हरमनप्रीत कौर (50), नेट सायबर ब्रंट (42) और अमनजोत कौर (तीन विकेट/नाबाद 34) हरफनमौला प्रदर्शन की बदौलत मुंबई इंडियंस ने शुक्रवार को वूमेंस प्रीमियर लीग के सातवें मुकाबले में रॉयल चैजेंजर्स बेंगलुरु को चार विकेट से हरा दिया। 167 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई इंडियंस की शुरूआत अच्छी नहीं रही और उसने दूसरे ही ओवर में यास्तिका भाटिया (आठ) का विकेट गवां दिया। उन्हें किम गार्थ ने आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी नेट सायबर ब्रंट ने हेली मैथ्यूज के साथ मोर्चा संभाला। सातवें ओवर में एकता बिष्ट ने हेली मैथ्यूज (15) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। एमेलिया केर दो रन बनाकर आउट हुई। नेट सायबर ब्रंट ने 21 गेंदों में नौ चौके लगाते हुए (42) रनों की तूफानी पारी खेली। मुम्बई को जीत की ओर ले जा रही कप्तान हरमनप्रीत कौर को जॉर्जिया वेयरहम ने आउट कर आरसीबी को बड़ी सफलता दिलाई।

फाइनल में पहुंचा विदर्भ, सेफा में 42 बार की चैंपियन मुंबई को हराया

रणजी ट्रॉफी

➲ विदर्भ ने शुक्रवार को सेमीफाइनल में मुंबई को 80 रनों से हराकर रणजी ट्रॉफी 2024-25 के फाइनल में जगह बनाई

एजेंसी

नागपुर। अक्षय वाडकर की अगुआई वाली विदर्भ ने पिछले साल फाइनल में मिली हार का बदला लेते हुए 21 फरवरी, शुक्रवार को जामथा के विदर्भ क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में रणजी ट्रॉफी 2024-25 सीजन के सेमीफाइनल में 42 बार की चैंपियन मुंबई को 80 रनों से हरा दिया। मुंबई ने 2023-24 सीजन में वानखेड़े स्टेडियम में एक रोमांचक फाइनल के पांचवें और आखिरी दिन विदर्भ को 169 रनों से हराकर रिकॉर्ड 42वां रणजी ट्रॉफी खिताब जीतकर अपने 8 साल के ट्रॉफी के सूखे को समाप्त किया था। इस सेमीफाइनल की बात करें तो विदर्भ ने शुरूआत से ही मैच पर दबदबा बनाया और अपने लगातार दूसरे फाइनल में प्रवेश किया। विदर्भ अब रणजी ट्रॉफी 2024-25 के फाइनल में केरल से भिड़ेगा, जो बुधवार, 26 फरवरी को नागपुर में खेला जाएगा और उसे घरेलू मैदान पर खेलने का फायदा मिलेगा। बाएं हाथ के ऑर्थोडॉक्स स्पिनर हर्ष दुबे ने पहली पारी में दो विकेट लेने के बाद दूसरी पारी में 5 विकेट चटकाए। दुबे के पास रणजी ट्रॉफी के एक सीजन में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज के तौर पर रिकॉर्ड बुक में नाम दर्ज कराने का भी मौका है। जब विदर्भ को पहली पारी में बढ़त मिली, तो मुंबई के लिए हमेशा मुश्किलें खड़ी रहीं। उन्होंने लक्ष्य का पीछा करते हुए 3 शुरूआती विकेट गंवाए और शुक्रवार को सुबह भी 3 विकेट जल्दी गंवा दिए, जिससे मैच में विजयी होने और खिताब बचाने के लिए फाइनल में जगह बनाने के उनके मौके खत्म हो गये हालांकि, ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर और शम्स मुलानी ने शानदार वापसी की और हार को जल्दी मिलने से टाल दिया। वास्तव में, जब वे अच्छा खेल रहे थे, तो आप मुंबई की जीत से इनकार नहीं कर सकते थे। 103 रनों की इस संघर्षपूर्ण साझेदारी का अंत दानिश के शानदार डायरेक्ट हिट की बदौलत हुआ, जब साइड एंगल से केवल एक स्टंप को निशाना बनाया जा सकता था। शार्दुल को यश दुबे ने कैच आउट किया। तनुश लंबे समय तक नहीं टिक सके और आखिरी विकेट के लिए अर्धशतकीय साझेदारी ने निराश किया, लेकिन हर्ष ने मैच को अच्छी तरह से समाप्त कर दिया और अपनी टीम की फाइनल में जगह पक्की कर दी।

74 साल में पहली बार रणजी फाइनल में पहुंचा केरल

गुजरात पर 2 रन की लीड लेकर रचा इतिहास

एजेंसी

अहमदाबाद (गुजरात)। गुजरात और केरल के बीच यहां नरेंद्र मोदी स्टेडियम ग्राउंड-ए, अहमदाबाद में रणजी ट्रॉफी 2025 का पहला सेमीफाइनल खेला गया। इस मुकाबले के 5वां और आखिरी दिन जिसमें सचिन बेबी की अगुवाई वाली केरल की टीम ने इतिहास रच दिया। 74 साल के रणजी ट्रॉफी के इतिहास में केरल ने करिश्माई तरीके से पहली बार फाइनल के लिए क्वालिफाई किया है। केरल के कप्तान सचिन बेबी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। केरल ने दाएं हाथ के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद अजहरुद्दीन की 177 रनों की शानदार शतकीय पारी की मदद से पहली पारी में 457 रनों का बड़ा स्कोर बनाया। इस बड़े लक्ष्य के जवाब में गुजरात के बल्लेबाजों ने भी शानदार खेल का प्रदर्शन किया। गुजरात के सलामी बल्लेबाज प्रियांक पंचाल ने 148 रनों की पारी खेली। लेकिन, पहली पारी में केरल ने 2 रनों की लीड लेकर पहली बार फाइनल के लिए क्वालिफाई किया।

कतर ओपन में बड़ा उलटफेर, अल्काराज को लेहेका ने हराया

दोहा। शीर्ष वरीयता प्राप्त कार्लोस अल्काराज को इस साल की दूसरी पराजय का सामना करना पड़ा जब 25वीं रैंकिंग वाले जिरि लेहेका ने उन्हें कतर ओपन टेनिस के क्वार्टर फाइनल में 6-3, 3-6, 6-4 से हराया। स्पेन के 21 वर्ष के अल्काराज को 2025 में आस्ट्रेलियाई ओपन क्वार्टर फाइनल में नोवाक जोकोविच ने हराया था। इस महीने की शुरूआत में दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी ने रोटरडम ओपन जीता था। अल्काराज ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मैंने अपनी टीम और कोच से बात की है। मुझे नहीं पता कि कहां कमी रह गई। उसने शानदार खेल दिखाया और उसे श्रेय दिया जाना चाहिए। अब लेहेका का सामना आठवीं वरीयता प्राप्त जैक ड्रेपर से होगा जिन्होंने मात्तेओ बेरेतिनी को 4-6, 6-4, 6-3 से हराया। इससे पहले पांचवीं वरीयता प्राप्त आंद्रे रूबलेव ने दूसरी वरीयता प्राप्त एलेक्स डि मिनाउर को 6 -1, 3-6, 7-6 से परास्त किया।

एंड्रीवा दुबई टेनिस चैंपियनशिप के सेफा में

दुबई। रूस की टेनिस खिलाड़ी मीरा एंड्रीवा ने बड़ा उलटफेर करते हुए विश्व की दूसरे नंबर की पोलैंड़ खिलाड़ी इगा स्वियाटेक को हराकर दुबई टेनिस चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। 17 वर्षीय एंड्रीवा ने इगा को क्वार्टर फाइनल में 6-3, 6-3 से हराया। इस जीत के साथ ही रूस की एंड्रीवा टूनार्मेंट के अंतिम चार में पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बन गई हैं। एंड्रीवा दूसरे सेट में 3-1 से पिछड़ रही थीं, लेकिन इसके बाद उन्होंने लगातार पांच गेम जीतकर पांच बार की ग्रैंड स्लैम विजेता स्वियाटेक को एक घंटे 36 मिनट तक चले मुकाबले में हरा दिया।

फीडे महिला ग्रां प्री में हंपी नें खेला ड्रॉ

मोनाको। फीडे महिला ग्रां प्री के तीसरे दौर के बाद चार खिलाड़ी संयुक्त बढ़त पर चल रही है। इस दौर में दो निर्णायक मुकाबले हुए, जबकि तीन मुकाबले ड्रॉ पर समाप्त हुए। भारत की हरिका ड्रोनावल्ली ने रूस की लागनो काटेरना के खिलाफ ड्रॉ खेलकर अपना पहला अंक बनाया, जबकि कोनेरू हंपी ने मंगोलिया की मंगुन्तूल बटखुयाग के खिलाफ एक संतुलित खेल दिखाया। हरिका ड्रोनावल्ली ने लागनो काटेरना के खिलाफ किंग्स इंडियन डिफेंस की ठोस लाइन खेली। हालांकि उन्हें एक बढ़त बनाने का मौका मिला था, लेकिन उन्होंने अधिक सुरक्षित रुख अपनाते हुए मुकाबला ड्रॉ करा लिया।

एक साथ खेलेंगे सचिन और युवराज, श्रीलंका से होगा मुकाबला

एजेंसी

मुंबई। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर और युवराज सिंह शनिवार को श्रीलंका के खिलाफ शुरूआती इंटरनेशनल मास्टर्स लीग के उद्घाटन मैच में एक बार फिर भारत की प्रतिष्ठित नीली जर्सी पहनकर मैदान में उतरेंगे। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 34,000 से अधिक रन और 100 शतक जड़ने वाले दिग्गज खिलाड़ी तेंदुलकर ने खेल के हर प्रारूप में दबदबा बनाया। हालांकि भारत के लिए वह सिर्फ एक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में खेले। इससे प्रशंसकों के लिए उन्हें एक बार फिर खेल के सबसे छोटे प्रारूप में भारतीय जर्सी में देखना दिलचस्प होगा। पिछले कुछ वर्षों में भारत और श्रीलंका के बीच मुकाबलों ने प्रशंसकों को रोमांचित किया है। तेंदुलकर और युवराज ने अनगिनत अविस्मरणीय मुकाबले खेले हैं जिनमें से 2011 वनडे विश्व कप फाइनल का कोई मुकाबला नहीं है जिसमें भारत चैंपियन रहा था। तेंदुलकर ने कहा, हमने पिछले कुछ वर्षों में श्रीलंका के खिलाफ खेलते हुए कुछ अविस्मरणीय पल देखे हैं जिनमें 2011 का विश्व कप सबसे खास था। इतने साल के बाद मैदान पर वापस आना और एक ऐसी टीम का सामना करना जो हमारे क्रिकेट के सफर का इतना बड़ा हिस्सा रही है, इसे और भी खास बनाता है। दूसरी ओर युवराज ने 2011 विश्व कप और 2007 टी20 विश्व कप सहित भारत की कई महत्वपूर्ण जीत में अहम भूमिका निभाई है। युवराज ने कहा, मैं फिर से मैदान पर वापसी के लिए बेताब हूं। भारत बनाम श्रीलंका हमेशा से रोमांचक मुकाबला रहा है और मुझे पता है कि प्रशंसक भी उतने ही उत्साहित हैं जितने हम हैं। सचिन पाजी के नेतृत्व में सांगा (संगकारा) और श्रीलंकाई टीम के खिलाफ खेलना, ऐसा लग रहा है जैसे हम बीते समय में चले गए हैं, और खेल के प्रति जुनून पहले जैसा ही है। इस टूनार्मेंट में छह टीमें भाग लेंगी जिसमें भारत, श्रीलंका, आस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं। सभी टीम में क्रिकेट के कुछ बड़े स्टार शामिल हैं। यह प्रतियोगिता नवी मुंबई, वडोदरा और रायपुर में आयोजित की जाएगी। सेमीफाइनल और 16 मार्च को होने वाला फाइनल रायपुर में खेला जाएगा।

युवराज सिंह।

खेल मंत्रालय का बड़ा फैसला, चयन ट्रायल कैमरे के सामने होंगे

साइ के अधिकारी भी होंगे मौजूद

एजेंसी

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय खेल महासंघों द्वारा अंतरराष्ट्रीय टूनार्मेंटों के लिए भारतीय टीम के चयन में पारदर्शिता लाने की कवायद में सभी चयन ट्रायल अब कैमरे के सामने होंगे जिसमें खेल मंत्रालय और भारतीय खेल प्राधिकरण के अधिकारी मौजूद होंगे। खेल मंत्रालय के एक सूत्र ने यह जानकारी दी। पिछले कुछ समय में चयन से जुड़े मसलों के अदालत तक जाने के मद्देनजर खेल मंत्रालय ने मेरिट के आधार पर चयन और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए यह फैसला लिया है। सूत्र ने कहा- अक्सर यह देखा जाता है कि चयन मामलों को लेकर विवाद होते हैं और वे अदालत तक जाते हैं जिससे खिलाड़ियों पर असर पड़ता है। इसलिये हमने अब से सारे चयन ट्रायल कैमरे के सामने पर्यवेक्षकों की मौजूदगी में कराने का फैसला लिया है। चयन प्रक्रिया के दौरान मंत्रालय और साइ के अधिकारी मौजूद होंगे।

महासंघों के लिए होगी ये सुविधा

सूत्र ने यह भी बताया कि राष्ट्रीय खेल महासंघों और खिलाड़ियों के बीच समन्वय को बढावा देने के लिए दिल्ली के विभिन्न स्टेडियमों में महासंघों को कार्यालय खोलने के लिए जगह दी जाएगी।

भारत राष्ट्रमंडल खेल 2030 की मेजबानी का इच्छुक

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी का इच्छुक है और 2026 में ग्लास्गो खेलों से बाहर किये गये सभी खेलों का आयोजन भी यहां कराने के लिये तैयार है ताकि देश की पदक तालिका पर असर नहीं पड़े। खेल मंत्रालय के सूत्रों ने यह जानकारी दी है। सूत्र ने कहा, हम राष्ट्रमंडल खेल 2030 की मेजबानी के इच्छुक हैं और इस मसले पर राष्ट्रमंडल खेल महासंघ से औपचारिक बात हो चुकी है । हमने 2026 राष्ट्रमंडल खेलों से बाहर किये गए सभी खेलों का आयोजन भारत में कराने का भी अनौपचारिक प्रस्ताव रखा है। ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों से हॉकी, बैडमिंटन, कुश्ती, क्रिकेट और निशानेबाजी जैसे खेल बाहर किये जाने से भारत की पदक उम्मीदों को झटका लगा है। ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में बजट में कटौती के लिये सिर्फ दस खेल शामिल किये गए हैं। सूत्र ने कहा हमने यह प्रस्ताव इसलिये रखा है ताकि हमारे पदकों की संख्या पर असर नहीं पड़े। अनौपचारिक प्रस्ताव रखा जा चुका है और हमें जवाब का इंतजार है। ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेल 23 जुलाई से दो अगस्त तक आयोजित किये जाएंगे। हाल ही में भारत का दौरा करने वाली राष्ट्रमंडल खेल महासंघ की सीईओ कैटी सेडलेयर ने कहा था कि ओलंपिक 2036 की मेजबानी की भारत की आकांक्षाओं को 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी से बल मिलेगा। भारत 2036 ओलंपिक की मेजबानी का आशय पत्र पहले ही सौंप चुका है। भारत में एकमात्र राष्ट्रमंडल खेल दिल्ली में 2010 में आयोजित हुए थे।

भारत ने आयरलैंड को 3-1 से हराया

भुवनेश्वर। भारत ने 0-1 से पिछड़ने के बाद शुक्रवार को एफआइएच हॉकी प्रो लीग 2024-25 (पुरुष) में आयरलैंड के खिलाफ 3-1 से हरा दिया। शुक्रवार को विश्व स्तरीय कलिंगा हॉकी स्टेडियम में गये गये मुकाबले में आयरलैंड के लिए जेरेमी डंकन ने (आठवें) मिनट में गोल दागकर बढ़त हासिल की। पहले क्वार्टर तक आयरलैंड शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए 1-0 से बढ़त बनाये हुए था।

कोहली को खुद पर दवाब बनाने से फॉर्म में लौटने में आ रही है दिक्कत : कुंबले

दुबई। भारत के पूर्व कप्तान और कोच अनिल कुंबले का मानना है कि विराट कोहली खुद पर जरुरत से ज्यादा दवाब बना रहे है इस वजह से उन्हें फॉर्म में लौटने में दिक्कत आ रही है। बांग्लादेश के खिलाफ मैच जीतने के बाद कोहली के प्रदर्शन को लेकर कुंबले ने कहा, खराब फॉर्म से गुजरते हुए विशेषकर सफेद गेंद की क्रिकेट में कोहली को इतने लंबे समय तक ऐसी मुश्किलों का सामना नहीं करना पड़ा। मुझे लगता है कि वह अपने ऊपर जरुरत से ज्यादा दवाब बना रहे हैं। आपके पास ऐसे खिलाड़ी हैं जो पहले भी ऐसा कर चुके हैं और हर कोई आपसे उम्मीद रखता है कि यह वो व्यक्ति है जो खेल को हमसे दूर ले जाएगा और ये टीम में महत्वपूर्ण है। जब आपके ऊपर इस तरह का दबाव हो और आपसे इस तरह की उम्मीदें होती हैं तो अचानक आप और कई सारी चीजो को अहमियत देने लगते हैं और बहुत अधिक प्रयास करने लगते हैं।

स्पीड न्यूज

पीएम आवास योजना को लेकर नप क्षेत्र में कैम्प का आयोजन

बेरमो। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 अंतर्गत 21 फरवरी शुक्रवार को नगर परिषद् फुसरो के वार्ड 18 में कैम्प का आयोजन किया गया। जिसमें कच्चे मकान में निवास कर रहे निवासियों के मध्य प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के बारे में विस्तृत रूप से चर्चा किया गया साथ ही पक्के मकान निर्माण हेतु आवश्यक दस्तावेजों के साथ आवेदन पत्र भी भराया गया। उक्त आयोजित कैम्प में 33 आवेदन प्राप्त हुए हैं जिसका भौतीक सत्यापन किया जाना है तत्पश्चात स्वीकृति हेतु विभाग भेजा जाना है। उक्त कैम्प में निवर्तमान वार्ड पार्षद , सी०एल०टी०सी० मनीषा कुजुर, शंकर कुमार, देवोजीत कुमार व अन्य आवेदनकर्ता उपस्थित थे।

मोटर साइकिल चालकों की सुरक्षा को लेकर गोड्डा पुलिस प्रशासन चिंतित

गोड्डा। पुलिस अधीक्षक गोड्डा अनिमेष नैथानी के निर्देश पर जिला पुलिस द्वारा आज गोड्डा पाकुड़ मुख्य मार्ग पथरा चौक पर दोपहिया वाहन जांच अभियान चलाई गई , जिसमें बाईक चालक और सवारी यात्रियों के हेलमेट सहित गाड़ी के कागजात की जांच की गई। जिन्होंने हेलमेट पहनी थी उन लोगों को मिठाई खिलाकर माला पहनाया गया साथ ही एक जागरूक जनता के रूप मे उन्हें धन्यवाद भी दिया गया और उन सबको पांच लोगों को हेलमेट पहनने को लेकर जागरूक करने का अपील भी की गयी। मौके पर सदर एसडीपीओ अशोक प्रियदर्शी सहित नगर थाना प्रभारी दिनेश महली और कई अन्य पुलिस जवान शामिल थे।

बाईक और ट्रक में टक्कर, बाईक सवार की घटना स्थल पर मौत, एक गंभीर

दुमका। जिले के हंसडीहा थाना क्षेत्र के दुमका भागलपुर मार्ग पर नोनीहाट मुरको नदी के समीप बाईक व ट्रक में टक्कर होने से बाईक सवार व्यक्ति एक की घटना स्थल पर मौत हो गई। वहीं एक गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार बाईक सवार नोनीहाट से हंसडीहा की ओर जा रहे था। ट्रक नो पार्किंग रहने के बावजूद पुल के नजदीक अंधेरे में खड़ी थी। बाईक इतनी तीव्र गति थी कि अंधेरा रहने के कारण ट्रक दिखी नहीं और बाईक खड़ी ट्रक से पीछे से जोरदार टक्कर मार दिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी की बाईक सवार व्यक्ति एक की घटना स्थल पर मौत हो गई। वहीं एक की गंभीर रूप से घायल हो गया। थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर घायलों को बेहतर इलाज के लिए फूलों झानों मेडिकल कॉलेज एंबुलेंस के द्वारा भेज दिया गया। पुलिस दोनों गाड़ी को कब्जे में ले पड़ताल में जुट गई। बाईक की निबंधन संख्या (जेएच04जे1853) व ट्रक की निबंधन संख्या (जेएच12जे 3945) हैं। मृतक व घायल व्यक्ति की पहचान नहीं हो पाई है।

प्रेम में धोखा खायी प्रेमिका ने फांसी लगा दी जान

मसलिया। दुमका जिलो के मसलिया थाना क्षेत्र के विगत रविवार को बड़ा चापुड़िया गांव के 32 वर्षीया युवती जयललिता हेम्ब्रम के फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मामले में मृतका का पिता के लिखित आवेदन थाना में देने के बाद शुक्रवार को डीएसपी एकुड डुंगडुंग मृतका के घरवालों से ही पूछताछ के लिए पहुंचे। जहां लगभग एक घन्टे मृतका के माता-पिता उनके भैया-भाभी से पूछताछ किया। जिसके बाद एकुड डुंगडुंग ने कहा कि उन्हीं बिंदुओ पर जांच करने के लिए पहुंचे थे। बस एक दो दिन में सब स्पष्ट बता दिया जाएगा। मृतका ने फांसी लगाने के पूर्व अपने पर्स में दर्जनों प्रेम पत्र व लिखी थी। जिसमें कठलिया निवासी अरुण हांसदा के नाम का जिक्र था। मृतका के लिए पिता गोविंद हेम्ब्रम ने मसलिया थाना में बेटी के मरने की बजह अरुण हांसदा का प्रेम में धोखा व आत्महत्या के प्रति उकसाने संबंधित आरोप लगाते हुए थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराया था। मौके पर थाना प्रभारी धनंजय प्रजापति समेत अन्य पुलिस बल मौजूद थे।

सेल में आधुनिकीकरण के निष्पादन में बेहतर प्रणाली सीखने के लिए

कार्यशाला का आयोजन

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। बोकारो स्टील प्लांट के मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग में परियोजना निष्पादन में सर्वोत्तम प्रथाओं को सीखने और उसे साझा करने के लिए दो दिवसीय एलईओ कार्यशाला का शुभारम्भ हुआ। कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में बीएसएल के ईडी सुरेश रंगानी सुश्री राजश्री बनर्जी सीआर मिश्रा अनीष सेनगुप्ता के साथ वरीय अधिकारी उपस्थित थे। कार्यशाला में दुगार्पुर स्टील प्लांट इस्को स्टील प्लांट भिलाई स्टील प्लांट राउरकेला स्टील प्लांट सेल निगमित कार्यालय तथा बोकारो स्टील प्लांट सहित सेल की विभिन्न इकाइयों के प्रतिभागी एवं संकाय के रूप में आईएसपी के पूर्व ईडी प्रोजेक्ट एके दासगुप्ता ने अपने परियोजना निष्पादन के अनुभवों को सभी प्रतिभागियों के साथ साझा किया। सीजीएम मनीष जलोटा ने मुख्य अतिथि तथा सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा कार्यक्रम के रूपरेखा के बारे में विस्तृत जानकारी दी। ईडी अनीष सेनगुप्ता ने कहा कि पूरे सेल में बड़े पैमाने पर आधुनिकीकरण का काम प्रस्तावित है और ऐसे में इस कार्यशाला के आयोजन से पूरे संगठन को लाभ होगा। सीआर मिश्रा ने इस कार्यशाला को उपयोगी बताया। ईडी मानव संसाधन सुश्री बनर्जी ने ऐसे समसामयिक विषय पर एलईओ कार्यशाला आयोजित करने के लिए ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग को बधाई दी और सभी को इसका पूरा लाभ उठाने का आह्वान किया। ईडी वित्त एवं लेखा सुरेश रंगानी ने प्रतिभागियों से कराधान मामलों डीपीएमएस एवं अन्य विषयों पर विचार-मंथन करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का समन्वयन डीजीएम राजेश कुमार ने किया।

चार विद्यार्थी रहे स्टेट टॉपर, 29 ने पाई सफलता

सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की हैट्रिक पर प्राचार्य ने दी बधाई

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। डीपीएस बोकारो के कुल 29 विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय वैज्ञानिक अभिरुचि एवं प्रवृत्ति मूल्यांकन परीक्षा में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए स्टेट ही नहीं नेशनल टॉपरों में भी अपना नाम दर्ज कराने में कामयाबी पायी है। नेशनल असेसमेंट फॉर साइंटिफिक टेम्परामेंट एंड एप्टीट्यूड - 2024 में पांचवी कक्षा के छात्र अक्षत प्रियदर्शी को नेशनल टॉपर रैंक-2 के साथ सर्टिफिकेट ऑफ आउटस्टैंडिंग परफॉर्मेंस प्रदान किया गया है। उसे ओवरऑल ग्रेड ए प्लस मिला तथा नेशनल अवॉर्ड कैटेगरी के लिए चयनित किया गया।

इसके अलावा विद्यालय की छठी कक्षा के छात्र आदित्य राज पांचवी के अनिकेत सिंह एवं चौथी कक्षा के ध्रुव श्रीवास्तव ने रैंक-1 के साथ संबंधित कैटेगरी में स्टेट टॉपर होने का गौरव हासिल किया। कक्षा 7 की छात्रा अंशुला श्री भी रैंक- 2 के साथ स्टेट टॉपरों में शामिल रही। सभी स्टेट टॉपरों को सर्टिफिकेट ऑफ स्टेट एक्सीलेंस दिया गया है।

इन सभी विद्यार्थियों को जल्द ही नई दिल्ली बुलाकर सम्मानित किया जाएगा। परीक्षा में उक्त विद्यार्थियों के अलावा कक्षा 3 की प्राणिद्य कुमारी मिश्रा शैलजा शान्वी अथर्व कश्यप कक्षा- 4 के हर्षित ठाकुर रुद्र व गेडेला वेदांतिका, कक्षा 5 के आरव रंजन शिवराज शेखर प्रसून भूषण कक्षा 6 से अंसुरी साधु शिवांश प्रधान सजग सूर्यांश पांडेय कक्षा 7 के आदित्य भारद्वाज अभिज्ञान दिव्यांश वर्मा कक्षा 8 के आदित्य लाल अथर्व कुमार यशस्वी कुमार नौंवी कक्षा से पहल लता रौनक राज ऋषभ राज कक्षा 11 के ऋषित शॉ ऋद्धिम गुप्ता एवं आयुष सुमन ने भी सफलता पायी है। एनएएसटीए में लगातार तीसरे साल शानदार प्रदर्शन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विद्यालय के प्राचार्य डॉ एएस गंगवार ने नेशनल व स्टेट टॉपरों के साथ-साथ सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

संथाल परगना की संस्कृति बिखेरती उल्लास जुलूस के साथ

हिजला मेला महोत्सव का हुआ उद्घाटन

मेला का उद्घाटन के अवसर पर निकला उल्लास जुलूस, नृत्य-संगीत प्रस्तुत करते कलाकार, उद्घाटन करते ग्राम प्रधान

खबर मन्त्र संवाददाता

दुमका। मयूराक्षी नदी के तट पर 21 से 28 फरवरी तक आयोजित होने वाले राजकीय जनजातीय हिजला मेला महोत्सव का विधिवत शुक्रवार को शुभारंभ हुआ। उद्घाटन से पूर्व उल्लास जुलूस निकाला गया। जिसमें काफी संख्या में आदिवासी समाज के लोग परंपरागत परिधान पहनकर पारंपरिक वाद्य यंत्र के साथ शरीक हुए। महोत्सव की शुरूआत से पूर्व हिजला मेला परिसर में स्थित मांझी थान में विधिवत पूजा अर्चना हुई। स्थानीय ग्राम प्रधान ने फीता काटकर मेले का उदघाटन किया। इसके बाद प्रशिक्षु एसडीओ अभिनव प्रकाश ने मंच के समीप ध्वजारोहण कर कार्यक्रम की शुरूआत की। मेले के उद्घाटन सत्र में विभिन्न विद्यालयों के छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। इसके साथ ही छऊ नृत्य और नटवा नृत्य भी पेश किए गए। यह मेला जनजातीय समाज के सांस्कृतिक संकुल की तरह है। जिसमें सिंगा-सकवा, मांदर व मदानभेरी जैसे परंपरागत वाद्ययंत्र की गूंज तो सुनने को मिलती ही है। झारखंडी लोक संस्कृति के अलावा अन्य प्रांतों के कलाकार भी अपनी कलाओं का प्रदर्शन करने पहुंचे हैं। बदलते समय के साथ इस मेले को भव्यता प्रदान करने की कोशिशें सरकार द्वारा लगातार होती रही हैं। मेला क्षेत्र में कई आधारभूत संरचनायें विकसित हो गई हैं। जो मेले के उत्साह को दोगुणा करने में सहायक साबित हो रहा है। महोत्सव के पूरे अवधि में कृषि प्रदर्शनी, ट्राइबल म्यूजियम और विभिन्न विभागों के स्टॉल मेला में आने वाले लोगों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगी। प्रदर्शनियां न केवल झारखंड की पारंपरिक कृषि पद्धतियों और जनजातीय जीवनशैली को दशार्ती हैं,बल्कि नई तकनीकों और सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूकता भी बढ़ाती हैं। इस अवसर पर डीडीसी अभिजीत सिन्हा ने कहा कि इस मेले में यहां की संस्कृति,लोकसंगीत की अदभुत झलक देखने को मिलती है। संथाल परगना की संस्कृति, खानपान, नृत्य, लोकसंगीत सहित जनजातीय समाज से जुड़ी कई जानकारियों का यह मेला संगम है। पूरे मेला अवधि में संताल परगना की कला संस्कृति की झलक, नवीन कृषि तकनीक देखने को मिलेगी, जबकि सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं से अवगत कराने का यह बड़ा मंच साबित होगा। उन्होंने कहा कि इस मेले के आयोजन का इंतजार यहां के लोगों के द्वारा पूरे वर्ष किया जाता है। कहा कि अधिक से अधिक लोग इस मेले में आएं एवं यहां के गौरवशाली संस्कृति को देखें यही हमारा प्रयास है। उन्होंने उपस्थित लोगों से कहा कि किसी भी प्रकार के विधि व्यवस्था की स्थिति उत्पन्न नहीं हो इसका ध्यान रखे। इस अवसर पर जिप अध्यक्ष जॉयस बेसरा ने कहा कि यह सिर्फ मेला नहीं हमारी परंपरा हमारी संस्कृति की एक महत्वपूर्ण पुस्तक है। जनजातीय समाज की संस्कृति, संगीत, नृत्य, रहन-सहन सहित और भी कई महत्वपूर्ण बातों को इस मेले के माध्यम से समझा जा सकता है। उन्होंने कहा कि हम सभी मिलकर इस आयोजन को सफल बनाएं इस आयोजन का हिस्सा बनाएं। इसके बाद अतिथियों ने स्टॉल का निरीक्षण किया।

मंदिर निर्माण कर शिवलिंग के साथ अन्य कई देवी देवताओं के प्राण प्रतिष्ठा कर स्थापित किया गया

खबर मन्त्र संवाददाता

गोड्डा। हनुमंत अखाड़ा मंदिर लोहियानगर परिसर में नवनिर्मित शिव पार्वती मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा गुरुधाम,बौसी बिहार के पंडित रतीश चंद्र झा के मार्गदर्शन में पुरोहितों के सहयोग से कराया गया। इस मंदिर में निर्माण कार्य में शहर के प्रतिष्ठित अनेकों चिकित्सकों व समाज के प्रबुद्धजनों,समाजसेवीयों एवं मोहल्लेवासीयों भी सम्मिलित रहे लोहियानगर के निकट शिव पार्वती मंदिर नहीं रहने के कारण महिलाओं और भक्तजनों को पूजा पाठ करने में असुविधा होती रहती थी। जिसको लेकर हनुमंत अखाड़ा सेवा ट्रस्ट के नेतृत्व में बैठक आहूत कर मंदिर निर्माण का प्रस्ताव लिया गया और लगभग 1 वर्ष के अंदर शिव पार्वती मंदिर निर्माण कराया गया। प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के दौरान मंदिर परिसर से शिवपुर शिवगंगा तालाब से कलश यात्रा निकाली गई साथ ही साथ सभी प्रतिमाओं को नगर भ्रमण भी कराया गया। कलश यात्रा एवं नगर भ्रमण के दौरान सभी भक्तजनों के हाथों में भगवा ध्वज भी लहराया गया साथ ही साथ सभी भक्त भक्ति रस में गाते बजाते झूमते हुए मंदिर परिसर पहुंचे। मंदिर में शिवलिंग,पार्वती माता,नंदी बाबा,भैरव बाबा, गणेश भगवान की प्रतिमा स्थापित की गई। मंदिर परिसर के पुजारी पंडित श्रवण पांडे भी पुजनोत्सव में शामिल थे। एवं मंदिर निर्माण व प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में डॉ अशोक कुमार,डॉ अजय कुमार, डॉ एस के चौधरी, डॉ प्रभारानी, डॉ बनदेवी झा, डॉ विपिन कुमार, डॉ श्याम जी भगत, डा डीके चौधरी, डॉ रामजी भगत, समाजसेवी गप्पु सिन्हा,श्रवण अग्रवाल, मुरारी अग्रवाल भवेश सिन्हा, गौरीशंकर मिश्रा, आनंद केवलम, दिवाकर झा, किरण मंडल, अशोक यादव, समीर दुबे, तेज नारायण साहा, दीपक दुबे दीपक सिंह, चंदन कुमार दीपक कुमार, अरुण चौधरी, सुनीता देवी के साथ अन्य गणमान्य के सहयोग से मंदिर निर्माण कार्य पूरा कराया गया दिनांक 18 फरवरी से 20 फरवरी तक प्राण प्रतिष्ठा एवं राम कथा के उपरांत 26 फरवरी को शिवरात्रि पूजन का भी समिति द्वारा पूजनोत्सव कार्यक्रम कराए जाने की सूचना प्राप्त हुई है।

चंद्रपुरा में स्थापित होगा 1600 मेगावाट का पावर प्लांट

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। दामोदर घाटी निगम द्वारा चंद्रपुरा में आठ-आठ सौ मेगावाट यानी कुल 1600 मेगावाट के थर्मल पावर प्लांट जल्द स्थापित किए जाएगें। शीघ्र ही इसका निर्माण-कार्य शुरू होगा। डीवीसी सीटीपीएस के परियोजना प्रधान सह वरिष्ठ महाप्रबंधक विजया नन्द शर्मा ने कहा कि यहां दो सुपर क्रिटिकल यूनिट स्थापित करने की मंजूरी केंद्र सरकार द्वारा सैद्धांतिक रूप से दे दी गई है। उन्होंने कहा कि इस इकाई की स्थापना और संचालन में प्रबंधन का कंट्रोल दामोदर घाटी निगम का रहेगा। उन्होंने कहा कि इन नई इकाइयों को स्थापित करने में करीब 16500 करोड़ रुपए का निवेश होगा। यह यूनिट अल्ट्रा मॉडर्न होगी। इसकी एफिशिएंसी पुराने प्लाट के अपेक्षा अधिक होगी। पर्यावरण के सभी मानक का अनुपालन किया जाएगा। इसकी टेक्नोलॉजी स्टेट ऑफ द आर्ट होगी। श्री शर्मा ने कहा कि इस इकाई के स्थापना से इस क्षेत्र में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से सैकड़ों लोगों को रोजगार मिलेगा। क्षेत्र में व्यापार को भी बढ़ावा मिलेगी। उन्होंने लोगों से अपील किया कि इस क्षेत्र के सभी समाज के लोग इन इकाइयों को स्थापित करने में उचित माहौल बनाए रखें ताकि क्षेत्र के विकास में कोई बाधा ना आए।

श्रीश्री नर्मदेश्वर शिवलिंग प्राण-प्रतिष्ठा यज्ञ का आयोजन

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। नगर के सेक्टर- 9बी स्थित स्ट्रीट 14 एवं 15 की कॉलोनी में श्रीश्री नर्मदेश्वर शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर कार्यक्रम के प्रथम दिन भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गई। इस कलश शोभा यात्रा में मोहल्ले के 251 महिलाओं व कुंवारी कन्याओं ने भाग लिया। इसके पूर्व महिलाएं व बालिकाएं पीला वस्त्र धारण कर आम पल्लवयुक्त कलश लेकर गाजेबाजे के साथ हर हर महादेव जय शिव शंभू का जयकारा लगाते हुए सेक्टर 9 बी कॉलोनी बी रोड होते हुए नवनाथ मंदिर पहुंचीं।

वहां विधिवत रूप से देवी देवताओं का आह्वान कर आचार्य सुनील कुमार पाण्डेय व पांच पुरोहितों द्वारा संकल्प पाठ पूजन व गंगा आरती के साथ संपन्न कराया। उसके बाद नवनाथ मंदिर से कलश में जल भरकर कुंवारी कन्याओं व महिलाओं की कलश शोभायात्रा सेक्टर 9 डी कॉलोनी अवस्थित शिव मंदिर प्रांगण से शुरू होकर 9ए रोड फूल दुकान मोड़ बी रोड मुख्य बाजार होते हुए हनुमान मंदिर परिसर स्ट्रीट 14/15 पहुंची। इसके साथ ही शिव मंदिर में कलश स्थापना के साथ शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान शुरू हुआ। इस दौरान बाबा भोलेनाथ के जयकारों से पूरे क्षेत्र में भक्तिमय माहौल बना रहा। पूजा समिति के सदस्यों ने बताया कि प्राण प्रतिष्ठा के लिए नर्मदेश्वर महादेव शिवलिंग काशी वाराणसी से मंगाया गया है। मौके पर रविशंकर अध्यक्ष बजरंग सेवा परिषद व यजमान आशीष कुमार व सुमन देवी योगेंद्र कुमार एनके सिंह बीपी सिंह एसएन सिंह एचके सिंह डीपी चौधरी गौरांग विक्की सिंह राम कुमार संजय मिथिलेश सुनील महतो सत्यम कुलदीप कुमार महतो राम नरेश प्रसाद जयंत दत्ता विजय हरिराम कुमार शिव कुमार विकास राजहंस आदि मौजूद रहे।

दामिन ए कोह को लेकर एमजी कॉलेज में सेमिनार का आयोजन

सेमिनार को संबोधित करते वक्ता

खबर मन्त्र संवाददाता

रानेश्वर। मयूराक्षी ग्रामीण कॉलेज के इतिहास विभाग द्वारा दामिन ए कोह की आर्थिक संरचना में पहाड़िया जनजाति का योगदान विषय पर शुक्रवार को सेमिनार का आयोजन हुआ। सेमिनार की अध्यक्षता इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ स्वर्ण कुमार सिंह ने किया। सेमिनार में मुख्य रूप से प्रभारी प्राचार्य प्रो. नव कुमार पाल, संताली विभागाध्यक्ष एंथोनी हांदसा, राजनीति शास्त्र के प्रो आनंद गोपाल घोष एवं प्रो अफरोज अहमद खान ने उक्त विषय पर अपना अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस अवसर पर इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ स्वर्ण कुमार सिंह ने कहा कि संथाल परगना में पहाड़िया जनजाति प्रिमिटिव जनजाति है। दामिन ए कोह झारखंड के संथाल परगना की पहाड़ियां जनजाति का हृदय है। वर्ष 1818 में जेसी सदरलैंड जो राजमहल पहाड़ी का हिल मजिस्ट्रेट थे। उनके रिपोर्ट के आधार पर 1832-33 में मिस्टर वार्ड के अनुशंसा से दामिन ए कोह क्षेत्र का गठन हुआ।

यह इलाका जंगली और पहाड़ी है। जमीन झारखंड राज्य के अन्य जगहों से अलग भूगोल बनाते हैं। यहां के भूगोल ने इतिहास को सबसे अधिक प्रभावित किया है। दामिनी एक का बहुत बड़ा क्षेत्र साहिबगंज जिला में पड़ता है। राजमहल पहाड़ी के दामिन क्षेत्र में पहाड़ की तलहटी में अथवा पहाड़ की ढलान पर विभिन्न प्रकार के जंगली पेड़ और पौधे पाए जाते हैं।

फेडरेशन ऑफ बैंक ऑफ इंडिया स्टाफ यूनियंस के आह्वान पर बैंककर्मियों का विशाल प्रदर्शन

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। ऑल इंडिया बैंक इंप्लाइज एसोसिएशन से संबद्ध फेडरेशन ऑफ बैंक ऑफ इंडिया स्टाफ यूनियंस के आह्वान पर आगामी 24 एवं 25 फरवरी को प्रस्तावित हड़ताल की सफलता को लेकर बैंक ऑफ इंडिया के बोकारो आंचलिक कार्यालय के समक्ष कर्मियों ने विशाल प्रदर्शन किया। पूरे भारतवर्ष के बैंक ऑफ इंडिया के आंचलिक कार्यालयों के समक्ष प्रदर्शन एवं बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंध निदेशक मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी के नाम सभी आंचलिक प्रबंधक के माध्यम से सामूहिक ज्ञापन दिया गया।

मांगों के औचित्य पर प्रकाश डालते हुए यूनियन के झारखंड प्रदेश के सहायक सचिव राकेश मिश्रा ने कहा कि बैंकों में कर्मचारियों की संख्या दिन प्रतिदिन घट रही है जिससे जहां ग्राहक सेवा बाधित हो रही है। वहीं कार्यरत कर्मचारियों पर काम का अनावश्यक अत्यधिक बोझ बढ़ता जा रहा है और वे तनाव में जीने को अभिशप्त हो गए हैं। साथ ही स्थाई बहाली नहीं होने से पढ़े लिखे लोगों को रोजगार से भी वंचित होना पड़ रहा है।

उन्होंने प्रबंधन पर समझौते के विपरीत सभी कार्य करने तथा कर्मचारियों के प्रति आए दिन भेदभाव किये जाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि हमारा आंदोलन बैंक हित ग्राहक हित एवं कर्मचारी हितों के रक्षार्थ किया जा रहा है। अगर प्रबंधन इसके बावजूद हमारी वाजिब मांगों पर समुचित ध्यान नहीं देता है तो घोषित आंदोलनात्मक कार्यक्रम के अनुसार दो दिवसीय पूर्ण हड़ताल किया जाएगा।

फिर आंदोलन को और भी तीव्रतर किया जाएगा। उक्त प्रदर्शन में राकेश मिश्रा प्रियंका कुमारी इंद्रजीत चौधरी अजय कुमार प्रेम कुमार विनय कुमार मनोज सिंह राजेश प्रसाद शशि भूषण मिश्रा पूनम देवी ममता राउत शोभा सिंह प्रदीप कुमार सिंह हसन रजा कलीम परमहंस मनोज कुमार संतोष दांडी विनोद कुमार संजीव कुमार विद्यासागर ठाकुरदास बेदिया राजेश दास जितेंद्र प्रमाणिक सहित सैकड़ों बैंककर्मी उपस्थित थे।

दियांगता जांच पेंशन शिविर का आयोजन 24 फरवरी से

बेरमो। बोकारो उपायुक्त विजया जाधव के निदेर्शानुसार जिले के सभी प्रखंडों में दियांगता जांच पेंशन शिविर का आयोजन किया जाएगा उक्त शिविर में क्षेत्र के योग्य लाभुकों को शत प्रतिशत पेंशन स्वीकृत मुख्यमंत्री राज्य वृद्धावस्था पेंशन, मुख्यमंत्री राज्य निराश्रित महिला सम्मान पेंशन योजना,स्वामी विवेकानंद निःशक्त स्वावलम्बन प्रोत्साहन योजना एवं ल्कश्र/अक्क्र पीड़ित व्यक्ति सहायतार्थ पेंशन एवं स्वीकृत पेंशनधारीयों का जिन्हें किसी कारणवश पेंशन भुगतान नहीं हो पा रहा है, का त्रुटि निराकरण संबंधित आवेदनों का जाँचों परांत नियमानुसार निष्पादन किया जाएगा साथ ही शिविर में स्वामी विवेकानंद निःशक्त स्वावलम्बन प्रोत्साहन योजना से अच्छादित करने हेतु पेंशन फॉर्म भी उक्त शिविर में भरा जाएगा शिविर में दिव्यांग प्रमाण पत्र भी जांच कर जारी किया जाएगा।

बकाया वेतन और सुरक्षा उपकरणों की मांग को लेकर जताया विरोध

बेरमो। सीसीएल बीएंडके प्रक्षेत्र के खासमहल कोनार परियोजना में कार्यरत आउटसोर्सिंग कंपनी हेमटेक के अधीन कार्यरत्त मजदूरों ने शुक्रवार को अपने दो माह के बकाया वेतन भुगतान व सुरक्षा उपकरणों जैसे जूता, टोपी, आई कार्ड आदि की मांग को लेकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। जबकि आउटसोर्सिंग कंपनी के साइडिंग इंचार्ज ने कहा कि मजदूरों का वेतन एक दो दिनों के भीतर भुगतान कर दिया जायेगा जबकि सुरक्षा उपकरणों के संबंध में कहा कि लगभग सभी मजदूरों को जूता टोपी आदि उपलब्ध करवा दिया गया है कुछ लोग अगर बाकी है तो उन्हें भी जल्द दे दिया जायेगा जबकि आई कार्ड के संबंध में कहा कि लगभग सभी कर्मियों को दिया जा चुका है आज मुझे पता चला है कि कुछ का आई कार्ड नही मिला है जिसे जल्द ही मिल जायेगा। बहरहाल आउटसोर्सिंग कंपनी के बाद आंदोलन समाप्त हो गया।

टाइम की सूची में भारत की पूर्णिमा बर्मन भी शामिल

एजेंसी

▶▶ वुमन ऑफ द ईयर सूची में इस साल 13 प्रभावशाली महिलाओं को मिला स्थान
▶▶ पूर्णिमा के लंबे संघर्ष से असम में धेनुक की आबादी 1,800 से अधिक हो गयी

न्यूयॉर्क। प्रतिष्ठित अमेरिकी पत्रिका टाइम की इस वर्ष की वुमन ऑफ द ईयर सूची में दुनियाभर की 13 प्रभावशाली महिलाओं को शामिल किया गया है। सूची में भारतीय जीव-विज्ञानी एवं वन्यजीव संरक्षणकर्ता का नाम भी है। टाइम्स की सूची में शामिल 45 वर्षीय पूर्णिमा देवी बर्मन एकमात्र भारतीय महिला हैं। इस सूची में अभिनेत्री निकोल किडमैन और फ्रांस की गिसेल पेलिकॉट का नाम भी है। टाइम पत्रिका ने पूर्णिमा बर्मन की प्रोफाइल में लिखा है कि उन्हें 2007 का वह दिन आज भी याद है, जब असम में रहते वक्त उन्हें एक फोन आया और उन्हें बताया गया कि एक पेड़ काटा जा रहा है, जो ग्रेटर एडजुटेंट स्टॉर्क (धेनुक, एक प्रकार का पक्षी) के परिवार का घर था। प्रोफाइल के मुताबिक इस किस्से के बाद उनकी जिंदगी बदल गई। उन्होंने वहां पहुंचकर मौके पर पूछा कि पेड़ क्यों काटा जा रहा है? बर्मन ने कहा कि सभी (धेनुक) ने मुझे घेर लिया और चहचहाना शुरू कर दिया। इस समय उनके जहन में अपनी नवजात जुड़वां बेटियों का ख्याल आया, क्योंकि धेनुक की तरह वे भी बहुत छोटी थीं। उन्हें लगा कि प्रकृति पुकार रही है। प्रोफाइल में उल्लेख किया गया है कि उस समय असम में लगभग 450 बड़े धेनुक बचे थे। पूर्णिमा के लंबे संघर्ष का नतीजा यह है कि वर्ष 2023 में धेनुक को अंतरराष्ट्रीय प्रकृति

संरक्षण संघ के वर्गीकरण के तहत लुप्तप्राय स्थिति से हटाकर निकट संकटग्रस्त श्रेणी में लाया गया है। आज असम में धेनुक की आबादी 1,800 से ज्यादा हो गई है। विभिन्न सूचना माध्यमों में उपलब्ध के अनुसार ग्रेटर एडजुटेंट स्टॉर्क (धेनुक) चिड़िया को हर्गिला या हड्डी निगलने वाला भी कहा जाता है। धेनुक के संरक्षण के लिए पूर्णिमा ने अपनी पीएचडी की पढ़ाई स्थगित कर दी। पेड़ों की कटाई के खिलाफ महिलाओं को लामबंद किया। लंबे अंतराल के बाद उन्होंने 2019 में पीएचडी की पढ़ाई पूरी की। पूर्णिमा ने इस काम के लिए लगभग 20 हजार महिलाओं की टीम तैयार की है। उन्होंने इसे हर्गिला आर्मी का नाम दिया है। असम की सीमाओं को लांघता हुआ उनका काम पूरे भारत और कंबोडिया तक पहुंच गया है। फ्रांस जैसे दूरदराज के स्कूलों में पूर्णिमा बर्मन के काम के बारे में पढ़ाया जाता है। उन्होंने गुवाहाटी यूनिर्वसिटी से जंतु विज्ञान (जूलॉजी) विषय में मास्टर्स की डिग्री हासिल की है। इस क्षेत्र में उन्होंने कई महत्वपूर्ण काम किए हैं। नतीजा सामने है। 20 फरवरी को टाइम ने उनको 2025 के 'वुमन ऑफ द ईयर' की सूची में शामिल किया है।

भारतीय मूल के छात्र विश्वा राजकुमार ने मेमोरी लीग विश्व चैंपियनशिप जीती

न्यूयॉर्क। पुडुचेरी स्थित मानाकुला विनायागर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के छात्र विश्वा राजकुमार ने प्रतिष्ठित और कठिन प्रतियोगिता मेमोरी लीग वर्ल्ड चैंपियनशिप-2025 जीत ली। उन्होंने 13.50 सेकंड में 80 क्रमरहित संख्याओं और 8.40 सेकंड में 30 छवियों को याद करके यह कामयाबी हासिल की। द न्यूयॉर्क टाइम्स समाचार पत्र के अनुसार भविष्य के बारे में विश्वा ने कहा कि कॉलेज पूरा होने के बाद (दो से तीन माह बाद) मैं शायद एक मेमोरी ट्रेनर बनने की कोशिश करूंगा। अन्य लोगों को यह तकनीक सिखाने के लिए भारत में एक मेमोरी संस्थान बनाऊंगा। मेरा लक्ष्य इसे बड़ा बनाना है।

राजकुमार ने चीजों को याद करने की अपनी तकनीक पर कहा कि शरीर में पानी की पर्याप्त मात्रा बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे आपके मस्तिष्क को मदद मिलती है। मान लीजिए कि आप कोई किताब पढ़ रहे हैं। आप उसे जोर से बोलकर नहीं पढ़ रहे, लेकिन आप अपने मन में चीजें बोल रहे हैं। अगर आप बहुत सारा पानी नहीं पीते हैं तो आपकी गति थोड़ी धीमी रहेगी।

तेल अवीव में तीन बसों में विस्फोट

यरूशलेम । इजरायल के तेल अवीव क्षेत्र में गुरुवार रात एक साथ तीन खाली बसों में विस्फोट हुआ जबकि कम से कम दो अन्य बसों में विस्फोटक उपकरण पाए गए। पुलिस ने इसे आतंकवादी हमला बताया है। इजरायल के मैगन डेविड एडोम बचाव सेवा ने कहा कि किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। तेल अवीव के दक्षिणी उपनगर बैट याम में खड़ी बसों में विस्फोट हुए। वीडियो में वाहनों में आग की लपटें दिखाई दे रही हैं। एक तस्वीर में बस पूरी तरह जलती हुई दिखाई दे रही है। तेल अवीव जिला कमांडर हैम सरगारोफ ने एक प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि नजदीकी उपनगर होलोन में एक बस में एवं एक तेल अवीव के बाहरी इलाके में बस में विस्फोटक उपकरण पाये गए। उन्होंने कहा कि यह एक बड़े पैमाने की घटना है जो कम से कम पाँच स्थानों पर एक साथ हो रही है। कई स्थानों पर टीमों और अधिकारियों को तैनात किया है।

2029 तक 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनेगा यूपी

सपा ने अपनी कारगुजारियों से गंवा दीं प्रदेश के विकास की संभावनाएं : योगी

खबर मन्त्र संवाददाता

▶▶ यूपी की ग्रोथ रेट देश में सबसे बेहतर है, तेजी से हो रहा विकास : मुख्यमंत्री
▶▶ तीन लाख करोड़ से अधिक का योगदान देगा महाकुंभ
▶▶ 2027 में भारत पांच ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनेगा

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा के बजट सत्र के चौथे दिन प्रश्नकाल के दौरान एक बार फिर समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव का नाम लिए बगैर उन पर जमकर हमला बोला। मुख्यमंत्री ने कहा कि सपा ने अपनी कारगुजारियों के चलते प्रदेश के विकास की संभावनाएं गंवा दीं। सपा सरकार ने यूपी को बीमारू बनाया और अब उनका पर्सनल एजेंडा फलीभूत नहीं हो पा रहा है इसलिए उन्हें राज्य का विकास पसंद नहीं आ रहा। सपा वाले जिस थाले में खाते हैं उसी में छेद करते हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2029 में यूपी वन ट्रिलियन डालर इकॉनामी वाला राज्य बन जाएगा। मुख्यमंत्री प्रश्न प्रहर में सपा सदस्य डा. रागिनी के सवाल का जवाब दे रहे थे। डा. रागिनी ने जानना चाहा कि यूपी कब तक वन ट्रिलियन इकॉनामी वाला राज्य बनेगा और कौन-कौन से अधिकारी इसमें क्या-क्या योगदान दे रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब सपा की सरकार आई थी, तब राज्य की अर्थव्यवस्था 12 लाख करोड़ रुपये थी, जो इस वित्तीय वर्ष के अंत तक 27.5 लाख करोड़ रुपये हो जाएगी। विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि जो लोग भारत को विकसित राष्ट्र नहीं मानते, वे उत्तर प्रदेश की आर्थिक वृद्धि पर भी सवाल उठाते हैं, भारत आज दुनिया की एक बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में आगे बढ़ रहा है। हो सकता है कि कुछ लोगों को अच्छा नहीं लग रहा हो क्योंकि जिनका अपना पर्सनल एजेंडा होता है, वह देश के विकास को अच्छा नहीं मानेंगे, लेकिन सच्चाई यह है कि देश की अर्थव्यवस्था आज विश्व में पांचवें स्थान पर पहुंच चुकी है और 2027 तक भारत 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए 10 प्रमुख क्षेत्रों को चिह्नित किया है। इन क्षेत्रों में औद्योगिक विकास, कृषि, सामाजिक सुरक्षा, नगरीय विकास, राजस्व संग्रह, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन और सेवा क्षेत्र शामिल हैं।

महाकुंभ में 60 करोड़ से अधिक श्रद्धालु आयेंगे

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में पर्यटन क्षेत्र में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। 2023 में 65 करोड़ पर्यटक राज्य में आए और महाकुंभ में 60 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। उन्होंने कहा कि महाकुंभ राज्य की अर्थव्यवस्था में 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक का योगदान देगा।

विधानसभा में शुक्रवार को राज्यपाल के अभिभाषण पर जवाब देते यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ

सभी के हित में काम करते रहेंगे : नीतीश

खबर मन्त्र संवाददाता

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को प्रगति यात्रा के अंतिम दिन किसी भी दल के जनप्रतिनिधि के सुझाव का सम्मान करने, उनके क्षेत्र से जुड़ी मांगों को पूरा करने और किसी के साथ भेदभाव नहीं करने की प्रतिबद्धता दुहराते हुए स्पष्ट किया कि वह शुरू से सबके हित में काम करते रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे। श्री कुमार ने शुक्रवार को प्रगति यात्रा के अंतिम दिन पटना जिले में चल रही विकास योजनाओं की समीक्षा बैठक में कहा कि बिहार के हर क्षेत्र में काम हो रहा है, आगे और तेजी से काम होगा। उन्होंने कहा, ह्लकिसी भी पार्टी के जनप्रतिनिधि हों, उनके सुझाव का हमलोग सम्मान करते हैं। उनके इलाके की जो भी मांगें होंगी, उन सबको पूरा किया जाएगा। हमलोग किसी के साथ भेदभाव नहीं करते हैं। हम सभी लोगों के हित में शुरू से काम करते रहे हैं, आगे भी सबके हित में काम करते रहेंगे। नीतीश कुमार ने कहा कि वह केंद्र सरकार से पटना शहर के पास एक नए अंतर्राष्ट्रीय ग्रीनफील्ड हवाईअड्डा का निर्माण कराए जाने का अनुरोध करेंगे। उन्होंने कहा कि जेपी गंगा पथ को पश्चिम की ओर कोइलवर के वीर कुंवर सिंह सेतु तक परबट ओर मोकामा के राजेन्द्र सेतु तक पुराने एच-31 का चौड़ीकरण होगा।

पटना के पास नये अंतर्राष्ट्रीय ग्रीनफील्ड हवाईअड्डा के लिए केंद्र सरकार से करेंगे अनुरोध

100 फीसदी स्वस्थ हैं पापा : निशांत

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को थका हुआ और अस्वस्थ होने की बात कहने वाले नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को सीएम नीतीश के बेटे निशांत कुमार ने जवाब दिया है। पटना में शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान निशांत ने कहा कि पिताजी 100 प्रतिशत स्वस्थ हैं। साथ ही एक बार फिर से निशांत ने पिता नीतीश के कामों की तारीफ करते हुए कहा कि मेरे पिता ने अच्छा काम किया है। साथ ही अपील की, कि जनता फिर से उन्हें मुख्यमंत्री बनाएं।

चौथे दिन भी गिरा शेयर बाजार, सेंसेक्स 425 व निफ्टी 150 अंक लुढ़का

मुंबई । अमेरिका की संभावित जवाबी टैरिफ और विदेशी निवेशकों की लगातार जारी बिकवाली को लेकर बढ़ती चिंताओं के कारण शुक्रवार को शेयर बाजार में चौथे दिन भी गिरावट का सिलसिला जारी रहा।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 424.90 अंक अर्थात 0.56 प्रतिशत का गोता लगाकर 75,311.06 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 117.25 अंक यानी 0.51 प्रतिशत कमजोर रहकर 22,795.90 अंक पर बंद हुआ।

इसी तरह बीएसई का मिडकैप 1.18 प्रतिशत लुढ़ककर 40,374.02 अंक और स्मॉलकैप 0.43 प्रतिशत उतरकर 45,856.00 अंक पर आ गया।

ट्रक से टकराई कार, एक ही परिवार के छह की मौत

खबर मन्त्र संवाददाता

▶▶ भोजपुर में हादसा, कुंभ से स्नान कर पटना लौट रहे थे श्रद्धालु, मृतकों में चार महिला और दो पुरुष समेत

आरा । बिहार के भोजपुर जिले में जगदीशपुर थाना क्षेत्र के आरा-मोहनियां राष्ट्रीय राजमार्ग पर दुल्हिन बाजार के निकट शुक्रवार सुबह तेज रफ्तार कार के खड़े ट्रक से टकराने से महाकुंभ से स्नान कर लौट रहे पटना के एक ही परिवार की चार महिला और दो पुरुष समेत छह लोगों की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि प्रयागराज में महाकुंभ से स्नान कर एक ही परिवार के छह लोग कार से लौट रहे थे। तेज रफ्तार कार दुल्हिन बाजार में पेट्रोल पंप के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर पहले से खड़े एक ट्रक से टकरा गई। इस दुर्घटना में कार पर सवार छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने कार में फंसे शवों को बाहर निकाला और पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मृतकों की पहचान पटना की करुणा देवी (56), आशा किरण (28) जूही रानी (25), प्रियम (20), संजय कुमार (60) और लाल बाबू सिंह (25) के रूप में की गई है। सभी मृतक महाकुंभ में स्नान करने गुरुवार को प्रयागराज गए थे। घटना कारण कार चला रहे लालू बाबू सिंह को नींद आना बताया का रहा है।

सासाराम में मैट्रिक के छात्र की गोली मारकर हत्या

सासाराम । रोहतास जिले के सासाराम में मैट्रिक की परीक्षा देकर घर लौट रहे ऑटो सवार दो परीक्षार्थियों को छात्रों के एक गुट ने गोली मार दी थी। उनमें एक छात्र अमित की शुक्रवार सुबह इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि दूसरे की हालत गंभीर है।

इससे गुस्साए छात्रों और अन्य लोगों ने शुक्रवार को डेहरी मुफस्सिल थाना क्षेत्र के पास नेशनल हाईवे जाम कर आगजनी की और जमकर हंगामा किया। परीक्षा के बाद छात्र ऑटो में सवार होकर डेहरी में अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान परीक्षार्थियों के दूसरे गुट ने फायरिंग कर दी। गोली लगने से अमित और एक अन्य छात्र घायल हो गए थे। दोनों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान अमित की मौत हो गई।

बिहार में बुलेट ट्रेन के लिए जल्द शुरू होगा भूमि अधिग्रहण

पटना, गया, जहानाबाद, आरा और बक्सर जिले में बनेंगे स्टेशन

खबर मन्त्र संवाददाता

पटना। बिहार को जल्द ही बुलेट ट्रेन की सौगात मिलने वाली है। केंद्र सरकार इस परियोजना को लेकर गंभीर है, और जल्द ही इस दिशा में काम शुरू होने वाला है। परियोजना के लिए जमीन चिह्नित करने की प्रक्रिया भी जारी है। प्रस्तावित हाई-स्पीड बुलेट ट्रेन वाराणसी से हावड़ा के बीच चलेगी, जिसमें बिहार के पांच प्रमुख शहरों को जोड़ा जाएगा। इन शहरों के स्टेशनों से गुजरते हुए ट्रेन वाराणसी और हावड़ा के बीच सफर तय करेगी। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत बिहार के पटना, गया, जहानाबाद, आरा और बक्सर जिलों में बुलेट ट्रेन के स्टेशन बनाए जाएंगे। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन (एनएचसी) ने इस संबंध में रूट चार्ट जारी कर दिया है। बिहार में लगभग 29.70 किलोमीटर लंबा एलिवेटेड ट्रैक बनाया जाएगा, जिसके लिए इन पांच जिलों के गांवों में जमीन चिन्हित की जा रही है।

ट्रेन के लिए 13 स्टेशन बनेंगे : परियोजना से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक, 2023 में इस परियोजना का विस्तृत सर्वेक्षण किया गया था, जिसके आधार पर आगे की प्रक्रियाओं को तेजी से आगे बढ़ाया गया। वाराणसी से हावड़ा के बीच कुल 13 स्टेशन प्रस्तावित हैं, जिनमें बिहार के पांच स्टेशन शामिल होंगे। राजधानी पटना में बसूला और गया में मानपुर के पास स्टेशन बनाने की योजना है, जबकि अन्य जिलों में भी स्टेशनों के लिए स्थान तय किए जा रहे हैं। पटना जिले में फुलवारीशरीफ, संपतचक, धनरुआ और मसौढ़ी प्रखंड के 30 गांवों की जमीन चिन्हित की गई है। जहानाबाद में शादीपुर, देवरा, मिल्की, जैतिपुर कुरवा, बिशुनपुर ओकरी समेत 28 गांवों से ट्रेन गुजरेगी। भोजपुर जिले में महुरही, तीयर, हेतमपुर, पानापुर जैसे 38 गांवों से होकर यह बुलेट ट्रेन गुजरेगी। गया जिले में मानपुर मुख्य स्टेशन के रूप में प्रस्तावित है। जिले के 41 गांवों से हाई-स्पीड ट्रेन का मार्ग तय किया गया है।

गया के मानपुर में बनेगा मुख्य स्टेशन : गया-कोडरमा सेक्शन में बुलेट ट्रेन के लिए मानपुर में मुख्य स्टेशन बनाया जाएगा। जमीन सर्वे के बाद मिट्टी की गुणवत्ता की जांच होगी, जिसके बाद जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। दिसंबर 2024 में जिला प्रशासन और स्थानीय लोगों के साथ बैठक कर सर्वेक्षण रिपोर्ट पर चर्चा की गई थी। एडीएम (राजस्व) परितोष कुमार ने बताया कि गया जिले में 41 गांवों का सर्वेक्षण पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा कि गया जिले में बुलेट ट्रेन के लिए स्टेशन प्रस्तावित है। इसमें 41 गांव शामिल हैं, और इनसे संबंधित जानकारी एजेंसी को दे दी गई है।

वाराणसी से हावड़ा के बीच कुल 799.293 किलोमीटर की दूरी तय की जाएगी। इस हाई-स्पीड बुलेट ट्रेन की अधिकतम रफ्तार 350 किलोमीटर प्रति घंटा होगी, जबकि औसत गति 250 किलोमीटर प्रति घंटा रहने की उम्मीद है। बुलेट ट्रेन परियोजना के सर्वेक्षण का कार्य वेज इंफा प्राइवेट लिमिटेड ने पूरा कर लिया है।

स्पीड न्यूज

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिलीं दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता।

दिल्ली विधानसभा का सत्र सोमवार से

नयी दिल्ली। दिल्ली विधानसभा का पहला सत्र सोमवार से शुरू होगा जिसमें विधायकों शपथ के साथ ही कैग की रिपोर्ट को भी सदन पेश होने की संभावना है। जानकारी के अनुसार दिल्ली सरकार ने 24 फरवरी से विधानसभा सत्र बुलाया है। यह सत्र तीन दिनों के लिए 24, 25 और 27 फरवरी का होगा ।

एसजीपीसी अध्यक्ष धामी का इस्तीफा नामंजूर

चंडीगढ़। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) की कार्यकारिणी ने प्रधान एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी का इस्तीफा नामंजूर कर दिया है। कार्यकारिणी की शुक्रवार को हुई बैठक में यह फैसला लिया गया, जिसमें कहा गया कि हरजिंदर सिंह धामी के साथ जल्द ही एक प्रतिनिधिमंडल बैठक करेगा। बैठक में उन्हें अपना इस्तीफा वापस लेने के लिए कहा जाएगा। एसजीपीसी के कामकाज की समीक्षा के लिए जल्द ही कुछ दिनों में बैठक बुलाई जाएगी। एसजीपीसी के मुख्य सचिव कुलवंत सिंह मन्न ने बताया कि संस्था श्री दमदमा साहिब के जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह को हटाने का फैसला ले सकती है।

एकनाथ शिंदे को धमकी मामले में दो गिरफ्तार

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की कार को बम से उड़ाने की धमकी देने वाले दो आरोपितों को मुंबई पुलिस ने बुलढ़ाणा जिले के देवलगांव से गिरफ्तार किया है। मुंबई पुलिस ने बुलढ़ाणा पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए देवलगांव से दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। इन दोनों संदिग्धों की पहचान मंगेश अच्युतराव वायल (35) और अभय गजानन शिंगणे (22) के रूप में की गई है।

ट्रेन से कटकर पलामू के दो लोगों की मौत

सासाराम। रोहतास जिले में सासाराम रेलवे स्टेशन पर ट्रेन से कटकर एक महिला और एक बच्ची की मौत हो गयी। पुलिस सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि पलामू जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र निवासी चंदेश्वर चौधरी की पत्नी खूशबू (22) रोहतास जिले के नोखा थाना क्षेत्र के भंवरटोला गांव स्थित अपने रिश्तेदार के घर आयी हुयी थी।

पाक : बस नाले में गिरी, आठ की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्वी पंजाब प्रांत में शुक्रवार तड़के एक खुले नाले में मिनीबस के गिरने से कम से कम आठ लोगों की मौत हो गयी ओर अन्य दो घायल हो गये। पुलिस ने स्थानीय मीडिया को बताया कि यह दुर्घटना पूर्वी पंजाब प्रांत के कसूर जिले में उस समय हुई जब मिनीबस एक संगीत समूह के सदस्यों को लेकर एक विवाह समारोह से लौट रही थी और अनियंत्रित होकर सड़क से लुढ़ककर नाले में गिर गयी।

संभल हिंसा के आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल

संभल। उत्तर प्रदेश के संभल में 24 नवंबर 2024 को शाही जामा मस्जिद में सर्वे के दौरान भड़की हिंसा के मामले में पुलिस ने चार्जशीट दाखिल कर दी है। इसमें आरोपियों के खिलाफ पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों पर जानलेवा हमले के आरोप लगाए गए हैं। संभल के एसपी कृष्ण बिश्नोई ने शुक्रवार बताया कि 24 नवंबर 2024 को हुई हिंसा के मामले में अब तक कुल 12 एफआईआर दर्ज की गई हैं।